NTA UGC NET-JRF/SET
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा
जूनियर रिसर्च फेलोशिप एवं लेक्चररशिप
पात्रता हेतु

दृश्य कला

हल प्रश्न-पत्र

प्रधान सम्पादक
आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन
यू.जी.सी. दृश्य कला परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह

संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
मो. : 9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com
© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP YCT BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सहयोग और सुझाव सादर अपेक्षित है

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

दृश्य कला UGC NTA NET/JRF परीक्षा

- UGC NTA NET/JRF नवीन परीक्षा पाठ्यक्रम 3-4
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2010 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 5-11
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2010 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 12-18
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2011 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 19-25
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2011 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 26-32
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2012 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 33-40
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2012 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 41-51
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 52-59
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2012 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 60-70
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2013 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 71-77
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2013 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 78-89
- यू.जी.सी. (सितम्बर) परीक्षा, 2013 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 90-97
- यू.जी.सी. (सितम्बर) परीक्षा, 2013 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 98-107
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 108-114
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2013 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 115-125
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2014 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 126-133
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2014 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 134-144
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 145-151
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2014 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 152-162
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2015 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 163-171
- यू.जी.सी. (जून) परीक्षा, 2015 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 172-183
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 184-190
- यू.जी.सी. (दिसम्बर) परीक्षा, 2015 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 191-201
- यू.जी.सी. (जुलाई) परीक्षा, 2016 (II) (निरस्त) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 202-208
- यू.जी.सी. (जुलाई) परीक्षा, 2016 (III) (निरस्त) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 209-218
- यू.जी.सी. (अगस्त) परीक्षा, 2016 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 219-225
- यू.जी.सी. (अगस्त) परीक्षा, 2016 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 226-236
- यू.जी.सी. (जनवरी) परीक्षा, 2017 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 237-242
- यू.जी.सी. (जनवरी) परीक्षा, 2017 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 243-252
- यू.जी.सी. (नवम्बर) परीक्षा, 2017 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 253-264
- यू.जी.सी. (नवम्बर) परीक्षा, 2017 (III) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 265-276
- यू.जी.सी. (जुलाई) परीक्षा, 2018 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 277-288
- यू.जी.सी. NTA NET (दिसम्बर) परीक्षा, 2018 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 289-302
- यू.जी.सी. NTA NET (जुलाई) परीक्षा, 2019 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 303-319
- यू.जी.सी. NTA NET (दिसम्बर) परीक्षा, 2019 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 320-332
- यू.जी.सी. NTA NET (जुलाई) परीक्षा, 2020 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 333-343
- यू.जी.सी. NTA NET (दिसम्बर-2020/जून-2021) परीक्षा, 2021 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 344-368
- यू.जी.सी. NTA NET (दिसम्बर-2021/जून-2022) परीक्षा, 2021 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 369-392
- यू.जी.सी. NTA NET दिसम्बर-2022 परीक्षा, 24.02.2023 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 393-414
- यू.जी.सी. NTA NET जून-2023 परीक्षा, 21.06.2023 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 415-432
- यू.जी.सी. NTA NET दिसम्बर-2023 परीक्षा, 14.12.2023 (II) दृश्य कला व्याख्या सहित हल प्रश्न-पत्र 433-448

UGC NTA NET कला नवीन पाठ्यक्रम

विषय : दृश्य कलाएँ

दृश्य कलाओं का संबंध ऐसी सर्जनात्मक अभिव्यक्ति से है जिनके प्रमुख निर्धारक तत्व नवप्रवर्तन तथा वैयक्तिकता है। उत्कृष्ट कौशल अथवा प्रवीणता से निर्मित ऐसी कलाकृतियों में निवेशित मूल्य निरपवाद रूप से प्रकट होता है जो सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसी कारण इन कलाओं को ललित कलाओं के रूप में भी जाना जाता है। स्टूडियो में कार्य करते हुए दृश्यकलाओं के विभिन्न विशेषज्ञतायुक्त संवर्ग उत्पन्न हुए यथा रेखाचित्रकला, चित्रकला, मूर्तिकला, छपाईकला, डिजाइन इत्यादि – जो व्यवहार में माध्यम-आधारित संवर्ग है। समकालीन समय में दृश्य कला एक एकल-अनुशासनिक अभिव्यक्ति से ऊपर उठकर बहु-माध्यम अभिव्यक्तियों की ओर अग्रसर हुई है जो स्थान के रूप में स्टूडियो/दीर्घा/संग्रहालय तथा आर्थिक निर्धारक तत्व के रूप में बाजार की परिसीमाओं को पार कर चुकी है। इस प्रकार, अनुप्रयुक्त कलाओं को यह अपने अन्तर्गत समाहित और समाविष्ट करती है, जबकि आधुनिकेतर व्यवहार में फोटोग्राफी तथा डिजिटल माध्यम भी इसके अविभाज्य अंग बन गए हैं। सैद्धांतिक दृष्टि से कला इतिहास और समालोचना भूत तथा वर्तमान के विकासक्रमों और नवप्रवर्तनों का परीक्षण और विश्लेषण करते हैं और वर्तमान तथा संभावित भविष्य(यों) के विषय में स्टूडियो कार्य के प्रति प्रसंगात्मक जागरूपकता उपलब्ध कराते हैं। इस प्रकार, इस पाठ्यक्रम में इस/इन विषय(यों) की सर्वांगीण समझ हेतु उपर्युक्त सभी बातों को एकीकृत किया गया है।

पाठ्यक्रम की योजना

- **इकाई-1 :** दृश्य कला के मूलाधार (रेखा, आकृति, रूप, स्थान, रंग, टेक्सचर, रंगाभास, मूल्य, परिप्रेक्ष्य, अभिकल्प इत्यादि)। संघटन के दृश्य सिद्धांतों (अनुपात, एकत्व, समरसता, लय, वैषम्य, संतुलन, अग्रसंकुचन और प्रमुखता इत्यादि) दृश्य कला में दो और तीन आयामों में प्रतिनिधित्व कला के पर्यावरणीय, संकल्पनात्मक और बोधात्मक पक्ष।
- **इकाई-2 :** दृश्य कला के विभिन्न रूप और अन्य प्रकार की सर्जनात्मक अभिव्यक्तियों–जैसे प्रदर्शन कला, सिनेमा और साहित्य के साथ उनका परस्पर संबंध।
- **इकाई-3 :** पारंपरिक माध्यमों, सामग्रियों और तकनीकों का ज्ञान और दृश्य अभिव्यक्तियों के समस्त अनुशासनों में उनका अनुप्रयोग, उदाहरणार्थ नक्काशी और ढलाई की प्रक्रियाएँ, रंग/वर्णक (सांद्र वर्ण, काचन इत्यादि) का उचित प्रयोग, उत्कीर्णन / उद्भूत उत्कीर्ण चित्रकला, छपाई, भित्तिचित्र, भित्तिचित्र के लिए स्थान की तैयारी, लघु चित्रों के लिए वास्ली को तैयार करना इत्यादि।
- **इकाई-4 :** आधुनिक तकनीकों, प्रक्रियाओं और कार्यविधियों में विकास और समकालीन दृश्य (उदाहरणार्थ अभ्यासों में उनका अनुप्रयोग उदाहरणार्थ प्रतिष्ठापन, बहुरंगी छपाई, कम्प्यूटर सहाय्यित डिजाइन (या रूपांकन) वेक्टर एवं रेक्टर, कला में मल्टीमीडिया और डिजिटल प्रौद्योगिकियाँ, ट्रांपि लऔएल इलुजरी हाइपर रियलिज्म इत्यादि में।
- **इकाई-5 :** भारतीय और पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र तथा कला-प्रशंसा का अध्ययन।
- **इकाई-6 :** पाश्चात्य कला और कलाकारों के इतिहास को रूपांतरित करने वाले विभिन्न आंदोलनों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए, प्रागैतिहासिक काल से उत्तर-आधुनिक काल की अवधि तक पाश्चात्यकला और कलाकारों का कालानुक्रमिक अध्ययन।
- **इकाई-7 :** प्रागैतिहासिक काल से लेकर 19वीं शताब्दी तक भारतीय कला के घटनाक्रम और कालों का कालानुक्रमिक अध्ययन।
- **इकाई-8 :** कला आन्दोलनों और प्रमुख प्रवर्तकों के संदर्भ में 20वीं तथा 21वीं शताब्दी की अवधि में भारतीय कला में समकालिक प्रथाएँ, विज्ञापन, डिजाइनिंग और दृश्य संचार की आधुनिक अवधारणा, समसामयिक दृश्य अभिव्यक्ति में प्रायोगिक रीतियाँ, औपनिवेशिक (ब्रिटिश) कला स्कूलों से लेकर वर्तमान समय तक भारत में कला शिक्षा का विकास।
- **इकाई-9 :** सुदूरपूर्व, दक्षिण पूर्व और केन्द्रीय एशिया और प्राचीन निकट पूर्व में कला का अध्ययन।
- **इकाई-10 :** भारत में पारंपरिक समुदायों की दृश्य प्रथाओं और उनके समकालिक रूपान्तरणों को समझना – भारतीय 'लोक कला', 'जनजातीय कला' और शिल्प कला अभ्यास।

दृश्य कला के विकल्पों के लिए पाठ्यक्रम : विकल्प-I कला का इतिहास

- कला ऐतिहासिक प्रविधि के सिद्धान्त–आकारवाद, प्रतिमाशास्त्र, लक्षण विषयक विश्लेषण, कला इतिहास में मनोवैश्लेषिक विधि, दृश्य बोध का जेस्टाल्ट सिद्धान्त, दृश्यकला पर वर्ग और जेंडर के सिद्धान्तों का मनोविश्लेषणात्मक प्रभाव, विसंरचना और कला इतिहास के लिए उसकी रूपान्तरकारी भूमिका, ''नव'' कला इतिहास की ओर समकालिक बदलाव, भारत में औपनिवेशिक काल से लेकर स्वातंत्र्योत्तर काल की अवधि तक एक उदीयमान अनुशासन के रूप में कला इतिहास, क्यूरेटर द्वारा प्रबंधन का प्रारंभ – संग्रहालय, दीर्घा और कला इतिहास का समागम, सौंदर्यबोध के सिद्धांत और दृश्य कला की कृतियों के ऐतिहासिक/समालोचनात्मक विश्लेषण में उनकी प्रासंगिकता।
- **भारतीय प्रतिमाविग्यान :** भारत में प्रतिमा पूजन की प्राचीनता और प्रतिमा मान विज्ञान के सिद्धान्त, प्रतिमा विज्ञान और वैदिक प्रतिमाओं से ब्राह्मण-कालीन प्रतिमाओं तक का विकास, इन्द्र, सूर्य, अग्नि, वरुण, कुबेर, यम, अष्ट दिकपाल, विष्णु, शिव, शक्ति, सप्तमातृकाएँ, कार्तिकेय, गणेश और नद्य-देवियाँ (गंगा और यमुना) इत्यादि का क्रमविकास। बौद्ध प्रतिमा विज्ञान, बुद्ध की प्रतिमाओं (जैसे ध्यानी बुद्ध, मानुषी बुद्ध इत्यादि) बोधिसत्व (अवलोकितेश्वर, मंजुश्री, मैत्रेयी इत्यादि), तारा, कुबेर इत्यादि का क्रमविकास। जैन प्रतिमा विज्ञान : तीर्थंकर (आदिनाथ, पार्श्वनाथ, नेमिनाथ, महावीर), बाहुबली, अम्बिका, सरस्वती, यक्ष और यक्षी (जैन संदर्भ में) इत्यादि।
- **भारतीय मूर्तिकला : (पूर्व-आधुनिक घटनाक्रम) :** सिन्धु घाटी सभ्यता से गुप्त काल के बाद तक आरम्भिक भारतीय मूर्ति कला का विस्तृत अध्ययन – राजवंश जैसे मौर्य, शुंग, सातवाहन, कुषाण, गुप्त, पाला-सेना, चन्देला, सोलंकी, परमार, चालुक्य, पल्लव, राष्ट्रकूट, गंगा, चोला, होसाला इत्यादि।
- **भारतीय वास्तुकला :** प्रारम्भिक भारतीय वास्तुकला (प्राचीन साहित्य और शिल्प ग्रन्थों के संदर्भ में) : सिन्धु घाटी, मौर्य। स्तूप का उद्भव और विकास : भरहुत, सांची, सारनाथ और अमरावती। शैल गुफाओं का क्रमविकास : (लोमस ऋषि, खंडगिरि, उदयगिरि, भाजे, कार्ले, कन्हेरी, अजन्ता, एलीफैंटा, एलोरा और मामल्लपुरम)। मन्दिर वास्तुकला का क्रमविकास और नागारा, द्रविड़ और बेसार संवर्गों में उनका वर्गीकरण : गुप्तकालीन मंदिर, उड़ीसा मे हुए विकास (परशुरामेश्वर, मुक्तेश्वर, लिंगराज और कोणार्क), चन्देला, परमार और सोलंकी मंदिर शैलियां, चालुक्य, राष्ट्रकूट और होसाला मंदिर वास्तकला (जैसे कि विरूपाक्ष, कैलाशनाथ में, होयसलेश्वर), पल्लव एकाश्मीय और संरचनात्मक मन्दिर, चोला मंदिर, कश्मीर में मार्तण्ड सूर्य मंदिर)। सल्तनत और मुगल शासन के दौरान साम्राज्यिक वास्तुकला : प्रान्तीय इंडो-इस्लामी वास्तुकला की विशेषताएँ, मुगल वास्तुकला (हुमायूँ का मकबरा, फतेहपुर सीकरी और सिकन्दरा, ताजमहल, लालकिला और जामा मस्जिद) औपनिवेशिक और आधुनिक वास्तुकला : श्री कोर्बुजिए, चार्ल्स कोर्रिया, बी.बी. दोषी एवं अन्य।
- **भारतीय चित्रकला (पूर्व-आधुनिक विकास) :** प्रागैतिहासिक चित्रकला, अजन्ता में भित्तिचित्र और तत्पश्चात में भित्ति चित्रकला की परम्परा का विस्तार से अध्ययन उदाहरणार्थ बाघ, बादामी, एलोरा, सिट्टानावास, लेपाक्षी, केरल भित्ति चित्र जैसे मट्टनचेरी पैलेस आदि, पाण्डुलिपि चित्रकला और लघु चित्रों की परम्पराएँ, पूर्वी और पश्चिम भारतीय पाण्डुलिपियाँ, सल्तनत चित्रकला (चौरपंचाशिका और पूर्व-मुगलकालीन परम्परा), अकबर से शाहजहाँ तक मुगल लघु चित्रकला, राजस्थानी लघु चित्रकारी, पहाड़ी लघु चित्रकारी, दक्खिनी चित्रकारी (अहमदनगर, बीजापुर और गोलकुंडा)।
- **आधुनिक भारतीय कला :** भारतीय कला में आधुनिकता, रवि वर्मा, ई.बी. हैवेल, ए.के. कुमारास्वामी, स्टेला क्रैरिश, अवर्निद्रनाथ टैगोर और ''बंगाल कला परम्परा'', नंदलाल बोस, बिनोदबिहारी मुखर्जी और रामकिंकर बैज, अमृता शेरगिल, जामिनी रॉय, 1940 के दशक के कलाकारों का समूह, कलकत्त ग्रुप (कोलकत्ता), प्रोग्रेसिव आर्टिस्ट ग्रुप (मुम्बई), दिल्ली शिल्पी चक्र (दिल्ली), चोलामंडल आर्टिस्ट विलेज (चेन्नई), स्वदेशवाद और 1950 और 1960 के दशक की प्रवृत्तियाँ, 1970 के दशक से अमूर्तता की प्रवृत्तियाँ, 20वीं और 21वीं शताब्दी में वैश्वीकरण की ओर समकालिक प्रवृत्तियाँ (उदाहरणार्थ संस्थापन, प्रदर्शन, डिजिटल/वीडियो इत्यादि) और चयनित कलाकारों का अध्ययन।
- **पाश्चात्य कला : प्रागैतिहासिक काल से वर्तमान समय तक पाश्चात्य कला का सिंहावलोकन:** प्रागैतिहासिक कला, प्राचीन मिश्र में कला, इजिय कला, यूनान और रोम, प्रारम्भिक-ईसाई और बाईजन्टिन कला, रोमनस्क्य और गौथिक कला, पुनर्जागरणकालीन चित्र और मूर्तिकला, मैनरिज्म तथा बारोक चित्र एवं मूर्तिकला, रोकोको, नव अभिजात्यवाद एवं रूमानीवाद, आधुनिक आंदोलन उदाहरणार्थ यथार्थवाद, प्रभाववाद, उत्तर-प्रभाव, फोविस्म, अभिव्यक्तिवाद, क्यूबिज्म, रचनावाद, भविष्यवाद, दादा और अतियथार्थवाद, अमूर्त अभिव्यक्तिवाद, ऑप कला, पॉप कला, उत्तर-आधुनिक विकास उदाहरणार्थ अल्पतम और संप्रत्ययात्मक कला, फ्लक्सस आन्दोलन, आर्टे पोवरा, शारीरिक कला, भूमि और पर्यावरण कला, ग्रेफीटी, प्रक्रिया कला, प्रदर्शन कला, संस्थापन, नव-अलंकरण, घटना कला, नारीवादी कला और समलैंगिक कला।
- **प्राचीन निकट-पूर्व की कला :** प्राचीन मैसोपोटेमिया (सुमेर, अक्कड़, बेबीलोनिया, अस्सीरिया) की दृश्यकलात्मक अभिव्यक्तियाँ, अक्मेनिड और सासानी फारस में कला।
- **सुदूर पूर्व, केन्द्रीय और दक्षिण-पूर्व एशिया की कला : भारत और अन्य प्राचीन संस्कृतियों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान का आरंभ और विभिन्न दृश्य अभिव्यक्तियों का आविर्भाव :** प्राचीन चीन (शांग, झोऊ और हान राजवंश), टैंग राजवंश तक बौद्ध मूर्तियां, छह राजवंश और टैंग चित्रकला, सोंग से लेकर किंग तक चीनी परिदृश्य चित्रकला परंपरा, जापान (हानोवा कुंभकारी मूर्तियों की आकृतियां), नारा से लेकर कामाकुरा अवधि तक बौद्ध मूर्तियाँ), टॅल ऑफ गेंजी और हेयजी मोनोगोतारी एमाकी स्क्रोल्स समेत देर-हेयान विधि और कामकुरा अवधि की चित्रकला, मोमोयामा तथा एडो काल में जापानी स्क्रोल चित्रकला, एडो काल से यूकिओ-इ-वुडलॉक प्रिंट्स, तिब्बत (बौद्ध प्रतिमाएँ और थांगका चित्रकला परम्परा), नेपाल (बौद्ध और ब्राह्मणिक मूर्तिकला और चित्रकला), श्रीलंका (मूर्तिकला और चित्रकला उदाहरणार्थ सिगिरिया भित्ति चित्र), कम्बोडिया (मूर्तिकला और वास्तुकला, विशेष रूप से अंगकोर वाट और अंगकोर थोम), जावा (मूर्तिकला और वास्तुकला उदाहरणार्थ डायेंग पठार कैंडिस, दि बोरोबुदुर स्तूप, और प्रम्बनन परिसर), म्यांमार /बर्मा और सियाम / थाइलैंड इत्यादि में बौद्ध कला।
- **भारतीय लोक तथा जनजातीय कला :** फड़, पिछवाई एवं कावड़ चित्रकला (राजस्थान), बंगाल तथा उड़ीसा में पटुवा चित्रकला, मधुबनी / मिथिला चित्रकला (बिहार), वर्ली चित्रकला (महाराष्ट्र), पिथौरा चित्रकला (गुजरात), ढोकरा कांस्य ढलाई, मन्नतार्थ चढ़ावे की टेराकोटा निर्मित आकृतियाँ (उदाहरणार्थ

मन्नतार्थ घोड़े, जो भारत में विभिन्न राज्यों में चढ़ाए जाते हैं), लकड़ी पर नक्काशी और लकड़ी की गुड़ियाएँ (कोंडापल्ली, कर्नाटक, बंगाल, मध्यप्रदेश), चमड़े की कठपुतलियाँ (आंध्र प्रदेश, कर्नाटक), पारंपरिक और आधुनिक वस्त्र तथा प्रकार्यात्मक वस्तुएँ (बनारस, कांचीपुरम, गुजरात, उड़ीसा और उत्तर-पूर्वी राज्यों के वस्त्र), बंधेज, कढ़ाई, कांथा, फुलकारी, चंबा रूमाल, धातु से निर्मित कला वस्तुएँ उदाहरणार्थ बिदरी, ठप्पे का काम, मीनाकारी, आभूषण जैसे जड़ाऊ, मनके इत्यादि।

विकल्प-II : रेखाचित्र और चित्रकला

- **सौंदर्यशास्त्र :** रेखाचित्र तथा चित्रकला के मूलभूत तत्व, दृश्य कलाओं में बिम्बबिधान, दृश्य कला का उद्‌भव और विकास, कलाओं का वर्गीकरण, संकल्पनात्मक एवं दृश्यपरक यथार्थ। **चित्रकला में सौन्दर्यशास्त्र के अध्ययन की प्रासंगिकता :** भारतीय संस्कृति में प्रारम्भिक दार्शनिक विचार। समाज में कला की प्रकृति और कार्य। **भारतीय सौंदर्यशास्त्र :** रस-सूत्र की संकल्पना और उसकी टीकाएँ : रस सिद्धांत, साधारणीकरण, ध्वनि, अलंकार, औचित्य इत्यादि, शिल्प ग्रंथ जैसे कि विष्णु धर्मोत्तर पुराण से चित्रसूत, कामसूत्र पर यशोधरा की टीका के अन्तर्गत षडांग इत्यादि। भारतीय सौन्दर्यशास्त्र में ए. के. कुमारास्वामी और रवींद्रनाथ टैगोर का योगदान। **पाश्चात्य सौंदर्यशास्त्र :** अनुकरण और प्रतिरूपण का सिद्धान्त, विरेचन (प्लेटो और अरस्तू)। कांट, हीगल, क्रोचे, टॉलस्टॉय, बौमागार्टन, शॉफेनहॉवर, काइव बेल, रॉजर फ्राई, आई.ए. रिचडर्स, सूजेन लैंगर, सिगमण्ड फ्रॉयड और जॉर्ज संतायान के सौंदर्यशास्त्रीय विचार।
- **रेखाचित्र एवं चित्रकला का इतिहास : भारतीय चित्रकला :** भारत में प्रागैतिहासिक चित्रकला, अजंता, बाघ, बादामी और सित्तान्नावासल के भित्ति चित्र। पाल और पश्चिमी भारत की पाण्डुलिपि चित्रकला परंपरा)। लघु चित्रकला की परंपरा : मुगलपूर्व, मुगल, राजस्थानी, पहाड़ी (बसोह्ली, गुलेर-कांगड़ा और गढ़वाल) और दक्खिनी चित्रकला (अहमदनगर, बीजापुर और गोलकुंडा)। कम्पनी स्कूल ऑफ पेंटिंग। राजा रवि वर्मा तथा अबनिन्द्रनाथ टैगोर और उनके शिष्य, नंदलाल बोस और उनके शिष्य का बंगाल स्कूल से जुड़ने से आधुनिक कला पदार्पण। **भारतीय चित्रकला में महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ :** अमृता शेरगिल का योगदान। प्रगतिशील कलाकार समूह – बम्बई, कलकत्ता ग्रुप – कलकत्ता, शिल्पी चक्र – दिल्ली, चोला मण्डल – मद्रास और बड़ोदा स्कूल – बड़ोदा। **भारतीय कला में वर्ष 1970 से मुख्य देशीय प्रवृत्तियाँ, समकालीन चित्रकला और विख्यात कलाकार :** प्रभाववादी, अभिव्यक्तिवादी, अमूर्त, अलंकरण, नव-तांत्रिक, आलंकारिक और गैर-आलंकारिक, अतियथार्थ, प्रतिरूपणात्मक तथा अप्रतिरूपणात्मक चित्रकला। **पाश्चात्य चित्रकला :** फ्रांस और स्पेन की प्रागैतिहासिक चित्रकला, मिश्र और इजियाई कला, यूनानी और रोमन चित्रकला। बाईजन्टिन, गौथिक, पुनर्जागरण, मैनरिज्म, बारोक, रोकोको, नवअभिजात्यवाद, रूमानीवाद, यथार्थवाद, प्रभाववाद, उत्तरप्रभाववाद, फौबिस्म और प्रतीकवाद, क्यूबिज्म, भविष्यवाद, दादा और अतियथार्त्यवाद, अभिव्यक्तिवाद, अमूर्त अभिव्यक्तिवाद, ऑप एवं पॉप कला, अल्पतम कला और उत्तर आधुनिक प्रवृत्तियाँ, नवीन मीडिया, संस्थापन एवं भ्रांतिक अति यथार्थवाद।
- **सामग्री और विधि :** सामग्री का अनुप्रयोग, चित्रकला में आलंबन सामग्री (कैनवस, कागज, दीवाल सतह, पैनल्स), मिश्रित मीडिया। तैल चित्रकला और उसकी तकनीकें – पारम्परिक और गैर-पारम्परिक। भित्ति चित्रकला की तकनीकें – पारम्परिक (भित्ति चित्रकला, सैको और ब्यूओनो) और आधुनिक। वाटर कलर चित्रकला, धोने की तकनीक, पेस्टल और क्रेयोन, ऐक्रेलिक रंग, रंग तैयार करना और वर्णकों का तकनीकी पक्ष। रंग सिद्धान्त और रंग समरसता।
- **कला स्कूल और कला शिक्षा :** औपनिवेशिक काल में कला स्कूलों के माध्यम से कला में औपचारिक प्रशिक्षण का प्रारम्भ और स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात चैन्नई, कलकत्ता, लाहौर, मुम्बई, दिल्ली, लखनऊ और जयपुर में कला विद्यालयों में कला आकादिमियों, के माध्यम से कला उन्नति तथा शिक्षा, शान्तिनितन और बड़ोदा में संस्थानिक कला शिक्षा पर पुनर्विचार, कलाशिक्षा में कला दीर्घाओं और संग्रहालयों की भूमिका, संग्रहालय, दीर्घा और कार्यर कलाकारों और इतिहासवेत्ताओं के बीच सहयोग के रूप में संरक्षकीय क्यूरेटोरियल उद्यम में वृद्धि, जनता और कलाकार के बीच संवाद स्थापित करने में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका।

विकल्प-III अनुप्रयुक्त कला

- **डिजाइन के तत्व एवं सिद्धान्त :** 'ग्राफिक डिजाइन' शब्द और विलियम एडीसन डिगिंग्स, ग्राफिक डिजाइन / अनुप्रयुक्त कला के मूलाधार इमेज और टेक्स्ट, उत्पाद के प्रचार-प्रसार के लिए संदेश तैयार करना। विज्ञापन उद्योग से संबंधित पद तथा शब्दावली : संपृक्त पदों की समझ उदाहरणार्थ ऐडबर्टोरियल, इंफोग्राफिक्स, इंकार्मीर्शियल, एडुटेन्मेंट इत्यादि।
- **नवप्रवर्तन और आन्दोलन–** भारत और विश्व के अन्य देशों में विज्ञापनकला का इतिहास, सुलेखनकला, मूवेबल टाइप्स का आरंभ, टाइपफेसेज, फोंट्स एवं फैमिलीस, अक्षरों का विन्यास और रचना, टाइपों और आकार के वर्गीकरण। आरंभिक टाइप मुद्रणविद और पारंपरिक हस्त-लेखन तथा लिपि का अध्ययन, उदाहरणार्थ भारतीय पांडुलिपियाँ, फारसी, चीनी, जापानी, रोमन इत्यादि। भारत में और शेष विश्व में मुद्रण प्रक्रियाओं का विकास, लेटरप्रेस, उत्कीर्णन, सिल्क स्क्रीन और ऑफसेट इत्यादि।
- **ग्राफिक डिजाइन को प्रभावित करने वाले आन्दोलन :** आर्ट नूबो, दि आर्ट ऑफ वार, कला के बाद, भविष्यवाद, दादा, डेस्टेज्ल और रचनावाद, कला एवं शिल्प आंदोलन, बॉहॉस आंदोलन और नूतन टाइपोग्राफी, ग्राफिक डिजाइन का इतिहास और विज्ञापन इतिहास की प्रकृति, दृष्टांतरक आधुनिकता और चेतना प्रसार, नवीन लहर एवं उत्तर आधुनिकतावाद, डिजिटल अभिव्यक्तिवाद एवं पश्चलेख, द डिजिटल फ्यूचर।
- **विज्ञापन की विधाएँ और मीडिया :** मुद्रित, आउटडोर, इलेक्ट्रोनिक एवं नवीन मीडिया विज्ञापन, मीडिया विकल्प : समाचार पत्र पत्रिकाएं, रेडियो, टी.वी. और सिनेमा, पोस्टर, डायरेक्ट मेल, परिव्यापक और गोरिल्ला विज्ञापन, डिजिटल और ऑनलाइन विज्ञापन। वाइरल विज्ञापन। आउटडोर विज्ञापन में तेजी : बिलबोर्डस और ट्रांजिस्टस, नवप्रवर्तनकारी सामग्रियां और लाभ। कला की एक नई विधा के रूप में पोस्टर का उद्‌भव : पोलैंड, जापान, ईन्गलेन्ड तथा अमेरिका एवं बोल्शैविक रूस के संदर्भ में पोस्टरों का अध्ययन। प्लेकार्ड्स और अधिप्रचार, विरोध तथा युद्धकालीन पोस्टर्स, भूतलमार्ग संस्कृति। विज्ञापन की प्रावस्थाओं के सांस्कृतिक स्वरूप : मूर्तिपूजा, प्रतिमाशास्त्र, आत्मरति तथा टोटमवाद (चतुर्थ सांस्कृतिक फ्रेम) से मिसेन-सीन (पंचम फ्रेम) तक संक्रमण, पारम्परिक से औद्योगिक से उपभोक्ता समाज तक क्रमविकास और संचार मीडिया का विकास। विज्ञापन तथा विज्ञापन एजेन्सियों का भविष्य। विज्ञापन और मनोरंजन के बीच विभाजक रेखाओं का धुंधला पड़ना। उन्नत प्रौद्योगिकी युक्त ग्राफिक डिजाइन का प्रभाव, ''ग्राफिक डिजाइन'' को पुनः परिभाषित करना। आधुनिक डिजाइनरों में अपेक्षित विशेषताएँ।
- **डिजाइन, कैंपेन और पैकेजिंग :** 'लोगो', 'रिबस', प्रतीक, चिह्न और कार्पोरेट पहचान का डिजाइन तैयार करना, विश्व में सर्वाधिक सुविख्यात प्रतीकों/पहचानों के विकास की कहानियाँ, ब्रांड्स, ब्रिांडिंग और ब्रांड पोजिशनिंग, विज्ञापन के सिद्धान्तों और नियमों के अग्रदूत तथा भविष्यवक्ता, डिजाइनिंग इवेंट्स – इवेंट मैसकोट तथा अन्य वैश्विक मनोरंजन, फिल्म तथा उत्सव। कैंपेन नियोजन और कार्यनीति : ग्राहक, बाजार शोध, लेखा नियोजन, रचनात्मक सारपत्र (ब्रीफ), मुद्रित विज्ञापनों (समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं) के लिए दृश्य और लिखित सामग्री तैयार करना, प्रत्यक्ष डाक, पोस्टर, आउटडोर विज्ञापन (बिलबोर्ड्स और ट्रांजिट्स), क्रयविक्रय, शो-विंडो तथा सुपर मार्केट की मदें (विक्रयस्थल/खरीद मदों के क्रयस्थल, डिस्पेंसर्स, स्टैंड्स, स्टॉल्स इत्यादि)। मीडिया चयन उपागम और लक्षित ग्राहक। मीडिया में नवप्रवर्तन। नूतन प्रौद्योगिकियाँ, टी.वी. ग्राफिक्स, मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण, वेबपेज डिजाइनिंग और रेक्टर तथा वेक्टर सॉफ्टवेयर की समझ, इंटरनेट – विज्ञापन उत्पादों एवं सेवाओं में इसका उपयोग, इंटरनेट पर क्रय-विक्रय। प्रीसेस, प्रिंटिंग प्रेसस और प्रोस्ट प्रेस : पिक्सल और रेजलूशन का कौशलपूर्ण उपयोग, रंग परिष्करण, कंप्यूटर से प्लेट ग्राफिक तक तैयार करना, ऑफसेट प्रिंटिंग, फिनिशिंग एवं कॉनवर्टिंग। योजक और वियोजक, चार रंग मुद्रण क्रियाविधि, स्पॉट कलर तथा लेमीनेशन, यू.वी. इत्यादि। पैकेजिंग का डिजाइन, क्रयविक्रय और नयापन।
- **विज्ञान कार्पोरेट और नवीन प्रवृत्तियाँ :** विज्ञापन एजेंसियों का उद्‌भव और विकास : ग्राफिक डिजाइनर की भूमिका और दायित्व, सर्जनात्मक कोर : सर्जनात्मक /कला निर्देशक, विजुअलाइजर तथा कॉपीराइटर, संकल्पना विकसित करने में अंतःक्रिया। विश्व के अग्रणी विज्ञापन कोरपोरेट्स, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ और भारतीय परिदृश्य : अखिल भारतीय शाखाओं वाली भारतीय विज्ञापन एजेन्सियाँ। ऐड गुरु या उल्लेखनीय ऐड-मैन और उनके द्वारा संचालित युग-प्रवर्तक विज्ञापन कैंपेन। विज्ञापन सर्जनात्मकता और असाधारण योगदान के लिए पुरस्कार तथा उच्चतम सम्मान। ब्रांडिंग के क्षेत्र में विश्व के विख्यात डिजाइनर्स और कोर्पोरेट पहचान डिजाइन, फिल्म शीर्षक कला के विषय शाखाओं के साथ अंतः विषयी सहभागिता, उद्योगों और कोर्पोरटों के साथ सहयोग और इंटर्नशिप। नवीन दृश्य प्रभाव उत्पन्न करने में कंप्यूटर की भूमिका (फोटोग्राफी, डिजिटल ग्राफिक्स, फिल्म शीर्षक) मल्टीमीडिया प्रस्तुतिकरण, इमेज सम्पादन, वेब ग्राफिक्स और ऑनलाइन विज्ञापन के प्रकार, वेब पेज डिजाइनिंग), विज्ञापन में बाजार शोध का महत्व। प्रिंट मीडिया बनाम इलेक्ट्रोनिक मीडिया।

विकल्प-IV छापचित्रण (ग्राफिक कला)

- **सौन्दर्यशास्त्र और इतिहास :** दृश्य कला के मूलभूत तत्वों (स्थान, रूप, आकार, आकृति, रेखा, रंग, बनावट, रंग-सामंजस्य भान, परिप्रेक्ष्य, और सौन्दर्यबोध) को प्रिंटमेकिंग के सम्बन्ध में समझना। संघटन (अनुपात, एकता, समरसता, लय, वैषम्य, संतुलन और ध्यान देना) के दृश्यात्मक सिद्धांतों को समझना। द्विआयामी समरूप प्रिंट्स का पुनरुत्पादन। एशिया और यूरोप में छापाचित्रण (प्रिंअ मेकिंग) की प्रक्रिया, तकनीक और सामग्रियों के इतिहास, आविष्कार, विकास और परिभाषा का ज्ञान। जापानी काष्ठ सांचे और उकिओ-इ-स्कूल के महत्वपूर्ण निष्णात कलाकार और होकुसाई, हिरोशिगे, उतमारो इत्यादि निष्णात कलाकारों की कृतियाँ। 19वीं-20वीं शताब्दी के दौरान सर्जनात्मक अभिव्यक्ति के ढंग के रूप में प्रिंट मेकिंग – पुस्तक उत्पादन से लेकर शिल्पागार / कार्यशालाओं, समूहों, प्रयोगों की स्थापना तक तथा विज्ञापन पर प्रभाव।
- **ढंग, माध्यम एवं प्रक्रिया :** छापाचित्रण तकनीकों के प्रकारों का ज्ञान (i) काष्ठ फलक सांचा और लाइनोफलक (ii) उत्कीर्ण छपाई - काष्ठ और धातु (iii) उत्कीर्णन (एचिंग) –लाइन, एक्वाटिंट, साफ्टग्राउंड इत्यादि (iv) सतह प्रिंटिंग (प्लेनोग्राफी), ऑफसेट, ऑलियोग्राफ, इत्यादि (v) स्टेंसिल और सेरीग्राफ (vi) अन्य तकनीकें – कोलोग्राफी, चिने-कोल्ले, मोनोप्रिंट, यूनीक प्रिंट, ड्राई प्वायंट, उत्कीर्णन, मेजोटिंट, विस्कोसिटी, डिजिटल इमेजिंग, मिश्रित माध्यम इत्यादि। छापचित्रण में प्रयुक्त भिन्न प्रकार के माध्यमों, सामग्रियों (काष्ठ, लिनो, तांबा, जस्ता, प्लाइवुड, पत्थर, ऐक्रेलिक, कागज, कार्डबोर्ड, गोंद, अम्ल, रसायन, स्याही, रेसिन, सॉफ्टवेयर, औजार, मशीन, उपकरण इत्यादि) और प्रिंटिंग प्रक्रिया का ज्ञान। प्रिंटिंग होने तक सामग्री की पहचान से लेकर मुद्रण तक डिजाइनिंग करना और विभिन्न प्रकार की सतहों की तैयारी।

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2010

दृश्य कला

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. गीता कपूर कौन है?

(a) चित्रकार
(b) मूर्तिकार
(c) प्रिंटमेकर
(d) समीक्षक तथा कला-इतिहासकार

उत्तर (d)

व्याख्या- गीता कपूर (जन्म 1943) एक जानी-मानी, भारतीय कला समीक्षक और कला इतिहासकार हैं। इनके पति विवान सुंदरम भी प्रख्यात कलाकार हैं। कला क्षेत्र में योगदान के लिए गीता कपूर को भारत सरकार ने वर्ष 2009 में पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया। समकालीन भारतीय कलाकार (1978) और एशिया में समकालीन कला (1997) इत्यादि उनके द्वारा लिखित पुस्तकें हैं।

2. अफ्रीका की जनजातीय कला से कौन प्रभावित हुआ था?

(a) वैन गॉग (b) गोगां
(c) सिजां (d) रेनॉय

उत्तर (b)

व्याख्या- पॉल गॉगिन (7 जून, 1848- 8 मई, 1903) फ्रांसीसी उत्तर प्रभाववादी चित्रकार थे। उनकी कला अफ्रीका की जनजातीय कला से प्रभावित थी। उनकी प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं- स्टिल लाइक विद फ्रूट एण्ड लेमन्स (1880), विजन ऑफ्टर द सर्मन (1888), स्टिल लाइक विद जापानीज वुडकट (1889), ताहितियन वुमेन ऑन बीच (1891), डिलाइटफुल लैण्ड (1892), द रॉयल इंड (1892), द मून एण्ड द अर्थ (1893), द मिड-डे नैप (1894), मैटरनिटी (1899) इत्यादि।

3. सन् 1937 में हरिपुर में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का बैनर किसने चित्रित किया?

(a) रविन्द्रनाथ टैगोर
(b) अबनीन्द्रनाथ टैगोर
(c) गगनेन्द्रनाथ टैगोर
(d) नन्दलाल बोस

उत्तर (d)

व्याख्या- नन्दलाल बोस अबनीन्द्रनाथ के प्रमुख शिष्य थे। इनका जन्म 3 दिसंबर, 1882 में खड़गपुर बिहार में हुआ था। उन्होंने 'असहयोग आंदोलन' और 'नमक आंदोलन' में भी भाग लिया था। 1930 में उनके द्वारा निर्मित 'डांडी कूच' उनके श्रेष्ठ चित्रों में गिना जाता है। नन्दलाल बोस ने 1937 ई. में फैजपुर कांग्रेस अधिवेशन में मंच व तोरण की सज्जा की। 1937-38 ई. में हरिपुरा पोस्टर बनाए। 1938 में हरिपुरा कांग्रेस अधिवेशन के पण्डाल की साज-सज्जा में योगदान दिया। स्वाधीन भारत के संविधान की पांडुलिपि का अंकन भी उन्हीं के निर्देशन में हुआ था। सती, महाश्वेता, कर्ण का सूर्य पूजन, भीष्म प्रतिज्ञा, सावित्री और यम, एकलव्य, अहिल्या उद्धार, धनुर्विद्या सिखाते हुए द्रोणाचार्य, पार्थसारथी, शिव का विषपान इत्यादि उनके प्रमुख चित्र हैं। उनका देहांत 16 अप्रैल, 1966 ई. को हुआ।

4. चित्रकार राजा रवि वर्मा को निम्नलिखित में से किसने प्रोत्साहन दिया?

(a) हैदराबाद के निजाम (b) मैसूर के राजा
(c) शोलापुर के राजा (d) अंग्रेजी शासन

उत्तर (d)

व्याख्या- राजा रवि वर्मा को कला प्रोत्साहन मुख्यतः अंग्रेजी शासन की ओर से मिला था। इन्होंने दरबारी चित्रकारी का प्रशिक्षण आलमगिरि नायडू से और तैल चित्रकारी का प्रशिक्षण सुप्रसिद्ध ब्रिटिश चित्रकार 'थियोगेर जॉनसन' से प्राप्त की थी। 'नायर महिला बालों को चमेली से गूँथते हुए' नामक चित्र पर मात्र 25 वर्ष की उम्र में उन्हें तत्कालीन गवर्नर का 'स्वर्ण पदक' प्राप्त हुआ था।

5. ''मृत्यु-शय्या पर शाहजहाँ'' चित्र का चित्रकार कौन है?

(a) राजा रवि वर्मा (b) नंदलाल बोस
(c) अबनीन्द्रनाथ टैगोर (d) अमृता शेरगिल

उत्तर (c)

व्याख्या- बिल्डिंग ऑफ ताज, शाहजहाँ के अंतिम दिन, भारत माता, भिक्षा, देवदासी, कजरी, सूर्य पूजा, आलमगीर, नूरजहाँ, औरंगजेब, लैला -मजनूँ कवि कनकन इत्यादि अबनीन्द्रनाथ टैगोर के अन्य प्रमुख चित्र हैं।

6. चित्रसूत्र का लेखक कौन है?

(a) नग्नजित (b) वात्स्यायन
(c) बाणभट्ट (d) वाराहमिहिर

उत्तर (a)

व्याख्या- • विष्णुधर्मोत्तर पुराण छठी शताब्दी में लिखा गया ग्रन्थ है।
• विष्णु धर्मोत्तर पुराण की रछाना गुप्त काल में **मार्कण्डेय मुनि** ने की थी।
• विष्णु धर्मोत्तर पुराण के तीसरे खण्ड के अध्याय 35 से 43 तक कुल 9 अध्याय में चित्रसूत्र का प्रकरण है।
• चित्रसूत्र का सर्वप्रथम अंग्रेजी में अनुवाद **स्टेला क्रेमरिश** में किया, बाद में डॉ. आनन्द कुमार स्वामी ने किया।
• चित्रसूत्र में 9 रस, 4 प्रकार के चित्र, 5 प्रकार के मुख्य रंग बताये गये है।
• नग्नजित (भयजित) ने **चित्रलक्षण ग्रन्थ** की रचना की थी।

7. भारतीय प्रतीक स्वास्तिक किससे विकसित हुआ है?
(a) सूर्य (b) कमल
(c) अग्नि (d) चक्र
उत्तर (a)

व्याख्या- स्वास्तिक अत्यंत प्राचीनकाल से भारतीय संस्कृति में मंगल प्रतीक माना जाता रहा है। इसलिए किसी भी शुभ कार्य को करने से पूर्व स्वास्तिक चिन्ह अंकित कर पूजन किया जाता है। स्वास्तिक शब्द सु +अस +क से बना है 'सु' का अर्थ 'अच्छा', 'अस' का अर्थ 'सत्ता' या 'अस्तित्व' और 'क' का अर्थ 'कर्त्ता' या 'करने वाले' से है। इस प्रकार स्वास्तिक का शब्दार्थ 'अच्छा' या 'मंगल' करने वाला होता है। अमरकोश में भी स्वास्तिक का अर्थ आशीर्वाद, मंगल या पुण्यकार्य करना लिखा है। अमरकोश के शब्द हैं- 'स्वास्तिक सर्वतोऋद्ध' अर्थात् 'सभी दिशाओं में सबका कल्याण हो।' इस प्रकार स्वास्तिक शब्द में किसी व्यक्ति, जाति या धर्म विशेष का नहीं, अपितु संपूर्ण विश्व के कल्याण या 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना निहित है। ऋग्वेद की ऋचा में स्वास्तिक को सूर्य का प्रतीक माना गया है और उसकी चार भुजाओं को चार दिशाओं पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण की उपमा दी गई है।

8. लिंगराज मंदिर कहाँ स्थित है?
(a) दिलवाड़ा, माउण्ट आबू (b) ओसियान
(c) भुवनेश्वर (d) कांचीपुरम्
उत्तर (c)

व्याख्या- लिंगराज मंदिर भारत के ओडिशा प्रांत की राजधानी भुवनेश्वर में स्थित है। यह इस शहर के प्राचीनतम मंदिरों में से एक है। हालांकि भगवान त्रिभुवनेश्वर (शिव) को समर्पित इस मंदिर का वर्तमान स्वरूप 1090-1104 में बना, किंतु इसके कुछ हिस्से 1400 वर्ष से ज्यादा पुराने हैं। इस मंदिर का वर्णन छठीं शताब्दी के लेखों में भी आता है। इसका निर्माण ललाटेडुकेशरी या जयति केशरी ने 617-657ई. में करवाया था।

9. आधुनिक यूरोपीय कला में प्रथम चलित मूर्तिशिल्प का सृजन किसने किया?
(a) अलेक्जेंडर काल्डर (b) मैलोल
(c) डेविड स्मिथ (d) बारबरा हैपवर्थ
उत्तर (a)

व्याख्या- आधुनिक यूरोपीय कला में प्रथम चलित मूर्तिशिल्प का सृजन अमेरिकी मूर्तिकार अलेक्जेंडर काल्डर (22 अगस्त, 1898-11 नवंबर, 1976) ने वर्ष 1931 में किया था।

10. चण्डीगढ़ का वास्तुकार कौन था?
(a) चार्ल्स कोरिया (b) ली कार्बूजियर
(c) फिलिप जॉन्सन (d) सतीश गुजराल
उत्तर (b)

व्याख्या- चंडीगढ़ भारत का एक केन्द्रशासित प्रदेश है, जो दो भारतीय राज्यों, पंजाब और हरियाणा की राजधानी भी है। इसके नाम का अर्थ है चंडी का किला। यह हिन्दू देवी दुर्गा के एक रूप चंडिका या चंडी के एक मंदिर के कारण पड़ा है। यह मंदिर आज भी शहर में स्थित है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शहरी योजनाबद्धता और वास्तु स्थापत्य के लिए प्रसिद्ध यह शहर आधुनिक भारत का प्रथम योजनाबद्ध शहर है। शहर के बहुत से खाके व इमारतों की वास्तु रचना फ्रांस में जन्में स्विस वास्तुकार व नगर नियोजक ली कार्बूजियर ने 1950 के दशक में की थी।

11. 'गेट्स ऑफ हेल' का मूर्तिकार कौन है?
(a) दोनातेल्लो (b) रोदां
(c) माइकल ऐंजेलो (d) बोलोन्गा
उत्तर (b)

व्याख्या- अगस्त रोदां (12 नवंबर, 1840- 17 नवंबर, 1917) फ्रांसीसी मूर्तिकार थे। द एज ऑफ ब्रॉन्ज (1877), द वाकिंग मैन (1877-78), द किस (1889), द थिंकर (1902) और गेट्स ऑफ हेल (1917) इत्यादि प्रतिमाएँ रोदां की सर्वश्रेष्ठ कृतियाँ हैं।

12. रिपूजे किसके निर्माण की प्रक्रिया है?
(a) उभारदार मूर्ति (b) स्वतंत्र खड़ी हुई मूर्ति
(c) ढलाई (d) इंटेग्लियो
उत्तर (a)

व्याख्या- रिपूजे उभारदार मूर्ति के निर्माण की प्रक्रिया है।
उभारदार आकृति में धातु को पीटकर आकृति का निर्माण किया जाता है।
• सौन्दर्य बोध की दृष्टि से **पी.वी जानकीराम** की रचाना ''गणेश'' जोकि आक्सीकृत ताँबे के रूप में **नेशनल गैलरी ऑफ माण्डर्न** आर्ट में रखी है। जो कि ''रिपूजे'' माध्यम की सर्वोत्कृष्ट रचना है।

13. लियोनार्दो द विंची का गुरू कौन था?
(a) वेरोशियो (b) गिबर्ती
(c) दोनातेल्लो (d) मन्टेग्ना
उत्तर (a)

व्याख्या- लियोनार्दो द विंची (15 अप्रैल, 1452- 2 मई, 1519) इटलीवासी महान चित्रकार, मूर्तिकार, वास्तुशिल्पी, संगीतज्ञ, कुशल यांत्रिक अभियंता और वैज्ञानिक थे। इनके गुरु वेरोशियो थे। ऊपर लिखे विषयों के अतिरिक्त वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, शरीर क्रिया विज्ञान, भौतिकी, भौमिकी, प्राकृतिक भूगोल, जलवायु विज्ञान, वैमानिकी आदि अनेक वैज्ञानिक विषयों पर इन्होंने मौलिक तथा अंतः प्रवेशी विचार प्रकट किए हैं। गणित, यांत्रिकी तथा सैनिक अभियांत्रिक के तो ये विद्वान थे ही, आप दक्ष संगीतज्ञ भी थे। मोनालिसा (1503), द लास्ट सपर (1495), द वर्जिन ऑफ द रॉक्स (1485) इत्यादि विंची की महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं।

14. रेनेसां के प्रारम्भिक चरण में चित्रकला में किसने परिप्रेक्ष्य के प्रयोग की शुरुआत की?

(a) पाउलो उच्चेल्लो (b) बोटीसेल्ली
(c) जिओत्तो (d) मैसेच्चियो

उत्तर (d)

व्याख्या- मैसेच्चियो (21 दिसंबर, 1401-1428) पहले महान इटलीवासी चित्रकार थे, जिन्होंने रेनेसां के प्रारम्भिक चरण में चित्रकला में परिप्रेक्ष्य की शुरुआत की। होली ट्रिनिटी (1428), द ट्रिब्यूट मनी (1425), मैगेना एण्ड चाइल्ड (1426), क्रूसीफिक्शन (1426), मैडोना कैसिनी (1426), एडॉरेशन ऑफ मैगी (1428) इत्यादि मैसेच्चियो की प्रमुख कृतियाँ हैं।

15. 'रेप ऑफ यूरोपा' नामक प्रसिद्ध बरोक चित्र का चित्रकार कौन है?

(a) कैरेवेज्जियो (b) पीटर पॉल रूबेन्स
(c) रेम्ब्रां (d) वेलास्के

उत्तर (*)

व्याख्या-सर पीटर पॉल रूबेन्स (28 जून, 1577-30 मई, 1640) फ्लेमिश (नीदरलैण्डवासी) ड्रॉफ्ट्समैन और चित्रकार थे। फ्लेमिश बरोक कला शैली के वह प्रमुख चित्रकार थे इनका जन्म जर्मनी में हुआ था। द इलेवेशन ऑफ द क्रॉस, द डिसेंट फ्रॉम द क्रॉस (1614), द जजमेंट ऑफ पेरिस (1639), द रेप ऑफ डॉटर ऑफ लुसिप्पस (1618) , मैसावर ऑफ इनोसेन्ट्स (1612), द लॉयन हन्ट (1621), द फिस्ट ऑफ वीनस (1637), मेडुसा (1618), द कॉल ऑफ मैन (1629) इत्यादि इनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

नोट-यू.जी.सी. द्वारा इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प (b) माना गया है, जो कि गलत है। 'रेप ऑफ यूरोपा' नामक चित्र की रचना इटैलियन चित्रकार टिशियां द्वारा वर्ष 1560-62 में की गई थी।

16. 'हनिवा'' टेराकोटा किस देश से सम्बन्धित है?

(a) चीन (b) जापान
(c) कोरिया (d) थाईलैंड

उत्तर (b)

व्याख्या- • हनिवा टेरा कोटा भूरे लाल रंग की टेरा कोटा मूर्तियाँ है। जो अन्दर से खोखली होती है।

• ये मूर्तियाँ जापान में तीसरी सदी से लेकर छठी सदी के अन्त तक बनाई गी हैं।

• हनिवा मूर्तियों को कब्र स्तूपो के ऊपर या फिर चारो ओर उन्हे कतार में रखा जाता था।

• केइको कवच में योद्धा की हनिवा मूर्तियों को छठी सदी के आस-पास बनाया गया था।

17. A4 कागज का वास्तविक माप क्या है?

(a) 210 × 297 मी.मी. (b) 297 × 420 मी.मी.
(c) 210 × 287 मी.मी. (d) 228 × 287 मी.मी.

उत्तर (a)

व्याख्या- A4 कागज का वास्तविक माप 210×297 मिमी होता है।

18. निम्नलिखित में से किसको जमाने के लिए गोंद के घोल का उपयोग किया जाता है?

(a) लिथो/ऑफसेट प्लेट (b) वुडेन ब्लॉक
(c) रबर/लिनो (d) प्रिंटिंग ब्लॉक

उत्तर (d)

व्याख्या- ब्लॉक मुद्रण या काष्ठ ब्लॉक मुद्रण, कपड़ों तथा कागज पर चित्र एवं पैटर्न छापने की एक तकनीक है जो प्राचीन काल में चीन से आरम्भ हुई थी।

19. लेजर प्रिंटिंग में रिजोल्यूशन की इकाई को क्या कहते हैं?

(a) आई पी टी (b) डी पी आई
(c) टी पी आई (d) एल पी आई

उत्तर (b)

व्याख्या- लेजर प्रिंटिंग में रिजोल्यूशन की इकाई को डी.पी.आई. (Dots Per Inch- DPI) कहते हैं।

20. जॉन सेनेफील्डर ने किसका आविष्कार किया?

(a) इंटैग्लियो प्रिंटिंग (b) स्क्रीन प्रिंटिंग
(c) लिथोग्राफी (d) लेटर प्रेस

उत्तर (c)

व्याख्या- जॉन अलॉय सेनफील्डर (6 नवंबर 1771- 26 फरवरी, 1834) जर्मन अभिनेता और लेखक थे, इन्होंने वर्ष 1796 में लिथोग्राफी तकनीक का आविष्कार किया था।

21. शांतिनिकेतन में 'मेडिएवल हिन्दू सेंट्स' नामक म्यूरल को किसने चित्रित किया?

(a) नन्दलाल बोस (b) रविन्द्र नाथ टैगोर
(c) बिनोद बिहारी मुखर्जी (d) के.जी. सुब्रमण्यम

उत्तर (c)

व्याख्या- शांतिनिकेतन में 'मेडिएवल हिन्दू सेन्ट्स' नामक भित्ति चित्र को विनोद बिहारी मुखर्जी ने बनाया था। इनका जन्म 7 फरवरी, 1904 को कलकत्ता के बेहाला नगर में और मृत्यु 11नवंबर 1980 को हुई थी।

22. 'स्लीप ऑफ रीजन ब्रिंग्स फोर्थ मॉन्सटर' नामक एचिंग सीरिज को किसने चित्रित किया?

(a) अल्ब्रैख्त ड्यूरर (b) फ्रांसिस्को दि गोया
(c) ओनोरे डॉमियर (d) रेम्ब्रां

उत्तर (b)

व्याख्या- 'स्लीप ऑफ रीजन ब्रिंग्स फोर्थ मॉन्सटर' नामक एचिंग श्रृंखला को स्पैनिश रोमांटिक चित्रकार फ्रांसिस्को दि गोया (30 मार्च 1746- 16 अप्रैल 1828) ने चित्रित किया था। द थर्ड ऑफ मई 1808 (1814), द डिजास्टर ऑफ वार, सैटर्न डिवोरिंग हिज सन (1823), द क्लोथ्ड माजा (1801), द कोलोजज (1810) इत्यादि इनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

23. किस भारतीय संग्रहालय में भरहुत के अधिकतर अवशेष संगृहीत हैं?

(a) नई दिल्ली (b) इलाहाबाद
(c) कोलकाता (d) मुम्बई

उत्तर (c)

व्याख्या- कोलकाता संग्रहालय की स्थापना **2 फरवरी 1814** ई. को **एशियाटिक सोसाइटी** के परिसर में इसकी स्थापना **डॉ. नथानियेल** के द्वारा की गई थी।
• एशियाटिक सोसाइटी कोलकाता की स्थापना **1784 ई.** में **विलियम जोंस** ने की थी।
• यह भारत का प्राचीन एवं सबसे बड़ा संग्रहालय है।
• विश्व का सबसे बड़ा कला संग्रहालय **लूब्र संग्रहालय पेरिस।**

24. चट्टान काट कर बनाया गया 'द्रोपदी रथ' कहाँ है?
(a) एलोरा (b) पुरी
(c) हम्पी (d) महाबलिपुरम
उत्तर (d)

व्याख्या- महाबलीपुरम के रथ मंदिर का निर्माण नरसिंह बर्मन प्रथम ने 8 वीं सदी में करवाया था (700-728)ई. के बीच यह मंदिर द्रविड़ वास्तु कला का बेहतरीन नमूना है।
• मामल्ल शैली के इस रथ मंदिर को **''सप्त पगौड़ा''** के नाम से जाना जाता है।
• प्रमुख रथ मंदिरों में- **द्रोपदी रथ , नकुल रथ, सहदेव रथ अजुर्न रथ, भीम रथ, गणेश रथ, पिंडारी रथ, तथा धर्मराज रथ, वलैयंकुट्टै रथ** प्रमुख है।
• इन आठ रथों में द्रोपदी रथ एक मंजिला और छोटा है बाकी 7 रथों को सप्त पगौड़ा कहा जाता है।
• महावलीपुरम के प्रवेश द्वार पर सबसे संरचानात्मक मूर्ति है **गंगावतरण'** का जो विशाल चट्टान को काट कर बनाई गई है। 58 × 43 फीट, जिसमें भागीरथी की तपस्या का दृष्य है।

25. प्रेमचंद की कहानी पर आधारित 'शतरंज के खिलाड़ी' नामक चलचित्र का निर्देशक कौन था?
(a) ऋत्विक घटक (b) ऋषिकेश मुखर्जी
(c) शेखर कपूर (d) सत्यजित रे
उत्तर (d)

व्याख्या- पूरा नाम - सत्यजित सुकुमार राय
जन्म - 2 मई 1921 कोलकाता
मृत्यु - 23 अप्रैल 1992 कोलकाता
कार्यक्षेत्र- फिल्म निर्माता-निर्देशक, गीतकार, साहित्यकार और चित्रकार
प्रमुख फिल्में- पथेर पांचाली, अपुर संसार, अपराजितो, जलसाघर, अभियान आदि
पुरस्कार- भारत रत्न, पद्मविभूषण, दादा साहब फाल्के पुरस्कार।
• 1992 में विश्व सिनेमा में अभूत पूर्व योगदान के लिए **मानद ऑस्कर अवॉर्ड** से अलंकृत किया गया

26. अभिकथन (A) : हेनरी मूर अपने मूर्तिशिल्प में स्मारकीयता के अंकन के लिए प्रसिद्ध हैं।
कारण (R) : विशाल आकार का होने के कारण उनके मूर्तिशिल्प में स्मारकीयता थी।
(a) A सही है तथा R सही नहीं है।
(b) A सही है तथा R भी सही है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A गलत है तथा R भी गलत है
उत्तर (b)

व्याख्या- हेनरी मूर अपने मूर्तिशिल्प में स्मारकीयता के अंकन के लिए प्रसिद्ध हैं। विशाल आकार का होने के कारण उनके मूर्तिशिल्प में स्मारकीयता थी। अभिकथन (A) तथा तर्क (R) दोनों सही है।

27. अभिकथन (A) : अच्छे शिक्षक अच्छे कलाकार हो सकते हैं, परन्तु सभी अच्छे कलाकार अच्छे शिक्षक नहीं होते।
कारण (R) : शिक्षण में दक्षता प्राप्त की जा सकती है, परन्तु कलात्मक दक्षता प्राप्त नहीं की जा सकती
(a) A तथा R दोनों सही है।
(b) A तथा R दोनों गलत है
(c) A सही है तथा R सही नहीं है
(d) A गलत है तथा R सही है
उत्तर (c)

व्याख्या- अच्छे शिक्षक अच्छे कलाकार हो सकते हैं, परंतु सभी अच्छे कलाकार अच्छे शिक्षक नहीं होते। शिक्षण में दक्षता प्राप्त की जा सकती है, परन्तु कलात्मक दक्षता प्राप्त नहीं की जा सकती, ऐसा कहना गलत होगा। अतः अभिकथन (A) सही है जबकि तर्क (R) गलत है।

28. अभिकथन (A) : एम.एफ. हुसैन आधुनिक भारतीय कला के प्रतीक बन गये हैं, क्योंकि वे विचारों तथा अभिव्यक्ति में 'अवां-गार्द' हैं।
कारण (R) : क्योंकि उन्होंने अपने कला के करियर का प्रारम्भ संघर्ष और गरीबी से किया।
(a) A सही नहीं है तथा R सही है।
(b) A गलत है तथा R भी गलत है
(c) A सही है तथा R सही नहीं है
(d) A तथा R दोनों सही है
उत्तर (d)

व्याख्या- एम. एफ हुसैन आधुनिक भारतीय कला के प्रतीक बन गए हैं, क्योंकि वे विचारों तथा अभिव्यक्ति में 'अवां गार्द' हैं क्योंकि उन्होंने अपने कला के कैरियर का प्रारंभ संघर्ष और गरीबी से किया। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

29. अभिकथन (A) : जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, ''ईमानदारी सर्वोत्तम नीति है।''
कारण (R) : क्योंकि वे एक महान् भविष्यद्रष्टा तथा राष्ट्रवादी थे
(a) A तथा R दोनों सही है।
(b) A सही नहीं है तथा R भी सही नहीं है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A सही है तथा R सही नहीं है
उत्तर (a)

व्याख्या- जवाहरलाल नेहरू ने कहा था, ''ईमानदारी सर्वोत्तम नीति है।'' क्योंकि वे एक महान भविष्यद्रष्टा और राष्ट्रवादी थे। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

30. **अभिकथन (A) :** मधुबनी चित्रकला को लोककला के रूप में परिभाषित किया जाता है, क्योंकि इसमें कोणीय स्पष्ट रेखाएँ तथा आधारभूत रंग होते हैं।

कारण (R) : क्योंकि सभी लोक कलाओं में स्पष्ट रेखाएँ तथा आधारभूत रंग होते हैं।

(a) A तथा R दोनों सही है।
(b) A सही है तथा R सही नहीं है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A गलत है तथा R भी गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- मधुबनी चित्रकला को लोककला के रूप में परिभाषित किया जाता है, क्योंकि इसमें कोणीय स्पष्ट रेखाएँ तथा आधारभूत रंग होते हैं। क्योंकि सभी लोग कलाओं में स्पष्ट रेखाएँ तथा आधारभूत रंग होते हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

31. **अभिकथन (A) :** गणेश पाइन के चित्रों में पारम्परिक विषय-वस्तु तथा प्रतीकों के अतिरिक्त तांत्रिक तत्त्व भी पाये जाते हैं।

कारण (R) : क्योंकि समस्त पारम्परिक कलाएँ प्रतीकवाद तथा तांत्रिक विषय-वस्तु पर आधारित हैं।

(a) A तथा R दोनों सही है।
(b) A सही है तथा R सही नहीं है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A तथा R दोनों सही नहीं है

उत्तर (b)

व्याख्या- गणेश पाइन के चित्रों में पारंपरिक विषय-वस्तु तथा प्रतीकों के अतिरिक्त तांत्रिक तत्त्व भी पाए जाते हैं। क्योंकि समस्त पारंपरिक कलाएँ प्रतीकवाद तथा तांत्रिक विषय वस्तु पर आधारित हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) सही नहीं है।

32. **अभिकथन (A) :** विज्ञापन तथा प्रचार दोनों बिलकुल एक है।

कारण (R) : क्योंकि दोनों सूचना का प्रसार करते हैं।

(a) A तथा R दोनों सही नहीं है।
(b) A तथा R दोनों सही है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A सही है तथा R सही नहीं है

उत्तर (c)

व्याख्या- विज्ञापन तथा प्रचार दोनों बिलकुल एक है क्योंकि दोनों सूचना का प्रसार करते हैं। अभिकथन (A) गलत और कारण (R) सही है।

33. **अभिकथन (A) :** इंटरनेट संचार, सूचना तथा शिक्षा का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है।

कारण (R) : विज्ञापनकर्त्ताओं द्वारा इसका बहुत उपयोग किया जाता है, क्योंकि वे बाह्य विज्ञापन पर खर्च किए बिना सब तक पहुँच सकते हैं।

(a) A सही है तथा R सही नहीं है।
(b) A सही है तथा R भी सही है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A गलत है तथा R भी गलत है

उत्तर (b)

व्याख्या- इंटरनेट संचार, सूचना तथा शिक्षा का सर्वाधिक सशक्त माध्यम है। विज्ञापनकर्त्ताओं द्वारा इसका उपयोग किया जाता है, क्योंकि वे वाह्य विज्ञापन पर खर्च किए बिना सब तक पहुँच सकते हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

34. **अभिकथन (A) :** समकालीन कलाकारों को अपनी सृजनात्मकता में मल्टीमीडिया का उपयोग करने की असीम स्वतंत्रता है।

कारण (R) : क्योंकि ऐसा करने से वे अत्यधिक अभिव्यक्त कर पाते हैं तथा दृश्य प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं।

(a) A सही है तथा R सही नहीं है।
(b) A सही है तथा R भी सही है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A गलत है तथा R भी गलत है

उत्तर (b)

व्याख्या- समकालीन कलाकारों को अपनी सृजनात्मकता में मल्टीमीडिया का उपयोग करने की असीम स्वतंत्रता है। क्योंकि ऐसा करने से वे अत्यधिक अभिव्यक्त कर पाते हैं तथा दृश्य प्रभाव उत्पन्न कर सकते हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

35. **अभिकथन (A) :** यूरोपीय चित्रकला में प्रभाववाद के कारण परिवर्तित होते हुए समय की सीमा में प्रकाश तथा वातावरण के पारस्परिक सम्बन्ध के प्रदर्शन का नवीन विचार आया।

कारण (R) : क्योंकि फोटोग्राफी के आविष्कार से कलाकारों को यथावत् प्रस्तुति के स्थान पर प्रकाशकीय वास्तविकता के परिप्रेक्ष्य में सोचने को बाध्य किया।

(a) A सही है तथा R सही नहीं है।
(b) A सही है तथा R भी सही है
(c) A सही नहीं है तथा R सही है
(d) A गलत है तथा R भी गलत है

उत्तर (b)

व्याख्या- यूरोपीय चित्रकला में प्रभाववाद के कारण परिवर्तित होते हुए समय की सीमा में प्रकाश तथा वातावरण के पारस्परिक सम्बन्ध के प्रदर्शन का नवीन विचार आया। क्योंकि फोटोग्राफी के आविष्कार से कलाकारों को यथावत् प्रस्तुति के स्थान पर प्रकाशकीय वास्तविकता के परिप्रेक्ष्य में सोचने को बाध्य किया। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

36. 'हॉलो मेटल कास्टिंग का सही क्रम पहचानिए :

(a) मोल्ड बनाना, मोल्ड को पकाना, कोर भरना, रनर्स लगाना
(b) कोर भरना, रनर्स लगाना, मोल्ड बनाना, मोल्ड पकाना
(c) रनर्स लगाना, मोल्ड बनाना, कोर भरना, मोल्ड पकाना
(d) मोल्ड बनाना, मोल्ड पकाना, रनर्स लगाना, कोर भरना

उत्तर (d)

व्याख्या- 'हॉलो मेटल कास्टिंग' का सही क्रम इस प्रकार होगा- मोल्ड बनाना, मोल्ड पकाना, रनर्स लगाना, कोर भरना।

37. सामग्री के सेट में से कौन सा सही है?

(a) क्ले, ग्रोग, ब्रिक डस्ट, फायरवुड
(b) क्ले, स्टोन, जिंक, ब्रिक डस्ट
(c) फायरवुड, ब्रीज, एसिड, ग्रेनाइट
(d) मेहगनी, चाइना क्ले, सैंड स्टोन, लेदर

उत्तर (a)

व्याख्या- सामग्री के सेट में सही है :- क्ले, ग्रोग, ब्रिक डस्ट, फायरवुड। ये सभी ब्रिक (ईट) बनाने के काम आती है।

38. चार रंगों की ऑफसेट प्रिंटिंग स्याही का सही क्रम चुनिए।

(a) स्यान, मेजेंटा, पीला, काला
(b) काला, स्यान, मेजेंटा, पीला
(c) पीला, काला, स्यान, मेजेंटा
(d) मेजेंटा, पीला, काला, स्यान

उत्तर (a)

व्याख्या- चार रंगों की ऑफसेट प्रिंटिंग स्याही का सही क्रम है :- स्यान, मेजेंटा, पीला, काला (CMYK)

39. विपणन का सही क्रम चुनिए :

(a) प्लानिंग, प्रमोशन, वितरण, कीमत-निर्धारण
(b) कीमत-निर्धारण, प्रमोशन, वितरण, प्लानिंग
(c) प्रमोशन, वितरण, प्लानिंग, कीमत-निर्धारण
(d) प्लानिंग, कीमत-निर्धारण, प्रमोशन, वितरण

उत्तर (d)

व्याख्या- विपणन एक सतत प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत मार्केटिंग मिश्स (उत्पाद, मूल्य, स्थान, प्रोत्साहन जिन्हें प्रायः 4 Ps कहा जाता है) की योजना बनाई जाती है एवं उनका कार्यान्वयन किया जाता है। यह प्रक्रिया व्यक्तियों एवं संगठनों के बीच उत्पादों सेवाओं या विचारों के विनिमय हेतु की जाती है। विपणन को एक रचनात्मक उद्योग के रूप में देखा जाता है, जिसमें शामिल हैं विज्ञापन, वितरण और बिक्री। इसका सम्बन्ध ग्राहकों की भावी आवश्यकताओं और आकांक्षाओं का पूर्व विचार करने से है, जो प्रायः बाजार शोध के माध्यम से ज्ञात की जाती है। प्लानिंग, कीमत-निर्धारण, प्रमोशन और वितरण विपणन के सही क्रम हैं।

40. पुरातात्विक स्थलों के भित्ति-चित्रों का सही क्रम चुनिए:

(a) बादामी, अजन्ता, एलोरा, सित्तनिवासल
(b) अजन्ता, बादामी, एलोरा, सित्तनिवासल
(c) एलोरा, सित्तनिवासल, अजन्ता, बादामी
(d) सित्तनिवासल, अजन्ता, बादामी, एलोरा

उत्तर (b)

व्याख्या- पुरातात्विक स्थलों के भित्ति चित्रों का सही क्रम है-

अजंता	-	230-220 ईसा पूर्व
बादामी	-	540-757 ईस्वी
एलोरा	-	575-9वीं शताब्दी
सित्तनिवासल	-	7वीं- 9वीं शताब्दी

41. कला संस्थानों को उनकी स्थापना के कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए

(a) कलकत्ता, बंबई, लाहौर, मद्रास
(b) बंबई, लाहौर, मद्रास, कलकत्ता
(c) मद्रास, कलकत्ता, बंबई, लाहौर
(d) कलकत्ता, बंबई, लाहौर, मद्रास

उत्तर (c)

व्याख्या- कला संस्थानों का उनकी स्थापना के कालक्रमानुसार सही क्रम इस प्रकार होगा-

गवर्नमेन्ट कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स, मद्रास	- 1850
गवर्नमेन्ट कॉलेज ऑफ आर्ट एण्ड क्राफ्ट्स, कलकत्ता	- 1854
सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, बम्बई	- 1857
नेशनल कॉलेज ऑफ आर्ट, लाहौर	- 1875

42. विपरीत कालक्रम में कौन सा सही है?

(a) नवशास्त्रीयतावाद, रोमांसवाद, यथार्थवाद, प्रभाववाद
(b) नवशास्त्रीयतावाद, रोमांसवाद, प्रभाववाद, यथार्थवाद
(c) प्रभाववाद, यथार्थवाद, रोमांसवाद, नवशास्त्रीयतावाद
(d) रोमांसवाद, प्रभाववाद, यथार्थवाद, नवशास्त्रीयतावाद

उत्तर (c)

व्याख्या- विपरीत कालक्रमानुसार सही क्रम इस प्रकार होगा- प्रभाववाद, यथार्थवाद, रोमांसवाद, नवशास्त्रीयतावाद।

43. सिस्टीन चैपल की छत पर बने हुए चित्रों का सही क्रम चुनिए :

(a) क्रिएशन ऑफ एडम, क्रिएशन ऑफ ईव, फॉल एण्ड एक्सपल्शन, सैक्रिफाइस ऑफ नोआ
(b) क्रिएशन ऑफ ईव, क्रिएशन ऑफ एडम, फॉल एण्ड एक्सपल्शन, सैक्रिफाइस ऑफ नोआ
(c) फॉल एण्ड एक्सपल्शन, क्रिएशन ऑफ ईव, क्रिएशन ऑफ एडम, सैक्रिफाइस ऑफ नोआ
(d) सैक्रिफाइस ऑफ नोआ, क्रिएशन ऑफ ईव, क्रिएशन ऑफ एडम, फॉल एण्ड एक्सपल्शन

उत्तर (a)

व्याख्या- सिस्टीन चैपल की छत पर बने हुए चित्रों का सही क्रम इस प्रकार होगा- क्रिएशन ऑफ एडम, क्रिएशन ऑफ ईव, फॉल एण्ड एक्सपल्शन, सैक्रिफाइस ऑफ नोआ।

44. केवल प्रिंटमेकर्स का सेट चुनिए :

(a) सोमनाथ होर, अनुपम सूद, दीपक बनर्जी, दिलीप दास गुप्ता
(b) दीपक बनर्जी, युसुफ, पिनाकी बरुआ, के. पल्लियानि अप्पन
(c) युसुफ, पिनाकी बरुआ, आर, शिव कुमार, दीपक कनाल
(d) सर्बरी राव चौधरी, जयराम पटेल, रतन परिमू, नीलिमा सेठ

उत्तर (a)

व्याख्या- सोमनाथ होर, अनुपम सूद, दीपक बनर्जी और दिलीप दास गुप्ता इत्यादि केवल प्रिंटमेकर हैं।

45. प्रिंटमेकिंग में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री का सही सेट चुनिए :

(a) स्पैचुला, तारपीन का तेल, टेक्सचर व्हाइट, पेण्ट
(b) आर्मेचर, कैनवास, पेण्ट, ईजल
(c) मोल्ड, मेटल प्लेट, वैक्स, ब्रश
(d) मेटल प्लेट, एसिड, ग्राउण्ड, इंक

उत्तर (d)

व्याख्या- प्रिंटमेकिंग में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों का सही क्रम इस प्रकार होगा- मेटल प्लेट, एसिड, ग्राउंड, इंक।

46. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(A)	लूटो	(i)	स्टोन कार्विंग
(B)	ग्रोग	(ii)	सेरामिक्स
(C)	गौज	(iii)	ब्रोंज कास्टिंग
(D)	बुश चिजेल	(iv)	वुड कार्विंग

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

लूटो	-	ब्रोंज कास्टिंग
ग्रोग	-	सेरामिक्स
गौज	-	वुड कार्विंग
बुग चिजेल-		स्टोन कार्विंग

47. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(A)	डो को मो	(i)	आउटडोर ऐडवर्टाइजिंग
(B)	स्क्वीज	(ii)	सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग
(C)	जिंगल्स	(iii)	टी.वी. ऐडवर्टाइजिंग
(D)	कियोस्क	(iv)	ऐड ऑफ टाटा मोबाइल फोन

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

डो को मो-ऐड ऑफ टाटा मोबाइल फोन

एक्वीज	-	सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग
जिंगल्स	-	टी.वी. एडवर्टाइजिंग
कियोस्क	-	आउटडोर एडवर्टाइजिंग

48. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A)	स्टोन ब्रेकर	(i)	रेम्ब्रां
(B)	नाइट वाच	(ii)	पिकासो
(C)	पोटैटो ईटर	(iii)	गुस्ताव कूर्बे
(D)	गुएर्निका	(iv)	वानगॉग

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

स्टोन ब्रेकर	-	गुस्ताब कूर्बे
नाइट वाच	-	रेम्ब्रां
पोटैटो ईटर	-	वानगॉग
गुएर्निका	-	पिकासो

49. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(A)	विवान सुन्दरम्	(i)	मूर्तिकला
(b)	बिमान बी. दास	(ii)	विज्ञापन कला
(c)	तैयब मेहता	(iii)	अधिष्ठापन कला
(d)	एलेक्स पदमसी	(iv)	चित्रकला

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

विवान सुंदरम्	-	अधिष्ठापन कला
बिमान बी. दास	-	मूर्तिकला
तैयब मेहता	-	चित्रकला
एलेक्स पद्मसी	-	विज्ञापन कला

50. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(A)	भारतीय कला	(i)	के.जी. सुब्रमनियम
(B)	बागेश्वरी शिल्प प्रबंधावली	(ii)	वी.एस. अग्रवाल
(C)	मूविंग फोकस	(iii)	नैविले तुली
(D)	फ्लेम्ड मोजाइक	(iv)	अवनीन्द्रनाथ टैगोर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर (c)

व्याख्या-सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

भारतीय कला	-	वी. एस. अग्रवाल
बागेश्वरी शिल्प प्रबंधावली	-	अबनीन्द्रनाथ टैगोर
मूविंग फोकस	-	के.जी. सुब्रमनियम
प्लेम्ड मोजाइक	-	नैविले तुली

यू. जी. सी. नेट (दिसम्बर) परीक्षा, 2010

दृश्य कला

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक है। सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. भारतीय लघु चित्रकला से कौन प्रभावित है?

(a) अमृता शेरगिल (b) गोगी सरोज पाल

(c) अर्पणा कौर (d) माधवी पारिख

उत्तर (a)

व्याख्या- अमृता शेरगिल का जन्म 30 जनवरी, 1913 को बुडापेस्ट, हंगरी' में हुआ था। अमृता के मन में भारतीय लघु चित्रकला के प्रति खास आकर्षण था। मदर इंडिया, हिल वुमेन, तीन बहनें, केले बेचते हुए, ब्रह्मचारी, गणेश पूजन, हाट बाजार, ग्राम्य दृश्य, दी स्टोरी टेलर, आराम, हल्दी पीसती औरतें, हाथी का स्नान, बालिका बधू, अछूत बालिका और टोरसो इत्यादि इनके द्वारा निर्मित सर्वाधिक प्रसिद्ध चित्र हैं। अमृता की मृत्यु 5 दिसम्बर, 1941 ई. को दीर्घकालीन अस्वस्थता के कारण हुई थी। यूँ तो अमृता का जीवनकाल मात्र 28 वर्ष का रहा। इनके कला मर्म के लिए समय तो और भी छोटा रहा, किन्तु केवल सात वर्षों (1935-1941) के दौरान उन्होंने जिन चित्रों का निर्माण किया, वे आज संसार भर में कला जगत की अनमोल धरोहर बन गई है।

2. 'स्कूल ऑफ एथेंस' नामक चित्र का चित्रकार कौन है?

(a) माइकल एंजेलो

(b) लियोनार्डो द विंची

(c) रैफेल

(d) टिशियाँ

उत्तर (c)

व्याख्या- राफेलो सन्जिया दा अर्बिनो (28 मार्च या 6 अप्रैल, 1483 से 6 अप्रैल, 1520) जो मुख्यतः राफेल के नाम से जाने जाते हैं, इटेलियन चित्रकार और वास्तुशिल्पी थे। स्कूल ऑफ एथेंस, ट्रान्सफिगरेशन (1520), द सिस्टीन मैडोना (1512), द मैरिज ऑफ द वर्जिन (1504) इत्यादि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

3. सिनेमा पोस्टर तथा कट-आउट चित्रकार के रूप में किसने अपना कैरियर प्रारम्भ किया?

(a) न्यूटन सूजा (b) सतीश गुजराल

(c) एन.एस. बेंद्रे (d) एम.एफ. हुसैन

उत्तर (d)

व्याख्या- मकबूल फिदा हुसैन एक आत्म दीक्षित चित्रकार हैं, इनका जन्म 17 सितम्बर, 1915 ई. को महाराष्ट्र के पंढरपुर में हुआ था। इन्होंने इंदौर के आर्ट स्कूल में मात्र एक ही कला शिक्षा प्राप्त की, उसके बाद वे मुंबई आ गए और सन् 1936 ई. तक सिनेमा के पोस्टरों और होर्डिंग्स को रंगने से अपनी कला यात्रा प्रारम्भ की। लैम्प और मकड़ी, दो स्त्रियों का संवाद, जमीन, दुपट्टे में तीन औरतें, रागमाला, नृत्य, कश्मीर, मैसूर, अंतिम भोज और मुक्तिबोध की कविताओं पर आधारित चित्र इत्यादि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं। उनका देहांत 9 जून, 2011 को 95 वर्ष की अवस्था में लंदन में हुआ।

4. राजा रवि वर्मा के चित्र _____पर आधारित है।

(a) घनवादी शैली (b) लोक शैली

(c) यथार्थवादी शैली (d) प्रभाववादी शैली

उत्तर (c)

व्याख्या- राजा रवि वर्मा के चित्र यथार्थवादी शैली पर आधारित हैं। इनका जन्म 29 अप्रैल, 1848 को केरल के एक गाँव किलीमन्नूर में हुआ था। भगवान राम द्वारा समुद्र का मानभंग, दूत के रूप में श्रीकृष्ण, रावण और जटायु, मत्स्यगंधी, सीताहरण, भीष्मप्रतिज्ञा, दरिद्रता, द्रोपदी, सरस्वती, श्रृंगार, मेनका, हंस और महिला, गंगा और शांतनु, पक्षी दूत, प्रस्थान, वामन अवतार, साधु और मेनका, भिक्षुणी इत्यादि इनके प्रसिद्ध चित्र हैं। 2 अक्टूबर, 1906 को कला कर्म करते हुए त्रिवेन्द्रम के निकट आर्टिट्रंगल में इनका देहांत हुआ।

5. कटरा (मथुरा) से प्राप्त बैठे हुए बुद्ध की मूर्ति किस काल की है?

(a) शुंग (b) कुषाण

(c) गुप्त (d) प्रतिहार

उत्तर (b)

व्याख्या- कटरा (मथुरा) से प्राप्त हुई बैठे हुए बुद्ध की प्रतिमा कुषाण काल की है। इसका निर्माण मथुरा शैली में हुआ है। मथुरा में लगभग तीसरी शदी ईसा पूर्व से बारहवीं शदी ईस्वी तक अर्थात् डेढ़ हजार वर्षों तक शिल्पियों ने मथुरा कला की साधना की जिसके कारण भारतीय मूर्तिकला के इतिहास में मथुरा का महत्वपूर्ण स्थान है। कुषाण काल से मथुरा विद्यालय कला के उच्चतम शिखर पर था। सबसे विशिष्ट कार्य जिो इस काल के दौरान किया गया वह बुद्ध का सुनिश्चित मानक प्रतीक था।

6. भारतीय ग्रंथ 'वृहत् संहिता' का रचयिता कौन है?

(a) बाणभट्ट (b) कल्हण
(c) कालिदास (d) वराहमिहिर

उत्तर (d)

व्याख्या- वराहमिहिर ईसा की पाँचवी-छठीं शताब्दी के भारतीय गणितज्ञ एवं खगोलज्ञ थे। वराहमिहिर ने ही अपने ग्रंथ 'पंचसिद्धान्तिका' में सबसे पहले बताया था कि अमनांश का मान 50.32 सेकेण्ड के बराबर होता है। वराहमिहिर का जन्म 499 ई. में उज्जैन के निकट कपित्था नामक गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। 550 ई. के लगभग इन्होंने तीन महत्वपूर्ण ग्रंथों बृहज्जातक, वृहत्संहिता और पंचसिद्धान्तिका की रचना की।

7. भारतीय सौंदर्यशास्त्र में ध्वनि सिद्धांत का प्रतिपादक कौन है?

(a) आनन्दवर्धन (b) भरतमुनि
(c) वराहमिहिर (d) विष्णु गुप्त

उत्तर (a)

व्याख्या- भारतीय सौन्दर्यशास्त्र में ध्वनि सिद्धांत का प्रतिपादन आनन्दवर्धन ने किया था। इनकी कृति ध्वन्यालोक बहुत प्रसिद्ध है। ध्वनि सिद्धान्त का सम्बन्ध शब्द शक्ति और अर्थ विज्ञान से है। आनन्दवर्धन का महत्व प्रधानतः एक भाषा-दार्शनिक व सौन्दर्य शास्त्री के रूप में है।

8. लाड खान मंदिर कहाँ अवस्थित है?

(a) बादामी (b) अइहोले
(c) भूमरा (d) साँची

उत्तर (b)

व्याख्या- • यह मंदिर ऐहोल का सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक है
• यह मूल रूप से वैष्णव मंदिर था जिसे सूर्य उपासना के लिए बनाया गया था।
• बाद में एक विशाल नन्दी की प्रतिमा से यह शैव मंदिर बन गया।
• 5 वीं से 6 वीं सदी के बीच इसका निर्माण चालुक्य काल में चुलकेशीय प्रथम के द्वारा कराया गया था।
• एक मुस्लिम शासक द्वारा इस मंदिर को एक आवास के रूप में अपनाने के बाद इस मंदिर का नाम ''लाडखान'' पड़ा।

9. 'अपोलो एण्ड डेफ्ने' नामक प्रसिद्ध मूर्तिशिल्प का मूर्तिकार कौन है?

(a) बोलोन्या (b) बर्निनी
(c) दोनातेल्लो (d) सेलिनी

उत्तर (b)

व्याख्या- 'अपोलो एण्ड डेक्ने' नामक प्रसिद्ध मूतिशिल्प के मूर्तिकार जियान लोरेंजो बर्निनी (7दिसम्बर, 1598-28 नवंबर, 1680) एक इटैलियन मूर्तिकार और वास्तुशिल्पी थे। इकस्टेसी ऑफ सेन्ट टेरेसा (1652), चेयर ऑफ सेंट पीटर (1666), बस्ट ऑफ लुईस XIV (1665), मेडुसा (1630), नेपब्यून एण्ड ट्रिटॉन (1623), सेंट बिबियाना (1620) इत्यादि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

10. भारत भवन, भोपाल का संस्थापक कौन है?

(a) जे. स्वामीनाथन (b) अशोक बाजपेयी
(c) मंजीत बावा (d) न्यूटन सूजा

उत्तर (b)

व्याख्या- भारत भवन, मध्य प्रदेश के भोपाल में स्थित एक विविध कला, सांस्कृतिक केन्द्र एवं कला संग्रहालय है। इसकी स्थापना मध्य प्रदेश के आई.ए.एस. ऑफिसर और तत्कालीन संस्कृति निदेशक अशोक बाजपेयी द्वारा 13 फरवरी, 1982 को की गई थी।

11. 'डेविड' का मूर्तिकार कौन है?

(a) दोनातेल्लो (b) लोरेंजो गिबर्ती
(c) सेलिनी (d) बोलोना

उत्तर (a)

व्याख्या- दोनातेल्लो (1386-13 दिसम्बर, 1466) फ्लोरेंस, इटली के प्रसिद्ध मूर्तिकार थे। सेंट मार्क (1411-13), प्रोकेट हबाकुम (1423-25), द कीस्ट ऑफ हेरोड (1425), डेविड (1425-30), मैडोना ऑफ द क्लाउड्स (1425-35) इत्यादि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

12. सिरे-पर्दू किस माध्यम में मूर्ति ढालने की तकनीक है?

(a) सीमेन्ट (b) धातु
(c) प्लास्टर ऑफ पेरिस (d) फाइबर ग्लास

उत्तर (b)

व्याख्या- सिरे-पर्दू धातु माध्यम में मूर्ति ढालने की तकनीक है।

13. लूसा डेला रोबिया एक है

(a) सिनेमेटोग्राफर (b) मूर्तिकार
(c) संगीतकार (d) नर्तक

उत्तर (b)

व्याख्या- लूसा डेला रोबिया (1399/1400-1482) फ्लोरेंस, इटली की एक मूर्तिकार थीं।

14. ज्योत्स्ना भट्ट किसके लिए प्रसिद्ध हैं?

(a) सिरेमिक्स (b) चित्रकला
(c) ग्राफिक (d) वास्तुकला

उत्तर (a)

व्याख्या- ज्योत्स्ना भट्ट एक प्रसिद्ध सिरेमिक कलाकार हैं। इनका जन्म 1940 में माण्डवी, गुजरात में हुआ था। इन्होंने फाइन आर्ट में डिप्लोमा एम.एस. यूनिवर्सिटी बड़ोदरा से किया।

15. राघव कन्हेरिया किसके शिष्य हैं?

(a) शंखो चौधरी (b) रामकिंकर बैज
(c) चिन्तामणि कर (d) प्रदोष दासगुप्ता

उत्तर (a)

व्याख्या-राघव कन्हेरिया प्रसिद्ध मूर्तिकार शंखो चौधरी के शिष्य हैं। इनका जन्म वर्ष 1936 में हुआ था। शंखो चौधरी का जन्म 1916 में संथाल परगना बिहार में हुआ था। शंखों चौधरी ने शांति निकेतन में रामकिंकर बैज से कला शिक्षा प्राप्त की।

16. टाइपोग्राफी का आविष्कार किसने किया?

(a) जॉन सेनेफेल्डर (b) निप्पे
(c) जॉन गुटेनबर्ग (d) जॉन जिमरमान

उत्तर (c)

व्याख्या- यांत्रिक प्रिंटिंग प्रेस के साथ ही आधुनिक चलनशील टाइपोग्राफी का आविष्कार 1639 में जर्मनी में गोल्डस्मिथ जॉन गुटेनबर्ग ने किया था। उनके द्वारा इस्तेमाल में लाए गए लेड आधारित एलॉय मुद्रण के लिए इतने उपयोगी थे कि उसका प्रयोग आज भी किया जाता है। टेक्स्ट की विविध प्रतियों के मुद्रण हेतु जरूरी बड़ी संख्या में लेटरपंचों के कॉस्टिंग और कंबाइनिंग चिप कॉपियों के लिए गुटेनबर्ग ने एक विशेष तकनीक का विकास किया यह महत्वपूर्ण तकनीकी खोज शुरुआती प्रिंटिंग क्रांति की सफलता में बहुत मददगार साबित हुआ।

17. लेटर प्रेस प्रिंटिंग में टाइप किस धातु से निर्मित होते हैं?

(a) लेड (b) जिंक
(c) ताँबा (d) रबर

उत्तर (a)

व्याख्या- लेटर प्रेस प्रिंटिंग में टाइप लेड (सीसा) धातु से निर्मित होते है। लेटर प्रिंटिंग प्रेस की खोज जोहानेस गुटेनवर्ग ने 1440 में किया था।

18. चार रंगों की ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार किस देश में हुआ?

(a) फ्रांस (b) इंग्लैंड
(c) जर्मनी (d) स्वीडन

उत्तर (c)

व्याख्या- चार रंगों की ऑफसेट प्रिंटिंग मशीन का आविष्कार वर्ष 1892 में जर्मनी में हुआ।

19. टाइपोग्राफी में सबसे बड़ा पॉइंट साइज क्या होता है?

(a) 6 पॉइंट (b) 12 पॉइंट
(c) 72 पॉइंट (d) 96 पॉइंट

उत्तर (d)

व्याख्या- टाइपोग्राफी में सबसे बड़ा पॉइंट साइज 96 पॉइंट का होता। टाइपोग्राफी अर्थात् मुद्रण कला मुद्रण को सजाने, मुद्रण डिजाइन एवं मुद्रण ग्लिप्स को संधोधित करने की एक तकनीकि है।

20. निम्नलिखित में से कौन लिथोग्राफ पोस्टर के लिए प्रसिद्ध है?

(a) पैब्लो पिकासो (b) ई. अल्काजी
(c) तुलूज लावे (d) डेगा

उत्तर (c)

व्याख्या- तुलूज लावे विशेष प्रकार के लिथोग्राफ पोस्टरों के निर्माण हेतु प्रसिद्ध है।

21. उस प्रसिद्ध यूरोपीय चित्रकार का नाम बताएँ जो नारी-आकृतियों में सदैव लम्बी गर्दन का चित्रांकन करता था।

(a) पिकासो (b) मोदिग्लियानी
(c) मैक्स अर्न्स्ट (d) फ्रांस हॉल्स

उत्तर (b)

व्याख्या- अमेदो मोदिग्लियानी (12 जुलाई, 1884- 24 जनवरी, 1920) एक इटैलियन यहूदी चित्रकार और मूर्तिकार थे जिन्होंने मुख्यतः फ्रांस में कला कार्य किया। वे नारी-आकृतियों में सदैव लंबी गर्दन का प्रयोग करते थे। प्रधानतः उन्होंने चित्र माध्यम में ही कार्य किया। रिक्लाइनिंग न्यूड (1917), जिप्सी वुमेन विद बेबी (1919), ब्राइड एण्ड ग्रूम (1915), वुमेन विद रेड हेयर (1917) और फीमेल न्यूड (1916) इत्यादि उनके प्रसिद्ध चित्र हैं।

22. रीतिवाद निम्नलिखित में से किन दो युगों के बीच अस्तित्व में आया?

(a) गोथिक और रेनेसां
(b) रेनेसां और बरोक
(c) बरोक और रोकोको
(d) नवशास्त्रीयतावाद और रोमांसवाद

उत्तर (b)

व्याख्या- रीतिवाद रेनेसां और बरोक नामक दो कला युगों के मध्य अस्तित्व में आया। कला साहित्य आदि के क्षेत्र में परंपरा से चली आ रही रीतियों का दृढ़तापूर्वक पालन करने का समर्थक मत या बाद को ही रीतिवाद कहा जाता है।

23. विलियम ब्लेक कला के किस वाद का प्रतिनिधित्व करते हैं?

(a) रोमांसवाद (b) प्रभाववाद
(c) अतियथार्थवाद (d) भविष्यवाद

उत्तर (a)

व्याख्या- विलियम ब्लेक (28 नवंबर, 1757-12 अगस्त, 1827) एक ब्रिटिश कवि, चित्रकार और प्रिंटमेकर थे। ब्लेक 19वीं शताब्दी के रोमांसवाद नामक कला आंदोलन का प्रतिनिधित्व करते थे।

24. प्रसिद्ध टेराकोटा मन्दिर कहाँ है?

(a) विष्णुपुर (b) नालन्दा
(c) भितरगाँव (d) बोधगया

उत्तर (a)

व्याख्या- पश्चिम बंगाल के बाँकुड़ा जिले में स्थित विष्णुपुर टेराकोटा मंदिरों के लिए विख्यात है। लैटेराइट पत्थरों से निर्मित यहाँ के मन्दिरों का निर्माण माला शासकों ने 17वीं- 18वीं शताब्दी में करवाया था।

25. नयी फिल्म 'अवतार' का निर्देशक कौन है?

(a) जेम्स कैमरून (b) स्टीफन स्पिलबर्ग
(c) मीरा नायर (d) करन जौहर

उत्तर (a)

व्याख्या- वर्ष 2009 में प्रदर्शित 'अवतार' फिल्म के निर्देशक जेम्स कैमरून हैं।

26. अभिकथन (A): जैमिनी राय चित्रकला की लोकशैली से प्रेरित थे

कारण (R) : जैमिनी राय एक पारम्परिक चित्रकार थे

(a) (A) सही है तथा (R) गलत है
(b) (A) सही है तथा (R) भी सही है
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है
(d) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- जैमिनी राय का जन्म 10 अप्रैल, 1887 को पश्चिम बंगाल के बॉकुड़ा के बेलियातोड़ गाँव में हुआ था। जैमिनी राय ने पश्चिमी शैली के अनुकरण पर बढ़ रही भारतीय कला को नया मोड़ दिया व माटी की गंध को अनुभव कर विशुद्ध बंगाली लोककला को अपने चित्रों का विषय बनाया। महात्मा गाँधी ने इन्हें 'राष्ट्रवादी कलाकार' की संज्ञा दी थी। ढोलकवादक, संथाल स्त्रियाँ, भेंट, सीता की अग्नि परीक्षा, पुजारिनें, रथयात्रा, माँ व शिशु, तीन योद्धा इत्यादि उनके प्रमुख चित्र हैं। 24 अप्रैल, 1972 को कलकत्ता में इनका निधन हुआ।

27. **अभिकथन** (A): अजन्ता की चित्रकला में बुद्ध और बोधिसत्वों का अंकन है।

कारण (R) : क्योंकि इन्हें बौद्ध चित्रकारों ने चित्रित किया था।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है
(b) (A) तथा (R) दोनों गलत है
(c) (A) सही है तथा (R) गलत है
(d) (A) गलत है तथा (R) सही है

उत्तर (c)

व्याख्या- अजन्ता गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित सतपुड़ा पहाड़ियों को काटकर बनाई गई है। यहाँ पर कुल 30 गुफाएँ हैं जो लगभग 850 वर्षों में बनकर तैयार हुईं। इन गुफाओं की खोज 1819 में सर जॉन स्मिथ ने की थी। इन गुफाओं में कुल 547 जातक कथाओं का अंकन है।

28. **अभिकथन** (A): मृणालिनी मुखर्जी की कृतियाँ तरलता के विलक्षण गुण से पूरित हैं।

कारण (R) : चूँकि आकृतियाँ उच्च लयात्मक स्वरूप में एक-दूसरे में विलीन हो जाती है तथा एक-दूसरे से उभर कर आ जाती हैं।

(a) (A) गलत है तथा (R) सही है
(b) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है
(c) (A) सही है तथा (R) गलत है
(d) (A) तथा (R) दोनों सही है

उत्तर (d)

व्याख्या- मृणालिनी मुखर्जी एक चित्रकार और मूर्तिकार थीं जिनका जन्म बम्बई में 1949 में और मृत्यु 15 फरवरी, 2015 को नई दिल्ली में हुई थी। इन्होंने कला शिक्षा एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा और के.जी. सुब्रमण्यम से प्राप्त की थी। इनकी कृतियाँ तरलता के विलक्षण गुण से पूरित हैं। आकृतियाँ उच्च लयात्मक स्वरूप में एक-दूसरे में विलीन हो जाती हैं तथा एक-दूसरे से उभरकर आ जाती है। अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही है।

29. **अभिकथन (A):** सृजनात्मक आवेग समस्त कलाओं में एक प्रमुख बल है।

कारण (R): कलाकार सर्वोच्च सत्ता के आनन्द को अनुभूत करता है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है
(b) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है
(d) (A) सही है तथा (R) गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- सृजनात्मक आवेग समस्त कलाओं में एक प्रमुख बल है। क्योंकि कलाकार सर्वोच्च सत्ता के आनंद को अनुभूत करता है। अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही है।

30. **अभिकथन** (A): कांगड़ा की लघु चित्रकला अत्यधिक निश्छल तथा प्रशान्त होने के कारण प्रसिद्ध हैं।

कारण (R) : क्योंकि यह भारतीय काव्यात्मक रूपकों तथा मुगल लघुचित्रों की सुव्यक्तता पर आधारित है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है
(b) (A) सही है तथा (R) गलत है
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है
(d) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- काँगड़ा की लघु चित्रकला अत्यधिक निश्छल तथा प्रशान्त होने के कारण प्रसिद्ध है। क्योंकि यह भारतीय काव्यात्मक रूप को तथा मुगल लघुचित्रों की सुव्यस्तता पर आधारित है। काँगड़ा के कलाप्रेमी शाधक संसारचन्द के समय में केशवराज लिखित कविप्रिया, रसिकप्रिया एवं नलदमयंती की प्रणय कथा चित्रित हुई, जयदेव लिखित गीतगोविन्द, बिहारीसतसई और भागवतपुराण में भी कृष्णजीवन की बहुविध नयनाभिराम ढंग से चित्रित की गई है। खुशाला, मानकू, कुनशलाल, कत्तू, बसियाँ, परखू इत्यादि काँगड़ा शैली के उच्चकोटि के चित्रकार थे।

31. **अभिकथन** (A): भारतीय पारम्परिक कला सशक्त है

कारण (R) : ऐसा इसकी समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण है।

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत है
(b) (A) सही है तथा (R) भी सही है
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है
(d) (A) सही है तथा (R) गलत है

उत्तर (b)

व्याख्या- भारतीय पारम्परिक कला सशक्त हैं। ऐसा इसकी समृद्ध सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के कारण है, कला, संस्कृति की वाहिका है। भारतीय संस्कृति के विविध आयामों में व्याप्त मानवीय एवं रसात्मक तत्त्व उसके कला रूपों में प्रकट हुए हैं। कला का प्राण है, रसात्मकता। रस अथवा आनंद अथवा आस्वाध हमें स्थूल से चेतना सत्ता तक एकरूप कर देता है। भारतीय कला 'संस्कृति प्रधान' होने से 'धर्मप्रधान' हो गई है। वास्तव में धर्म ही भारतीय कला का प्राण है, मूलभूत तत्त्व या आत्मा है।

32. **अभिकथन** (A): विज्ञापन अवैयक्तिक होता है।

कारण (R) : क्योंकि विज्ञापन को उत्पाद से सम्बन्धित सूचना के प्रसार के लिए प्रायोजित किया जाता है।

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत है
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है
(d) (A) सही है तथा (R) गलत है

उत्तर (b)

व्याख्या- विज्ञापन अवैयक्तिक होता है। क्योंकि विज्ञापन को उत्पाद से सम्बन्धित सूचना के प्रसार के लिए प्रायोजित किया जाता है। अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही है।

33. **अभिकथन** (A): होर्डिंग आउटडोर पब्लिसिटी का एक माध्यम है।

कारण (R) : आजकल इसे समाचार-पत्रों में भी देखा जा सकता है।

(a) (A) सही है तथा (R) गलत है

(b) (A) सही है तथा (R) भी सही है

(c) (A) गलत है तथा (R) सही है

(d) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- होर्डिंग आउटडोर पब्लिसिटी का एक माध्यम है। आजकल इसे समाचार पत्रों में भी देखा जा सकता है। अभिकथन (A) सही है और तर्क (R) गलत है।

34. **अभिकथन** (A): प्लैटो के अनुसार सारी कलाएँ बुरी हैं क्योंकि वे सत्य से दो बार दूर हैं।

कारण (R) : क्योंकि वे अनुकरण का अनुकरण है।

(a) (A) सही है तथा (R) गलत है

(b) (A) सही है तथा (R) भी सही है

(c) (A) गलत है तथा (R) सही है

(d) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है

उत्तर (b)

व्याख्या- प्लेटो के कला संबंधी विवेचन से सौंदर्यशास्त्रीय चिंतन में अनुकृति सिद्धांत का समावेश हुआ। प्लेटो के अनुसार कला जीवन, जल और प्रकृति का किसी न किसी रूप में अनुकरण है। कला को निम्नकोटि का मानने वाले प्लेटो अनुकरण के दो पक्ष मानते हैं- पहला जिसका अनुकरण किया जाता है और दूसरा अनुकरण का स्वरूप। यदि अनुकरण का तत्त्व मंगलकारी है और अनुकरण पूर्ण एवं उत्तम है तो वह स्वागत योग्य है। परंतु प्रायः अनुकृत्य वस्तु अमंगलकारी होती है तथा कभी-कभी मंगलकारी वस्तु का अनुकरण अधूरा और अपूर्ण होता है। ऐसी दशा में कला सत्य से परे और हानिकारक होती है।

35. **अभिकथन** (A): मिशनरियों द्वारा प्रिंटिंग प्रेस को यूथोपिया के लिए लाया गया था, परन्तु गलती से वह गोवा पहुँच गया।

कारण (R) : मिशनरियों द्वारा प्रिंटिंग प्रेस को गोवा में धार्मिक प्रोपेगैंडा के लिए लाया गया था।

(a) (A) सही है तथा (R) गलत है

(b) (A) सही है तथा (R) भी सही है

(c) (A) गलत है तथा (R) सही है

(d) (A) गलत है तथा (R) भी गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- मिशनरियों द्वारा प्रिंटिंग प्रेस को यूथोपिया के लिए लाया गया था, परन्तु गलती से वह गोवा पहुँच गया। मिशनरियों द्वारा प्रिंटिंग प्रेस को गोवा में धार्मिक प्रोपेगैंडा के लिए लाया गया था। अभिकथन (A) सही और तर्क (R) गलत है।

36. **वरिष्ठता के क्रम में सही अनुक्रम चुनिए :**

(a) बी.सी. सान्याल, वी.एस. गायतोंडे, अवनीन्द्रनाथ टैगोर, गोपाल घोष

(b) अवनीन्द्रनाथ टैगोर, गोपाल घोष, बी.सी. सान्याल, वी.एस. गायतोंडे

(c) गोपाल घोष, अवनीन्द्रनाथ टैगोर, वी.सी. सान्याल, वी.एस. गायतोंडे

(d) बी.सी. सान्याल, अवनीन्द्रनाथ टैगोर, वी.एस. गायतोंडे, गोपाल घोष

उत्तर (*)

व्याख्या- सभी विकल्प उत्तर हेतु गलत है। वरिष्ठता के क्रम में सही अनुक्रम इस प्रकार होगा-

अवनीन्द्रनाथ टैगोर	-	1871 - 1951 ईस्वी
बी.सी. सान्याल	-	1901 - 2003 ईस्वी
गोपाल घोष	-	1913 - 1980 ईस्वी
वी.एस. गायतोंडे	-	1924 - 2001 ईस्वी

37. **कालक्रमानुसार सही अनुक्रम चुनिए:**

(a) जैक्सन पोलक, दुशां, सेजां, कूर्बे

(b) कूर्बे, दुशां, सेजां, जैक्सन पोलक

(c) कूर्बे, सेजां, दुशां, जैक्सन पोलक

(d) सेजां, कूर्बे, दुशां, जैक्सन पोलक

उत्तर (c)

व्याख्या- कालक्रमानुसार सही अनुक्रम इस प्रकार होगा-

गुस्ताव कूर्बे = 10 जून, 1819-31 दिसंबर, 1877

सेजां = 19 जनवरी, 1839, 22 अक्टूबर, 1906

कर्डिश दुशां = 13 जनवरी, 1888 - 1958

जैक्सन पोलक = 28 जनवरी, 1912- 11 अगस्त, 1996

38. **उत्तर से दक्षिण की ओर के भौगोलिक क्रम में निम्नलिखित में से कौन सा सही क्रम है?**

(a) मार्तण्ड सूर्य मंदिर, स्वर्ण मंदिर, कुतुब मीनार, मीनाक्षी मंदिर

(b) स्वर्ण मंदिर, कुतुब मीनार, मार्तण्ड सूर्य मंदिर, मीनाक्षी मंदिर

(c) कुतुब मीनार, स्वर्ण मंदिर, मार्तण्ड सूर्य मंदिर, मीनाक्षी मंदिर

(d) मार्तण्ड सूर्य मंदिर, कुतुब मीनार, मीनाक्षी मंदिर, स्वर्ण मंदिर

उत्तर (a)

व्याख्या- उत्तर से दक्षिण की ओर सही भौगोलिक क्रम इस प्रकार होगा - मार्तण्ड सूर्य मंदिर, स्वर्ण मंदिर, कुतुब मीनार, मीनाक्षी मंदिर।

39. इन्द्रधनुष के रंगों का सही क्रम पहचानिए :

(a) नीला, आसमानी, बैंगनी, हरा
(b) आसमानी, नीला, हरा, बैंगनी
(c) हरा, बैंगनी, आसमानी, नीला
(d) बैंगनी, आसमानी, नीला, हरा

उत्तर (d)

व्याख्या- इन्द्र धनुष के रंगो का सही क्रम है।-

VIBGYOR

V= Veolet | I = Indigo | B = Blue | G = Green | Y = Yellow | O = Orange | R = Red

• इन्द्र धनुष में कुल 7 रंग होते है।

40. विष्णु के अवतारों की दशावतार की संकल्पना का सही अनुक्रम पहचानिए :

(a) वराह, नृसिंह, मत्स्य, कूर्म
(b) कूर्म, वराह, नृसिंह, मत्स्य
(c) मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह
(d) मत्स्य, कूर्म, नृसिंह, वराह

उत्तर (c)

व्याख्या- विष्णु के अवतारों की दशावतार की संकल्पना का सही अनुक्रम इस प्रकार होगा- मत्स्य, कूर्म, वराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध, कल्कि। पहले तीन अवतार यानि मत्स्य, कूर्म और वराह पहले युग (सत या कृत युग) में अवतरित हुए। नृसिंह, वामन, परशुराम और राम दूसरे युग (त्रेता युग) में अवतरित हुए। कृष्ण तीसरे युग (द्वापर युग) में अवतरित हुए। वर्तमान में कलियुग चल रहा है और भागवत पुराण के अनुसार इस युग के अंत में कल्कि अवतार का इस धरा पर अवतरण होगा।

41. भारतीय चित्रकला के षडांगों का सही क्रम पहचानिए:

(a) रूपभेद, प्रमाण, भाव, लावण्य योजना
(b) प्रमाण, भाव, लावण्य योजना, रूपभेद
(c) भाव, लावण्य योजना, प्रमाण, रूपभेद
(d) लावण्य योजना, प्रमाण, भाव, रूपभेद

उत्तर (a)

व्याख्या- भारतीय चित्रकला के षडांगो का सही क्रम इस प्रकार होगा- रूपभेद, प्रमाण, भाव, लावण्य योजना।

42. आरोही क्रम में सही कालानुक्रम चुनिए:

(a) बौमगार्टेन,हेगेल, क्रोसे, फ्रायड
(b) हेगेल, क्रोसे, फ्रायड, बौमगार्टेन
(c) क्रोसे, फ्रायड, बौमगार्टेन, हेगेल
(d) फ्रायड, बौमगार्टेन, हेगेल, क्रोसे

उत्तर (*)

व्याख्या- बौमगार्टेन (1714), हेगेल (1770), क्रोसे (1866), फ्रायड (1756)

43. निम्नलिखित विज्ञापन एजेंसियों का सही कालानुक्रम चुनिए :

(a) एच.टी.ए., रिडिफ्यूजन, ओ. एण्ड एम., लिंटास
(b) लिंटास, एच.टी.ए., ओ. एण्ड एम., रिडिफ्यूजन
(c) रिडिफ्यूजन, ओ. एण्ड एम., लिंटास, एच.टी.ए.
(d) एच.टी.ए., ओ. एण्ड एम., रिडिफ्यूजन, लिंटास

उत्तर (b)

व्याख्या- निम्नलिखित विज्ञापन एजेंसियों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार होगा- लिंटास, एच.टी.ए., ओ. एण्ड एम., रिडिफ्यूजन।

44. अवरोही क्रम में सही कालानुक्रम चुनिए :

(a) स्टेला क्रैमरिश, ई.बी. हैवेल, पर्सी ब्राउन, ए.के. कुमारस्वामी
(b) पर्सी ब्राउन, ए.के. कुमारस्वामी, स्टेला क्रैमरिश, ई.बी. हैवेल
(c) स्टेला क्रैमरिश, ए.के. कुमारस्वामी, पर्सी ब्राउन, ई.बी. हैवेल
(d) ई.बी. हैवेल, पर्सी ब्राउन, ए.के. कुमारस्वामी, स्टेला क्रैमरिश

उत्तर (c)

व्याख्या- अवरोही क्रम में सही कालानुक्रम इस प्रकार होगा-
स्टेला क्रैमरिश = 29 मई, 1896-31 अगस्त, 1993
ए.के. कुमारस्वामी = 22 अगस्त, 1877- 9 सितंबर, 1947
पर्सी ब्राउन = 1872- 1955
ई.बी. हैवेल = 16 सितंबर, 1861-31 दिसंबर, 1934

45. निम्नलिखित रिनैसां चित्रों का सही कालानुक्रम चुनिए:

(a) ट्रिनिटी, बर्थ ऑफ वीनस, वर्जिन ऑफ दि रॉक्स, लास्ट जजमेंट
(b) बर्थ ऑफ वीनस, वर्जिन ऑफ दि रॉक्स, लास्ट जजमेंट, ट्रिनिटी
(c) वर्जिन ऑफ द रॉक्स, लास्ट जजमेंट, ट्रिनिटी, बर्थ ऑफ वीनस
(d) लास्ट जजमेंट, ट्रिनिटी, वर्जिन ऑफ दि रॉक्स, बर्थ ऑफ वीनस

उत्तर (a)

व्याख्या- निम्नलिखित रिनैसां चित्रों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार होगा-

होली ट्रिनिटी	-	मसाच्चियों द्वारा 1425 में
बर्थ ऑफ वीनस	-	बोत्तिचेल्ली द्वारा 1480 में
वर्जिन ऑफ दि रॉक्स	-	लियोनार्दो विंची द्वारा 1483-1486 में
लास्ट जजमेंट	-	माइकलएंजेलो द्वारा 1536-1541 में

46. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A)	यथार्थवाद	(i)	सिग्मण्ड फ्रायड
(B)	प्रतिरूपण	(ii)	क्लाइव बेल
(C)	लिबिडो	(ii)	अरस्तू
(D)	रूपवाद	(iv)	अपोलेनेयर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

यथार्थवाद	-	अपोलेनेयर
प्रतिरूपण	-	अरस्तू
लिबिडो	-	सिग्मण्ड फ्रायड
रूपवाद	-	क्लाइव बेल

47. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A)	कॉपीराइटिंग	(i)	प्रिंटर
(B)	लेजर प्रिंट	(ii)	इमेज एडिटिंग
(C)	ऑपरेटिंग सिस्टम	(ii)	विज्ञापन
(D)	फोटोशॉप	(iv)	कंप्यूटर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (c)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा -

कॉपीराइटिंग	-	विज्ञापन
लेजर प्रिंट	-	प्रिंटर
ऑपरेटिंग सिस्टम	-	कम्प्यूटर
फोटोशॉप	-	इमेज एडिटिंग

48. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A)	गेट ऑफ पैराडाइज	(i)	पिकासो
(B)	पिएटा	(ii)	रोदां
(C)	थिंकर	(ii)	माइकलएंजेलो
(D)	बबून एण्ड यंग	(iv)	लोरेंजो गिबर्ती

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

गेट ऑफ पैराडाइज	-	लोरेंजो गिबर्ती
पिएटा	-	माइकल ऐंजेलो
थिंकर	-	रोदां
बबून एण्ड यंग	-	पिकासो

49. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A)	ब्लैक पैगोड़ा	(i)	मुगल उद्यान
(B)	सारनाथ सिंह-शीर्ष	(ii)	चोल कांस्य मूर्ति
(C)	नटराज	(ii)	राष्ट्रीय प्रतीक
(D)	चारबाग	(iv)	कोणार्क सूर्य मंदिर

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

ब्लैक पैगोडा	-	कोणार्क सूर्य मंदिर
सारनाथ सिंह शीर्ष	-	राष्ट्रीय प्रतीक
नटराज	-	चोल कांस्य मूर्ति
चारबाग	-	मुगल उद्यान

50. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए :

(A)	देवराज डकोजी	(i)	कला समीक्षक
(B)	महेंद्र पण्ड्या	(ii)	मूर्तिकार
(C)	रामेश्वर ब्रूटा	(ii)	प्रिंट मेकर
(D)	केशव मलिक	(iv)	चित्रकार

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)

उत्तर (d)

व्याख्या-सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

देवराज उकोजी	-	प्रिंट मेकर
महेन्द्र पण्ड्या	-	मूर्तिकार
रामेश्वर ब्रूटा	-	चित्रकार
केशव मलिक	-	कला समीक्षक

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2011

दृश्य कला

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. किसने कहा है कि 'कला अंतः प्रज्ञा की अभिव्यक्ति है'?

(a) शॉपेन हावर (b) बामगार्टन
(c) क्रोचे (d) आई.ए. रिचर्ड्स

उत्तर (c)

व्याख्या- क्रोचे के अनुसार ''कला ईश्वरीय कृति के प्रति अंतः प्रज्ञा की अभिव्यक्ति है।'' इन्होंने आत्मवादी दर्शन के आधार पर सौन्दर्य शास्त्र की व्याख्या की है जिसका नाम अभिव्यंजनाबाद के नाम से प्रसिद्ध है। 1902 में इन्होंने सौन्दर्यशास्त्र ग्रन्थ प्रकाशित किया।

2. कौन से पश्चिमी दार्शनिक ने कहा है कि, 'कला' अनुकरण है और सत्य से दोहरी दूर रहती है।

(a) सुकरात (b) प्लेटो
(c) अरस्तु (d) ऑगस्टाइन

उत्तर (b)

व्याख्या- प्लेटो (428-427 ईसा पूर्व - 343- 347 ईसा पूर्व) या अफ्लातून, यूनान का प्रसिद्ध दार्शनिक था। वह सुकरात का शिष्य तथा अरस्तू का गुरू था। इन तीन दार्शनिकों की त्रयी ने ही पश्चिमी संस्कृति का दार्शनिक आधार तैयार किया। यूरोप में ध्वनियों के वर्गीकरण का श्रेय प्लेटो को ही प्राप्त है। प्लेटो के अनुसार ''कला'' अनुकरण है और सत्य से दोहरी दूर रहती है।

3. लियोनार्डो दा विंसी के शिक्षक कौन थे?

(a) लॉरेन्जो घिबर्टी (b) दोनातेल्लो
(c) आँद्रिया देल वैरोशियो (d) जार्ज वेसारी

उत्तर (c)

व्याख्या- लियोनार्डो दा विंसी (15 अप्रैल, 1452-2 मई, 1519) के शिक्षक आँद्रिया देल वैरोशियो थे। मोनालिसा (1303), द लास्ट सपर (1498), द वर्जिन ऑफ रॉक्स (1485), एननसिएशन (1472), सेंट जॉन द बैप्टिस्ट (1513) इत्यादि लियोनार्डो दा विंसी की महानतम् कृतियाँ हैं।

4. किस आधुनिक यूरोपियन मूर्तिकार ने घिबर्टी के ''गेट्स ऑफ पैराडाइस'' के जवाब में ''गेट्स ऑफ हैल'' का सृजन किया है?

(a) रोदाँ (b) हेनरी मूर
(c) अलेक्जेंडर काल्डर (d) ज्याँ आर्प

उत्तर (a)

व्याख्या- अगस्त रोदाँ (12 नवंबर, 1840-17 नवंबर, 1917) फ्रांसीसी मूर्तिकार थे। रोदाँ ने घिबर्टी के ''गेट्स ऑफ पैराडाइस'' के जवाब में ''गेट्स ऑफ हेल'' (1917 में बनकर तैयार हुई।) का सृजन किया। द एज ऑफ ब्रान्ज (1877), द वाकिंग मैन (1877-78), द किस (1889) और द थिंकर (1902) इत्यादि रोदाँ की सर्वश्रेष्ठ कृतियाँ हैं।

5. 'कांथा' टेक्सटाइल का लोक रूप है। यह कहाँ से है?

(a) ओडिसा (b) बिहार
(c) बंगाल (d) आंध्र प्रदेश

उत्तर (c)

व्याख्या- 'कांथा' टेक्सटाइल का लोक रूप है। यह पश्चिम बंगाल में प्रचलित है। कांथा का आशय 'गला' है। कांथा का इस्तेमाल गले के करीब स्थित हार की शैली का वर्णन करने के लिए किया जाता है।

6. 'फ्यूचरिज्म' का उद्भव किस देश में हुआ है?

(a) फ्रान्स (b) इटली
(c) जर्मनी (d) हॉलैंड

उत्तर (b)

व्याख्या- 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में इटली की आधुनिक कला का आरंभ भविष्यवाद (फ्यूचरिज्म) से हुआ, उसके प्रणेता थे फिलिप्पो तोम्मासो मारिनेत्ति। उनका जन्म 1876 में मिस्र में हुआ था। 1909 में मारिनेत्ति ने साहित्यिक भविष्यवाद का प्रथम घोषणापत्र तैयार किया जिसमें प्रगतिहीन परंपरागत विचारों से मुक्त होकर भविष्य की दिशा में विकासशील होने की आवश्यकता पर बल दिया गया था।

7. भारत का प्रतिष्ठित नव-तान्त्रिक चित्रकार कौन है?

(a) जतिन दास (b) निरोद मजूमदार
(c) गणेश पाइन (d) जी.आर. सन्तोष

उत्तर (d)

व्याख्या- गुलाम रसूल संतोष (1929-10 मार्च, 1997) भारत के प्रतिष्ठित नव-तान्त्रिक चित्रकार थे। मैं संतोष हूँ, आपको क्या दिखता हूँ, अन्टाइटिल्ड, इंदिरा गाँधी का व्यक्ति चित्र और रूप अग्नि इत्यादि इनकी सर्वश्रेष्ठ कृतियाँ हैं।

8. प्रयाग झा चिल्लर किसके लिये जाने जाते हैं?

(a) मूर्तिकला (b) चित्रकारी
(c) इंस्टॉलेशन (d) छापा चित्रण

उत्तर (d)

व्याख्या- प्रयाग झा चिल्लर समकालीन भारतीय चित्रकार हैं जो छापा चित्रण के लिए जाने जाते हैं। इनमें चित्रकारी का प्रदर्शन 1971-2012 तक जहांगीर आर्ट गैलरी, ताज आर्ट गैलरी, बजाज आर्ट गैलरी और आर्ट हेरिटेज नई दिल्ली में 7वीं त्रिवेणी इंडिया में अन्तर्राष्ट्रीय स्वर्ण पदक प्राप्त किया।

9. उस समकालिक भारतीय चित्रकार का नाम बताइये जिसने 'ययाति श्रृंखला' का सृजन किया है?

(a) मंजीत बावा (b) गणेश हलोई
(c) ए. रामचन्द्रन (d) लक्ष्मा गौड

उत्तर (c)

व्याख्या- वर्ष 1935 में केरल में जन्मे अच्युतन रामचंद्रन नायर ने 'ययाति' चित्र श्रृंखला का सृजन किया है। काली पूजा, यादवों का अंत, नागदा का कमल सरोवर, उर्वशी इत्यादि ए. रामचन्द्रन की प्रमुख कृतियाँ हैं। उनकी कला साधना हेतु भारत सरकार ने उन्हें वर्ष 2005 में पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

10. मोढ़ेरा सूर्य मन्दिर दीवारों का निर्माण किस युग के दौरान हुआ था?

(a) सोलंकी (b) चालुक्य
(c) राष्ट्रकूट (d) चोल

उत्तर (a)

व्याख्या- गुजरात के पाटन नामक स्थान से 30 किलोमीटर दक्षिण में एक गाँव 'मोढ़ेरा' में विख्यात सूर्य मंदिर स्थित है। यह सूर्य मंदिर स्थापत्य कला एवं शिल्प का बेजोड़ नमूना प्रस्तुत करता है। 1026 ईस्वी में सोलंकी वंश के राजा भीमदेव प्रथम द्वारा इस सूर्य मंदिर का निर्माण कराया गया था। वर्तमान समय में इस मंदिर में पूजा करना निषेध है क्योंकि अलाउद्दीन खिलजी ने इस मंदिर को तोड़कर खंडित कर दिया था।

11. ''ट्रिंफ ऑफ लेबर'' की मूर्ति किसने बनाई थी?

(a) डी.पी. राय चौधरी (b) पी.वी. जानकीराम
(c) एम. धर्मानी (d) महेन्द्र पंड्या

उत्तर (a)

व्याख्या- देवी प्रसाद राय चौधरी (19 जून, 1899-15 अक्टूबर, 1975) चित्रकार और मूर्तिकार थे। सुप्रसिद्ध कांस्य प्रतिमा 'श्रम की विजय' का निर्माण इन्होंने ही किया था। यह प्रतिमा वर्तमान में चेन्नई के 'मरीना बीच' पर स्थापित है। भारत सरकार की ओर से वर्ष 1958 में पद्म भूषण पुरस्कार से इन्हें सम्मानित किया गया था।

12. महाबलीपुरम में 'गंगावतरण' का उत्कीर्णन किस में किया गया है?

(a) संगमरमर (b) बलुआ पत्थर
(c) ग्रेनाइट (d) चूना पत्थर

उत्तर (c)

व्याख्या- तमिलनाडु में स्थित महाबलीपुरम् को 'मामल्लपुरम्' नाम से भी जाना जाता है। इसका प्राचीन नाम 'बाणपुर' था। महाबलीपुरम् की स्थापना 7वीं सदी में हिन्दू पल्लव राजा नरसिंह देववर्मन, (जिन्हें मामल्ल भी कहा जाता है) ने की थी, इसीलिए इसे मामल्लपुरम् भी कहा जाता है। यहाँ पर 7वीं, 8वीं शताब्दी में निर्मित पल्लव मंदिरों और स्मारकों के मिलने वाले अवशेषों में ग्रेनाइट चट्टानों से निर्मित अर्जुन की तपस्या, गंगावतरण जैसी मूर्तियों से युक्त गुफा मंदिर और समुद्र तट पर बना शैव मंदिर प्रमुख है।

13. नागजी पटेल सुप्रसिद्ध

(a) मूर्तिकार हैं
(b) चित्रकार हैं
(c) वास्तुकार हैं
(d) छापाकार (प्रिंन्ट मेकर) हैं

उत्तर (a)

व्याख्या- बड़ौदा में जन्में नागजी पटेल देश के प्रसिद्ध मूर्तिकार हैं। नागजी पटेल को वर्ष 2002 में गोटलिब फाउंडेशन संयुक्त राज्य अमेरिका के द्वारा व्यक्तिगत रूप से सम्मानित किया गया तथा 2005 में म.प्र. सरकार द्वारा कालिदास सम्मान प्रदान किया गया।

14. कांस्य व अन्य धातुओं में गढ़ी भारतीय प्रतिमाविद्या सम्बन्धी रूपों पर आधारित 'रिपूजे'' मूर्ति किसने तैयार की थी?

(a) मीरा मुकर्जी (b) के.के. हेबर
(c) शिव सिंह (d) पी.वी. जानकीराम

उत्तर (d)

व्याख्या- कांस्य व अन्य धातुओं में गढ़ी भारतीय प्रतिमाविद्या सम्बन्धी रूपों पर आधारित 'रिपूजे' नामक मूर्ति पी.वी. जानकीराम (1930-1995) ने तैयार की है।

15. 'सिरे-परद्यू' किसको गढ़ने की प्रक्रिया (कास्टिंग प्रोसिस) है?

(a) सीमेन्ट (b) प्लास्टर ऑफ पेरिस
(c) धातु (d) रबर

उत्तर (c)

व्याख्या-'सिरे-परद्यू' धातु गढ़ने की प्रक्रिया (कास्टिंग प्रोसेज) है। इस प्रक्रिया से धातुओं द्वारा कलाकृतियों का रूप दिया जाता है।

16. 'आधुनिक विज्ञापन के जनक' के रूप में कौन जाने जाते हैं?

(a) डेविड ओगिल्वी (b) जैक ट्राउट
(c) सूजेन जिलेट (d) अलैक पद्मसी

उत्तर (a)

व्याख्या- 'आधुनिक विज्ञापन के जनक' के रूप में डेविड ओगिल्वी जाने जाते हैं। इनका जन्म 23 जून 1911 में यूनाइटेड किंगडम में हुआ था। इनकी प्रमुख पुस्तक है-Ogilvy on Advertising Confessions of an Advertising man.

17. कौन सी फिल्म 8 एवार्ड पाकर 4थी अधिकतम ऑस्कर जीतने वाली बनी?

(a) अवतार (b) टाइटेनिक
(c) स्लमडॉग मिलियनर (d) एपोकॉल्पसी नाउ

उत्तर (c)

व्याख्या- वर्ष 2008 में निर्मित फिल्म स्लमडॉग मिलियनर 8 अवॉर्ड प्राप्त कर चौथी अधिकतम् ऑस्कर जीतने वाली फिल्म है।

18. डिजिटल प्रिंटिंग का उपयोग निम्नांकित के लिये किया जा सकता है :

(a) अल्पकालिक प्रिंटिंग कार्य
(b) व्यापक रूप प्रचलित समाचार पत्र
(c) प्रिंटिंग में लागत प्रभावशीलता
(d) पेपर को छोड़ कर अन्य सतहों पर प्रिंटिंग

उत्तर (c)

व्याख्या- डिजिटल प्रिंटिंग का उपयोग प्रिंटिंग में लागत प्रभावशीलता के लिए किया जा सकता है। डिजिटल प्रिंटिंग एक निजी कम्प्यूटर या अन्य डिजिटल स्टोरेज डिवाइस पर एक दस्तावेज को मुद्रण सब्सट्रेट में एक उपकरण के माध्यम से स्थानांतरित करने की प्रक्रिया का वर्णन करता है जो टेक्स्ट एवं ग्राफिक आउटपुट को स्वीकार करता है।

19. किस कम्प्यूटर हार्डवेयर के पास उसके मुख्य अवयव के रूप में ''चार्ज्ड कपल्ड डिवाइस'' है?

(a) प्रिंटर (b) यू एस वी पोर्ट
(c) मदर बोर्ड (d) स्कैनर

उत्तर (d)

व्याख्या- स्कैनर नामक कम्प्यूटर हार्डवेयर के पास उसके मुख्य अवयव के रूप में ''चार्ज्ड कपल्ड डिवाइस'' होता है।

20. इश्तहार (पोस्टर) कला हेतु प्रथम संग्रहालय किस देश के पास है?

(a) क्यूबा (b) जर्मनी
(c) पोलैण्ड (d) स्विट्जरलैंड

उत्तर (c)

व्याख्या- इश्तहार (पोस्टर) कला हेतु विश्व का प्रथम संग्रहालय पोलैण्ड में है। यह दुनिया में अपनी तरह का प्रथम संग्रहालय है। पोस्टर कला का यह सबसे अच्छा सेट माना जाता है।

• इश्तहार (पोस्टर) संग्रहालय की स्थापना 1968 ई. वारसा पोलैंड में की गई है।

21. निम्नलिखित में से कौन सा चित्र एडवर्ड मुंच ने बनाया था?

(a) दी स्टूडियो (b) दी स्टोनब्रेकर
(c) दी स्क्रीम (d) दी ब्लू सरकस

उत्तर (c)

व्याख्या- एडवर्ड मुंच (12 दिसंबर, 1865-23 जनवरी, 1944) नार्वे निवासी प्रख्यात चित्रकार थे। द स्क्रीम (1893), मैडोना (1895), द डांस ऑफ लाइफ (1900), एनेक्जाइटी (1894), वेम्पायर (1895), द किस (1897), जेलानी (1895), क्रिसमस इन ब्रॉथल (1905) और द गर्ल्स ऑन द ब्रिज इत्यादि उनके द्वारा निर्मित प्रसिद्ध चित्र हैं।

22. हम्जा नामा के मूल चित्र किस पर चित्रित किये गये थे?

(a) कागज (b) ताड़ का पत्ता
(c) कपड़ा (d) काष्ठ की पटिया

उत्तर (c)

व्याख्या- अकबर काल में तैयार हुई हम्जानामा नामक ग्रन्थ मुगल काल का चित्रावली उद्गम ग्रंथ है। इसकी लंबाई-चौड़ाई 67.5 ×50 सेमी. है और यह सूती कपड़े पर चित्रित की गई है। इस ग्रंथ में 12 खंडों में विभाजित कुल 360 कहानियाँ हैं।

23. फ्रान्स हॉल्स, डच चित्रकार अपने किस चित्र के लिये प्रसिद्ध है?

(a) दृश्य चित्र (b) स्थिर वस्तु चित्र
(c) व्यक्ति चित्र (d) म्यूरल

उत्तर (c)

व्याख्या- फ्रान्स हॉल्स द इल्डर (1582- 26 अगस्त, 1666) एक डच पोट्रेट चित्रकार था। ये व्यक्ति चित्रों के लिए प्रसिद्ध है।

24. चित्रकारी में तैल रंग का उपयोग पहली बार कहाँ किया गया था?

(a) फ्रॉस (b) जर्मनी
(c) हॉलैण्ड (d) ग्रीस

उत्तर (c)

व्याख्या- चित्रकारी में तैल रंग का उपयोग पहली बार जॉन वॉन आइक (1390- 9 जुलाई 1441) नामक चित्रकार द्वारा हॉलैण्ड में किया गया था।

25. गुप्तकालीन 'देवगढ़ का मंदिर' किसे समर्पित है?

(a) शिव (b) विष्णु
(c) दुर्गा (d) बुद्ध

उत्तर (b)

व्याख्या- उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में देवगढ़ में स्थित गुप्तकालीन दशावतार मंदिर 'भगवान विष्णु' को समर्पित है। इस मंदिर में गुप्त स्थापत्य कला अपने पूर्ण विकसित रूप में दृष्टिगोचर होती है। यह मंदिर सुन्दर मूर्तियों से जटित है।

26. अभिकथन (A) : अजंता भित्ति चित्र के चित्रकारों ने बुद्ध के जीवन की विभिन्न घटनाओं के चित्रण में अत्यधिक प्रकृतिवाद लाने के लिए वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में कार्य किया।
कारण (R) : क्योंकि कलाकारों ने शिल्प शास्त्र में निर्धारित धर्मसूत्रों का अनुपालन किया।

(a) A और R दोनों सही हैं
(b) A सही है और R गलत है
(c) A और R दोनों गलत हैं
(d) A गलत है और R सही है

उत्तर (a)

व्याख्या- अजंता भित्ति चित्र के चित्रकारों ने बुद्ध के जीवन की विभिन्न घटनाओं के चित्रण में अत्यधिक प्रकृतिवाद लाने के लिए वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में कार्य किया क्योंकि कलाकारों ने शिल्पशास्त्र में निर्धारित धर्मसूत्रों का अनुपालन किया। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

27. **अभिकथन (A) :** 'पाइन्ट ऑफ परचेज' (पी.ओ.पी.) प्रभावी मीडिया है जिसे 'मौन विक्रेता प्रतिनिधि' (सायलैंट सेल्समैन) कहा जाता है।

कारण (R) : क्योंकि यह सुपरस्टोर में विभिन्न रूपों में उत्पाद के खरीद बिन्दु पर क्रेताओं पर विश्वासोत्पादक प्रभाव डालता है फ्री स्टैंडिंग, टैंगिंग, टेबलटॉप उत्पाद आदि।

(a) A और R दोनों सही हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A सही है और R आंशिक रूप से सही है
(d) A और R गलत है

उत्तर (a)

व्याख्या- 'पॉइन्ट ऑफ परचेज' (पी.ओ.पी.) प्रभावी मीडिया है जिसे ''मौन विक्रेता प्रतिनिधि' (साइलेंट सेल्समैन) कहा जाता है क्योंकि यह सुपरस्टोर में विभिन्न रूपों में उत्पाद के खरीद बिन्दु पर क्रेताओं पर विश्वासोत्पादक प्रभाव डालता है फ्री स्टैंडिंग, टैंगिंग, टेबलटॉप उत्पाद आदि। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

28. **अभिकथन (A) :** विश्वभर में, कार से कम्प्यूटर तक और इसके मध्य की तमाम वस्तुओं की बिक्री पर ख्याति प्राप्त व्यक्ति उपभोक्ताओं को प्रभावित करते हैं।

कारण (R) : क्योंकि वे लोग उनकी लोकप्रियता का लाभ नहीं उठाते हैं, उन्हें देवता से एक कदम नीचे ही समझा जाता है।

(a) A और R दोनों सही हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A सही है और R आंशिक रूप से सही है
(d) A और R दोनों गलत है

उत्तर (c)

व्याख्या- विश्वभर में, कार से कम्प्यूटर तक और इसके मध्य की तमाम वस्तुओं की बिक्री पर ख्याति प्राप्त व्यक्ति उपभोक्ताओं को प्रभावित करते हैं क्योंकि वे लोग उनकी लोकप्रियता का लाभ नहीं उठाते हैं, उन्हें देवता से एक कदम नीचे ही समझा जाता है। अभिकथन (A) सही है और कारण (R) आंशिक सही है।

29. **अभिकथन (A) :** रामकिंकर बैज का कार्य समकालीन भारतीय मूर्तिकला के इतिहास में नया मोड़ लाया।

कारण (R) : क्योंकि उनका कार्य मौलिक एवं नवीन था और अतीत से नहीं बँधा था

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं
(d) A सही है और R गलत है

उत्तर (c)

व्याख्या- रामकिंकर बैज का कार्य समकालीन भारतीय मूर्तिकला के इतिहास में नया मोड़ लाया क्योंकि उनका कार्य मौलिक एवं नवीन था और अतीत में बँधा नहीं था। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

30. **अभिकथन (A) :** कला के विकास में विज्ञान नियन्त्रणकारी कारक बन गया है।

कारण (R) : क्योंकि उसने अद्भुत खोजों और उत्तेजक अन्वेषणों को सम्भव बना दिया है

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A सही है और R गलत हैं
(d) A और R दोनों सही है

उत्तर (d)

व्याख्या- कला के विकास में विज्ञान नियंत्रणकारी कारक बन गया है, क्योंकि उसने अद्भुत खोजों और उत्तेजक अन्वेषणों को सम्भव बना दिया है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

31. **अभिकथन (A) :** वैश्वीकरण के कारण भारतीय कला को लोकप्रियता मिली है और इससे भारतीय कला वैश्विक बाजार में बुलन्दी पर है।

कारण (R) : क्योंकि भारतीय कलाकार बाजार माँग से अवगत है और वे, अंतर्राष्ट्रीय क्रेताओं की पसन्द के अनुसार कलाकृतियों का सृजन कर रहे हैं।

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A सही है और R गलत हैं
(d) A और R दोनों सही है

उत्तर (d)

व्याख्या- वैश्वीकरण के कारण भारत को लोकप्रियता मिली है और इससे भारतीय कला वैश्विक बाजार में बुलन्दी पर है, क्योंकि भारतीय कलाकार बाजार माँग से अवगत है और वे, अंतर्राष्ट्रीय क्रेताओं की पसन्द के अनुसार कलाकृतियों का सृजन कर रहे हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

32. **अभिकथन (A) :** टाइपफेस और फोन्ट लाखों हैं लेकिन इन सभी को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में रखा जा सकता है अर्थात् सेरिफ टाइपफेस और गैर-सेरिफ टाइपफेसेस।

कारण (R) : क्योंकि टाइपोग्राफरों और डिजाइनों को इनके अंतर की आवश्यकता कभी नहीं होती है हालांकि विचारों और दृश्य संवेदनशीलता के यादृच्छिक समामेलन की आवश्यकता होती है लेकिन सभी उपर्युक्त दो पर आधारित होते हैं।

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं
(d) A सही है और R गलत है

उत्तर (d)

व्याख्या- टाईपफेस और फोन्ट लाखों हैं लेकिन इन सभी को मोटे तौर पर दो श्रेणियों में रखा जा सकता है अर्थात् सेरिक टाईपफेस और गैर सेरिक टाईपफेस, क्योंकि टाइपोग्राफरों और डिजाइनों को इनके अंतर की आवश्यकता कभी नहीं होती है हालाँकि विचारों और दृश्य संवेदनशीलता के यादृच्छिक सम्मेलन की आवश्यकता होती है लेकिन सभी उपर्युक्त दो पर आधारित होते हैं।
अभिकथन (A) सही है और कारण (R) गलत है।

33. **अभिकथन (A) :** यथार्थवाद के यूरोपियन चित्र दर्शाते हैं कि इस चरण के सभी चित्रकार समाजवादी विचारधारा से अत्यधिक प्रभावित थे।

कारण (R) : क्योंकि कलाकारों ने उभरते आधुनिक युग के समाज में व्याप्त असमानता और आन्तरिक संघर्ष को अनुभव किया।

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं
(d) A सही है और R गलत है

उत्तर (c)

व्याख्या- साधारण रूप से कहा जा सकता है कि 19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में फ्रेंच नागरिक रोमांसवादी दृष्टिकोण अपनाए हुआ था जबकि उस सदी के उत्तरार्द्ध में तेजी से बदली हुई परिस्थितिवश उसका दृष्टिकोण यथार्थवादी बन गया और वह अपने हर एक विचार व व्यवहार का मूल्यांकन उसी दृष्टि से करने लगा। यथार्थवाद के यूरोपियन चित्र दर्शाते हैं कि इस चरण के सभी चित्रकार समाजवादी विचारधारा से अत्यधिक प्रभावित थे, क्योंकि कलाकारों ने उभरते आधुनिक युग के समाज में व्याप्त असमानता और आंतरिक संघर्ष का अनुभव किया। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

34. **अभिकथन (A) :** सिगमण्ड फ्रॉयड का मत था कि काम (कामलिप्सा या मनशक्ति) ही कलात्मक सृजनात्मकता का मूल कारण है।

कारण (R) : क्योंकि वे मनोविश्लेषक थे और उन्होंने यह खोज की कि समस्त मानवीय व्यवहार के पीछे प्रेरणात्मक शक्ति काम करती है।

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A सही है और R आंशिक सत्य है
(d) A सही है और R गलत है

उत्तर (c)

व्याख्या- सिगमण्ड फ्रायड का मत था कि काम (कामलिप्सा या मनशक्ति) ही कलात्मक सृजनात्मकता का मूल कारण है, क्योंकि वे मनोविश्लेषक थे और उन्होंने यह खोज की कि समस्त मानवीय व्यवहार के पीछे प्रेरणात्मक शक्ति काम करती है। अभिकथन (A) सही है और कारण (R) आंशिक सही है।

35. **अभिकथन (A) :** मुगल मकबरों में, चारबाग अवधारणा को अपनाया गया था।

कारण (R) : क्योंकि इस्लामिक परम्परा के अनुसार चारबाग की योजना स्वर्ग की धारणा के आधार पर बनाई गई थी और मुगल लोग बागों से प्रेम करते थे

(a) A और R दोनों गलत हैं
(b) A गलत है और R सही है
(c) A और R दोनों सही हैं
(d) A सही है और R गलत है

उत्तर (c)

व्याख्या- मुगल मकबरों में चारबाग अवधारणा को अपनाया गया था, क्योंकि इस्लामिक परंपरा के अनुसार चारबाग की योजना स्वर्ग की धारणा के आधार पर बनाई गई थी और मुगल लोग बागों से प्रेम करते थे। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

36. **बुद्ध के जीवन की मुख्य घटनाओं से जुड़े स्थानों के सही अनुक्रम का चयन कीजिये।**

(a) कुशीनगर, लुम्बिनी, सारनाथ, बोधगया
(b) बोधगया, सारनाथ, लुम्बिनी, कुशीनगर
(c) कुशीनगर, बोधगया, सारनाथ, लुम्बिनी
(d) लुम्बिनी, बोधगया, सारनाथ, कुशीनगर

उत्तर (d)

व्याख्या- बुद्ध के जीवन की मुख्य घटनाओं से जुड़े स्थानों का सही अनुक्रम इस प्रकार होगा- लुम्बिनी (जन्म) बोधगया (ज्ञान प्राप्ति) सारनाथ (प्रथम उपदेश) कुशीनगर (मृत्यु)।

37. **स्मारकों का दिशानुसार (उत्तर से दक्षिण) सही अनुक्रम बताइये।**

(a) सारनाथ, महाबलीपुरम, संघोल, मार्तंड सूर्य मंदिर
(b) मार्तंड सूर्य मंदिर, संघोल, सारनाथ, महाबलीपुरम
(c) संघोल, मार्तंड सूर्य मंदिर, सारनाथ, महाबलीपुरम
(d) महाबलीपुरम, सारनाथ, संघोल, मार्तंड सूर्य मंदिर

उत्तर (b)

व्याख्या- दिए गए स्मारकों का दिशानुसार (उत्तर से दक्षिण) सही अनुक्रम इस प्रकार होगा- मार्तंड सूर्य मंदिर (कश्मीर), संघोल (पंजाब), सारनाथ (उत्तर प्रदेश), महाबलिपुरम् (तमिलनाडु)।

38. **भारतीय मूर्तिकला को शैली का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम बताइये**

(a) पाल, चन्देला, कुषाण, गुप्त
(b) चन्देला, कुषाण, गुप्त, पाल
(c) कुषाण, गुप्त, पाल, चन्देला
(d) गुप्त, पाल, कुषाण, चन्देला

उत्तर (c)

व्याख्या- भारतीय मूर्तिकला की शैलियों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम इस प्रकार होगा-कुषाण (पहली शताब्दी ई. पूर्व), गुप्त (चौथी शताब्दी ई.), पाल (आठवीं शताब्दी ई.), चन्देला (नौंवी शताब्दी ई.)।

39. **सही कालानुक्रमिक अनुक्रम बताइये।**

(a) माइकल एंजेलो, लियोनार्डो दा विंसी, घिबर्टी, विरोचियो
(b) लियोनार्डो दा विंसी, माइकल एंजेलो, विरोचियो, घिबर्टी
(c) घिबर्टी, लियोनार्डो दा विंसी, विरोचियो, माइकल एंजेलो
(d) घिबर्टी, विरोचियो, लियोनार्डो दा विंसी, माइकल एंजेलो

उत्तर (d)

व्याख्या- दिए गए कलाकारों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम इस प्रकार होगा-

घिबर्टी	-	1378-1455 ईस्वी
विरोचियो	-	1435-1488 ईस्वी
लियोनार्डो दा विंसी	-	1452-1519 ईस्वी
माइकल एंजेलो	-	1475-1564 ईस्वी

40. सही कालानुक्रमिक अनुक्रम बताइये :

(a) सोल्जर्स लीडिंग ए होर्स, सारनाथ लॉयन कैपीटल, यक्षिनी विद ए पैरॉट, दिदारगंज यक्षिणी

(b) सारनाथ लॉयन कैपीटल, सोल्जर्स लीडिंग ए होर्स, यक्षिणी विद ए पैरॉट, दिदारगंज यक्षिणी

(c) सारनाथ लॉयन कैपीटल, दिदारगंज यक्षिणी, यक्षिणी विद ए पैरॉट, सोल्जर्स लीडिंग ए होर्स

(d) दिदारगंज यक्षिनी, सारनाथ लॉयन कैपीटल, यक्षिनी विद ए पैरॉट, सोल्जर्स लीडिंग ए होर्स

उत्तर (c)

व्याख्या- सही कालानुक्रमिक अनुक्रम इस प्रकार होगा- सारनाथ लॉयन कैपिटल, दीदारगंज यक्षिणी, यक्षिणी विद ए पैरॉट, सोल्जर्स लीडिंग ए होर्स।

41. शैलियों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम बताइये :

(a) कांगड़ा शैली, पाल शैली, जैन शैली, अजंता शैली

(b) पाल शैली, जैन शैली, अजंता शैली, कांगड़ा शैली

(c) अजंता शैली, पाल शैली,जैन शैली, कांगड़ा शैली

(d) पाल शैली, जैन शैली, कांगड़ा शैली, अजंता शैली

उत्तर (c)

व्याख्या- निम्नलिखित शैलियों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम इस प्रकार होगा- अजंता शैली, पाल शैली, जैन शैली, काँगड़ा शैली।

42. मीडिया के उद्विकास का सही कालानुक्रम बताइये।

(a) बिल बोर्ड व पोस्टर (बाहर), समाचार पत्र व पत्रिका, सीधे डाक प्रेषण, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया

(b) बिल बोर्ड व पोस्टर (बाहर), समाचार पत्र व पत्रिका, सीधे डाक प्रेषण, इलेक्ट्रानिक मीडिया

(c) सीधे डाक प्रेषण, समाचार पत्र व पत्रिका, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, बिल बोर्ड व पोस्टर (बाहर)

(d) समाचार पत्र व पत्रिका, इलेक्ट्रानिक मीडिया, सीधे डाक प्रेषण, बिल बोर्ड व पोस्टर (बाहर)

उत्तर (*)

व्याख्या- मीडिया के उद्विकास का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम इस प्रकार होगा- बिलबोर्ड व पोस्टर (बाहर), समाचार पत्र व पत्रिका, सीधे डाक प्रेषण, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया। अतः विकल्प के अनुसार (a) एवं (b) दोनों सही हैं।

43. विज्ञापन एजेंसी की क्रियाकारी इकाइयों का सही अनुक्रम बताइये

(a) लेखा प्रबन्ध, सृजनात्मक, मीडिया, मुद्रण व उत्पादन (यातायात)

(b) लेखा प्रबन्ध, मीडिया, सृजनात्मक, मुद्रण व उत्पादन (यातायात)

(c) मीडिया, लेखा प्रबन्ध, सृजनात्मक, मुद्रण व उत्पादन (यातायात)

(d) लेखा प्रबन्ध, सृजनात्मक, मीडिया, मुद्रण व उत्पादन (यातायात)

उत्तर (c)

व्याख्या- विज्ञापन एजेंसी की क्रियाकारी इकाईयों का सही अनुक्रम इस प्रकार होगा- मीडिया, लेखा प्रबंध, सृजनात्मक, मुद्रण व उत्पादन (यातायात)।

44. भारतीय ग्रंथों का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम बताइये।

(a) कामसूत्र, विष्णुधर्मोत्तर पुराण, कादम्बरी, जयमंगला

(b) विष्णुधर्मोत्तर पुराण, कामसूत्र, जयमंगला, कादम्बरी

(c) कादम्बरी, जयमंगला, कामसूत्र, विष्णुधर्मोत्तर पुराण

(d) जयमंगला, कामसूत्र, विष्णुधर्मोत्तर पुराण, कादम्बरी

उत्तर (a)

व्याख्या- कामसूत्र (300 ई. पू.)
- विष्णुधर्मोत्तर पुराण (6वीं सदी)
- कादम्बरी (7वीं)
- जय मंगला (11वीं)
- सही कालानुक्रमिक अनुक्रम होगा

कामसूत्र, विष्णुधर्मोत्तर पुराण, कादम्बरी, जयमंगला

45. गुप्त काल की मंदिर वास्तुकला का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम बताइये।

(a) भूमरा, देवगढ़, सांची, बोधगया

(b) देवगढ़, बोधगया, सांची, भूमरा

(c) सांची, भूमरा, देवगढ़, बोधगया

(d) बोधगया, भूमरा, देवगढ़, सांची

उत्तर (b)

व्याख्या- गुप्तकाल की मंदिर वास्तुकला का सही कालानुक्रमिक अनुक्रम इस प्रकार होगा-(i) देवगढ़, (ii) बोधगया, (iii) साँची और (iv) भूमरा।

46. निम्नलिखित कलाकारों को उनके सृजनात्मक व्यवहार प्रासंगिक माध्यमों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A)	सतीश गुजराल	(i)	स्टेनलेस स्टील
(B)	विवान सुन्दरम्	(ii)	पत्थर
(C)	बालन नांबियार	(iii)	जली हुई लकड़ी
(D)	नागजी पटेल	(iv)	मिश्रित माध्यम

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा -

सतीश गुजराल	-	जली हुई लकड़ी
विवान सुंदरम्	-	मिश्रित माध्यम
बालन नांबियार	-	स्टेनलेस स्टील
नागजी पटेल	-	पत्थर

47. निम्नांकित ग्रन्थों को लेखकों के साथ सुमेलित कीजिये:

(A)	नग्नजीत	(i)	कामसूत्र
(B)	जयदेव	(ii)	बृहद् संहिता
(C)	वात्स्यायन	(iii)	गीत गोविंद
(D)	वाराहमिहिर	(iv)	चित्र सूत्र

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

नग्नजीत	-	चित्रसूत्र
जयदेव	-	गीत गोविन्द
वात्स्यायन	-	कामसूत्र
वाराहमिहिर	-	बृहत्संहिता

48. निम्नांकित विज्ञापन एजेंसियों को उनके विज्ञापन अभियानों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A)	जे डब्ल्यू टी	(i)	हच (वोडाफोन)
(B)	ओगिल्वी व मैथर	(ii)	नोकिया व यूनिलीवर
(C)	मैककेन एरिक्सन	(iii)	वर्लपूल
(D)	एफ सी बी उल्का	(iv)	मास्टरकार्ड

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा :-

जे. डब्ल्यू. टी.	-	नोकिया व यूनिलीवर
ओगिल्वी व मैथर	-	हच (वोडाफोन)
मैककेन एरिक्सन	-	मास्टरकार्ड
एफ. सी. बी. उल्का	-	वर्लपूल

49. निम्नांकित सामग्रियों को प्रिंट बनाने के माध्यमों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A)	लिथोग्राफी (शिला मुद्रण)	(i)	नाइट्रिक अम्ल
(B)	ऍचिंग (उत्कीर्णन)	(ii)	आर्क लैंप
(C)	सेरीग्राफी	(iii)	ब्युरिन
(D)	वुडकट	(iv)	चूना पत्थर

	A	B	C	D
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

लिथोग्राफी (शिला मुद्रण)	-	चूना पत्थर
एचिंग (उत्कीर्णन)	-	नाइट्रिक अम्ल
सेरीग्राफी	-	आर्क लैंप
वुडकट	-	ब्यूरिन

50. कलाकृतियों को उनके सम्बन्धित संग्रहालयों के साथ सुमेलित कीजिए :

(A)	मोनालिसा	(i)	पुरातात्विक संग्रहालय, सारनाथ
(B)	लॉयन कैपीटल (राष्ट्रीय चिन्ह)	(ii)	पटना संग्रहालय
(C)	दिदारगंज यक्षी	(iii)	लूव्र, पेरिस
(D)	स्टैचू ऑफ कनिष्क	(iv)	पुरातात्विक संग्रहालय, मथुरा

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(b)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या-सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

मोनालिसा	-	लूव्र, पेरिस
लॉयन कैपिटल	-	पुरातात्त्विक संग्रहालय, सारनाथ
दीदारगंज यक्षी	-	पटना संग्रहालय
स्टैचू ऑफ कनिष्क	-	पुरातात्विक संग्रहालय, मथुरा

यू. जी. सी. नेट (दिसम्बर) परीक्षा, 2011

दृश्य कला

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. भुवनेश्वर में निम्नांकित मन्दिरों में से कौन सा खाखरा देऊल है?

(a) लिंगराज (b) परशुरामेश्वर
(c) राजरानी (d) वेताल देऊल

उत्तर (d)

व्याख्या- भुवनेश्वर (ओडिशा) में स्थित वेताल देउल आठवीं शताब्दी में निर्मित शाक्त संप्रदाय का ढोलाकार आकृति वाला मंदिर है। मंदिर का अग्रभाग या बाहरी हिस्सा पट्टी जैसी आकृतियों से विभाजित है, जो ढोलाकार छत से धरातल तक जाता है। ये पट्टियाँ थोड़ा सा बाहर की ओर निकली हुई हैं और इनमें बने आलों में मूर्तियाँ रखी गई हैं। वास्तविक का अत्यंत अलंकृत और क्रमानुसार क्रम होते एक दूसरे के ऊपर रखे ढाँचों पर टिकी हुई है। ढोलाकार छत प्राचीन झोपड़ी की छप्पर वाली छत की अनुकृति है। छप्पर की यह छत अत्यंत प्राचीन काल से लेकर वर्तमान समय में भी बंगाल और पूर्वी क्षेत्रों में देखी जा सकती है।

2. निम्नांकित में से किस इंडो-इस्लामिक स्मारक के दो गुम्बद हैं?

(a) गियासुद्दीन तुगलक का स्मारक
(b) अलाई दरवाजा
(c) हुमायूँ का मकबरा
(d) सिकन्दरा

उत्तर (c)

व्याख्या- हुमायूँ का मकबरा इस्लामिक वास्तुकला का एक श्रेष्ठ उदाहरण है। यह नई दिल्ली के दीनापनाह अर्थात् पुराने किले के निकट निजामुद्दीन पूर्व क्षेत्र में मथुरा मार्ग के निकट स्थित है। इस मकबरे में वही चारबाग शैली है, जिसने भविष्य में ताजमहल को जन्म दिया। यह मकबरा हुमायूँ की विधवा बेगम हमीदा बानू के आदेशानुसार 1565-1572 में बनकर तैयार हुआ। इस मकबरे का वास्तुकार मिराक मिर्जा घियाज था। वर्ष 1993 में यूनेस्को द्वारा इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया।

3. सुल्तानगंज से पाई गई गुप्त काल की तांबे की बुद्ध प्रतिमा निम्नांकित में से किस मुद्रा को प्रदर्शित करती है?

(a) ध्यान मुद्रा (b) वितर्क मुद्रा
(c) अभय मुद्रा (d) धर्म चक्र प्रवर्तन मुद्रा

उत्तर (c)

व्याख्या- सुल्तानगंज की बुद्ध प्रतिमा एक प्राचीन विशाल ताम्र प्रतिमा है जो 1861 ई. में बिहार के भागलपुर जिले में सुल्तानगंज में ईस्ट इंडियन रेलवे के निर्माण के समय खुदाई में मिली थी। अभय मुद्रा में निर्मित यह प्रतिमा सम्प्रति ब्रिटिश संग्रहालय में संरक्षित है। पुरातत्वविदों ने इस प्रतिमा का निर्माण काल 500 से 700 ई. बताया है। इसका भार 500 किलोग्राम से अधिक है। यह 2.3 मीटर ऊँची तथा 1 मीटर चौड़ी है।

4. गुप्त काल का प्रसिद्ध ईंट मन्दिर कहाँ पर है?

(a) देवगढ़ (b) भितरगांव
(c) ऐरान (d) बोधगया

उत्तर (b)

व्याख्या- भितरगाँव, उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में स्थित है। यहाँ गुप्तकालीन एक मंदिर के अवशेष उपलब्ध हैं जो गुप्तकालीन वास्तुकला के सुंदर नमूनों में से एक है। ईटों से निर्मित यह मंदिर अपनी सुरक्षित तथा उत्तम साँचे में ढली ईटों के कारण विशेष रूप से प्रसिद्ध है। इसकी एक-एक ईंट सुंदर एवं आकर्षक आलेखनों से खंचित है। इसकी दो-दो फुट लंबी चौड़े खाने अनेक सजीव एवं सुंदर उभरी हुई मूर्तियों से भरी हैं। इसकी छत शिखरमयी है तथा बाहर की दीवारों के ताखों में मृण्मूर्तियाँ दिखलाई पड़ती हैं। इस मंदिर की हजारों उत्खचित ईंटें लखनऊ संग्रहालय में संरक्षित है।

5. प्रसिद्ध चित्रकार मनकू किस भारतीय चित्रकला शैली से सम्बन्धित है?

(a) राजस्थानी (b) मुगल
(c) कांगड़ा (d) बसोहली

उत्तर (c)

व्याख्या- खुशाला, मनकू, कुशनलाल, फत्तू, बसियाँ, परखू, पदनू और दोखू इत्यादि काँगड़ा शैली के प्रमुख चित्रकार हैं।

6. ''ब्लू सरकस'' किसने चित्रित की है?

(a) हेनरी मातिस (b) मैक्स अरनेस्ट
(c) मार्क शगाल (d) जॉन मीरो

उत्तर (b)

व्याख्या- मार्क शगाल (6 जुलाई, 1887-28 मार्च, 1985) रशियन-फ्रेंच चित्रकार थे। आई एण्ड द विलेज (1911), हाफ पास्ट थ्री (1911), पेरिस थ्रू विण्डो (1913), मैटरनिटी (1919), द गेट्स ऑफ सीमेट्री (1917), काऊ विद पैरासोल (1946), ग्रीन लवर्स' (1915), ओवर द टाउन (1918), अमेरिका विन्डोज (1977), ग्रीन वायलनिस्ट (1924), ब्लू लवर्स (1914), बर्थ डे (1915), द थ्री कैण्डल्स (1940), ब्लू सर्कस (1950), फोर सीजन्स (1972), द जगलर (1943), द प्रेइंग ज्यू (1922) इत्यादि इनके द्वारा निर्मित प्रमुख चित्र हैं।

7. किसने अपनी चित्रकारी को ''हैण्ड पेन्टेड ड्रीम इमेजिस'' कहा है?

(a) पिकासो (b) सलवादोर दाली
(c) जॉन मीरो (d) फ्रैन्ज मार्क

उत्तर (b)

व्याख्या- सल्वाडोर डाली (11 मई, 1904- 23 जनवरी, 1989) स्पेन के मशहूर चित्रकार थे। ये अतियथार्थवाद कला आंदोलन से जुड़े थे। द परसिंस्टेंस ऑफ मेमोरी (1931), स्वान्स रिक्लेक्टिंग एलीफेन्ट्स (1937), द टेम्पटेशन ऑफ सेन्ट एन्थोनी (1946), द एलीफेन्ट्स (1948), द बर्निंग जिराफ (1937), सॉफ्ट कन्सट्रक्शन विद ब्वायल्ड बीन्स (1936) इत्यादि डाली की प्रमुख कृतियाँ हैं।

8. एलेक्जेंडर काल्डर किस रूप में जाने जाते हैं?

(a) मूर्तिकार (b) चित्रकार
(c) ग्राफिक कलाकार (d) कला इतिहासकार

उत्तर (a)

व्याख्या- एलेक्जेण्डर काल्डर (2 अगस्त, 1898- 11 नवंबर, 1976) अमेरिकी मूर्तिकार थे जो चलित मूर्तियों (Moving Sculpture) के जनक के रूप में विख्यात हैं। फ्लेमिंगो (1974), ईगल (1971), फ्लाइंग ड्रैगन (1975), माउंटेन्स एण्ड क्लाउड्स (1986), बिग क्रिंकली (1969), डेविल फिश (1937), रेड लिली पैड्स (1956), फिनी फिश और फोर बिग डाट्स इत्यादि काल्डर की प्रमुख रचनाएँ हैं।

9. ''कलर फील्ड पेंटर'' कौन हैं?

(a) मार्क रोथोको (b) पॉल क्ली
(c) जैक्सन पॉलक (d) ब्रिजेट रिले

उत्तर (a)

व्याख्या- मार्क रोथोको (25 सितंबर, 1903- 25 फरवरी, 1970) रशियन यहूदी मूल के अमेरिकी कलर क्षेत्र (फील्ड) चित्रकार थे। अनटाइटिल्ड ब्लैक ऑन ग्रे (1970), ओरेंज, रेड, यलो (1961), नं. 61(रस्ट एण्ड ब्लू-1953), ब्लैक ऑन मैरून (1958), फोर डार्क्स इन रेड (1958), नं. 6 (1951), ओरेंज एण्ड यलो (1956) इत्यादि इनकी प्रमुख कृतियाँ हैं।

10. सुजान लैंगर कौन है?

(a) मूर्तिकार (b) चित्रकार
(c) ग्राफिक कलाकार (d) सौन्दर्यशास्त्री

उत्तर (d)

व्याख्या- सुजान कैथरीन लैंगर (20 दिसंबर, 1895-17 जुलाई, 1985) अमेरिकी दर्शनशास्त्री, लेखिका, सौन्दर्यशास्त्री और शिक्षिका थीं। फिलॉसफी इन ए न्यू मी (1941) फिलींग एण्ड फार्म (1953), प्राब्लम्स ऑफ आर्ट (1957), माइन्ड : एन ऐस्से ऑन ह्यूमन फीलिंग, फिलॉसॉफिकल स्केचेस (1962) इत्यादि इनके द्वारा लिखित प्रमुख पुस्तकें हैं।

11. ''एग ब्राइड'' की मूर्ति किसने बनाई है?

(a) धनराज भगत (b) प्रदोष दासगुप्ता
(c) राघव कनेरिया (d) बलबीर सिंह कट्ट

उत्तर (b)

व्याख्या- ''एग ब्राइड'' नामक मूर्ति के मूर्तिकार प्रदोष दासगुप्ता हैं। इनका जन्म वर्ष 1912 में ढाका में हुआ था।

12. सारनाथ बुद्ध प्रतिमा किस माध्यम में गढ़ी गई है?

(a) अम्बाजी संगमरमर (b) मद्रास ग्रेनाइट
(c) जोधपुर बलुआ पत्थर (d) चुनार बलुआ पत्थर

उत्तर (d)

व्याख्या- सारनाथ स्थित बुद्ध प्रतिमा गांधार शैली में चुनार बलुआ पत्थर से निर्मित है। सामान्यतः गांधार शैली की मूर्तियों का समय पहली शती ईस्वी से चौथी शती ईस्वी के मध्य है तथा इस शैली की श्रेष्ठतम रचनाएँ 50 से 150 ईस्वी के मध्य मानी जा सकती है। गांधार कला की विषयवस्तु भारतीय थी, परंतु कला शैली यूनानी व रोमन थी। इसलिए गांधार कला को ग्रीको, तिस्को बुद्धिस्त या हिन्द-यूनानी कला भी कहा जाता है।

13. अमरनाथ सहगल किस रूप में प्रसिद्ध हैं?

(a) गायक (b) कलाकार
(c) मूर्तिकार (d) नृत्य रचनाकार

उत्तर (c)

व्याख्या- अमरनाथ सहगल (5 फरवरी, 1922-28 दिसंबर, 2007) भारत के जाने माने मूर्तिकार, चित्रकार, कवि और कला शिक्षक थे। मुख्यतया उन्होंने अपनी कला का माध्यम मूर्तियों को बनाया। भारत सरकार ने वर्ष 2008 में मरणोपरांत उन्हें पद्म भूषण सम्मान से अलंकृत किया था।

14. प्रथम भारतीय कला विद्यालय कहाँ स्थापित हुआ था?

(a) मद्रास (b) बम्बई
(c) दिल्ली (d) कलकत्ता

उत्तर (a)

व्याख्या- गवर्नमेन्ट कॉलेज ऑफ फाइन आर्ट्स वर्ष 1850 में मद्रास (चेन्नई, तमिलनाडु) में स्थापित भारत का प्रथम कला विद्यालय था।

15. कांस्य निम्नलिखित का मिश्र धातु है :

(a) अल्युमिनियम व जस्ता
(b) अल्युमिनियम, जस्ता व टिन
(c) तांबा, जस्ता व टिन
(d) तांबा, जस्ता व लोहा

उत्तर (c)

व्याख्या-कांस्य (Bronze) तांबा, जस्ता व टिन की मिश्र धातु है।

16. ''ट्रान्सफोर्मेशन ऑफ नेचर इन आर्ट'' नामक पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) स्टेला क्रेमरिश (b) आनन्द के. कुमारस्वामी
(c) वी.एस.अग्रवाल (d) कपिला वात्सायन

उत्तर (b)

व्याख्या- ट्रांन्सफॉर्मेशन ऑफ नेचर इन आर्ट, इन्ट्रोडक्शन टू इंडियन आर्ट, बुद्धिस्ट आर्ट, हिस्ट्री ऑफ इंडियन एण्ड इंडोनेशियन आर्ट, टीचिंग ऑफ ड्राइंग इन सीलोन, इंडियन डाफ्ट्समैन, इंडियन म्यूजिक, राजपूत पेन्टिंग, द ओरिजन ऑफ बुद्ध इमेज, अर्ली इंडियन आर्किटेक्चर, आर्ट एण्ड क्राफ्ट्स ऑफ इण्डिया एण्ड सीलोन इत्यादि पुस्तकों के लेखक आनन्द केन्टिश कुमारस्वामी (22 अगस्त, 1877- 9 सितंबर, 1947) है।

17. क्षय वद्धि पर चर्चा वाली प्राचीन कृति का नाम बताइये :

(a) नाट्य शास्त्र (b) समरांगण सूत्रधार
(c) चित्रसूत्र (d) कामसूत्र

उत्तर (a)

व्याख्या- नाटकों के सम्बन्ध में शास्त्रीय जानकारी को नाट्य शास्त्र कहते हैं। इस संदर्भ में सबसे पुराना ग्रंथ भी 'नाट्यशास्त्र' के नाम से जाना जाता है, जिसके रचयिता भरत मुनि थे। भरत मुनि का काल 400 ईसा पूर्व के आस-पास माना जाता है। संगीत, नाटक और अभिनय के संपूर्ण ग्रंथ के रूप में भरतमुनि के नाट्यशास्त्र की उपादेयता और सम्मान आज भी बरकरार है।

18. ''स्फूमातो'' को अपनी तकनीक के लिये जाने माने कलाकार का नाम बताइये :

(a) अलब्रक्त ड्यूरर (b) रैम्ब्राँ
(c) रफायल (d) लियोनार्दो दा विंची

उत्तर (d)

व्याख्या- लियोनार्दो दा विंची (1452-1519) 'स्फूमातो' तकनीक के सबसे विख्यात और महत्वपूर्ण अध्यापक थे। उनका प्रसिद्ध चित्र 'मोनालिसा' इस तकनीक का अप्रतिम उदाहरण है।

19. करावेजिओ किस कला आन्दोलन से सम्बन्ध रखते हैं?

(a) पुनर्जागरण (रिनेसाँ)
(b) अत्यलंकृत (रोकोको)
(c) बरोक
(d) स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म)

उत्तर (c)

व्याख्या- करावेजियो (29 सितंबर, 1571-18 जुलाई 1610) इटैलियन चित्रकार थे जो 'बरोक कला आंदोलन' से सम्बन्धित थे। द कॉलिंग ऑफ सेंट मैथ्यू (1600), जॉन द बैप्टिस्ट (1598), सपर एट एम्माज (1601), द कनवर्जन ऑफ सेंट पॉल (1600), डेथ ऑफ द वर्जिन (1606), कार्डशार्प्स (1594), द फॉर्च्यून टेलर (1594) इत्यादि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

20. ''सनराइज इम्प्रेशन्स'' के चित्रकार कौन थे?

(a) क्लॉड मोने (b) एडवार्ड माने
(c) पॉल गोगां (d) विन्सेंट वैन गॉग

उत्तर (a)

व्याख्या- क्लॉड मोने (14 नवंबर, 1840- 5 दिसंबर, 1926) फ्रांसीसी प्रभाववादी कला आंदोलन के जनक चित्रकार थे। सनराइज इम्प्रेशन (1870), पॉपिस (1873), वुमेन इन द गॉर्डेन (1866), फैमिली (1866), वाटर लिली पॉन्ड (1900) इत्यादि उनकी प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

21. 1921 में ''ग्राफिक डिजाइन'' का शब्द किसने प्रतिपादित किया?

(a) विलियम एडीसन डिगिनस्
(b) जूल शैरे
(c) एलोय सेनेफैल्डर
(d) एलेक्सेन्डर रोडचेन्को

उत्तर (a)

व्याख्या- विलियम एडीसन डिगिनस् (19 जून, 1880- 25 दिसंबर, 1956) अमेरिकी टाइप डिजाइनर, कैलिग्राफर और बुक डिजाइनर थे। इन्होंने वर्ष 1921 में ''ग्राफिक डिजाइन'' शब्द का प्रतिपादन किया था।

22. निम्नांकित में से कौन सी पूर्णतया एनीमेटेड फीचर फिल्म है?

(a) स्लमडॉग मिलियनर (b) टॉय स्टोरी
(c) टेन्निर टेन्निर (d) बेटलशिप पोटिमकिम

उत्तर (b)

व्याख्या- 'ट्वॉय स्टोरी' वर्ष 1995 की अमेरिकन कंप्यूटर एनीमेटेड कॉमेडी एडवेंचर फिल्म है। इसके निर्देशक बोनी अर्नाल्ड राल्फ गुग्नेहेम है। यह अंग्रेजी भाषा की 81 मिनट की फिल्म थी।

23. 'मॉन्टाज' (फिल्म संग्रथन) मूलतया किस निदेशक की चलचित्रिकी आशुरचना (इम्प्रवाइजेशन) है?

(a) वाल्ट डिजने (b) स्पिलबर्ग
(c) एसेनस्टिन (d) पासोलिनि

उत्तर (a)

व्याख्या- 'मॉन्टाज' (फिल्म संग्रथन) मूलतया निदेशक वाल्ट डिजनी की चलचित्रिकी आशु-रचना (इम्प्रवाइजेशन) है।

24. 'ब्हाउस' आन्दोलन कहाँ उद्विकसित हुआ?

(a) वीमर, जर्मनी (b) न्यूयॉर्क, यू.एस.ए.
(c) बहर, यू.ए.ई. (d) मॉस्को, रशिया

उत्तर (a)

व्याख्या- 'ब्हाउस' जर्मनी में स्थापित एक कला विद्यालय था जिसमें शिल्पकला एवं ललित कला दोनों की शिक्षा दी जाती थी। यह विद्यालय डिजाइन की अपनी विशिष्ट शैली के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध था। यह 1919 से 1933 तक चला। 'ब्हाउस' का जर्मन भाषा में शाब्दिक अर्थ 'निर्माण गृह' है।

25. यूनाइटेड स्टेट्स में कौन सा संगठन विश्व भर में श्रेष्ठ ग्राफिक डिजाइनर को 'हॉल ऑफ फेम' पुरस्कार देता है?

(a) आर्ट डाइरेक्टर्स क्लब (ए डी सी)
(b) अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ ग्राफिक आर्ट्स
(c) इंटरनेशनल टाइपोग्राफिक कॉरपोरेशन
(d) ग्राफिक डिजाइनर्स गिल्ड, यू.एस.ए.

उत्तर (d)

व्याख्या- यूनाइटेड, स्टेट्स का 'ग्राफिक डिजाइनर्स गिल्ड' संगठन श्रेष्ठ ग्राफिक डिजाइनर को 'हॉल ऑफ फेम' पुरस्कार प्रदान करता है।

26. अभिकथन (A) : स्क्को कुषाण युग के दौरान गांधार मूर्तिकला का सर्वाधिक लोकप्रिय माध्यम था।

कारण (R) : स्क्को की आघातवर्धनीय प्रकृति के कारण, यह कलाकार को प्रकृतिवादी सविस्तार विवरण व अभिव्यक्तियाँ प्रस्तुत करने हेतु क्षेत्रीय पत्थरों को भंगुर प्रकृति की तुलना में ज्यादा स्वतन्त्रता प्रदान करता है।

(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या- स्ट्को कुषाण युग के दौरान गांधार मूर्तिकला का सर्वाधिक लोकप्रिय माध्यम था। स्ट्को की आघातवर्धनीय प्रकृति के कारण, यह कलाकार को प्रकृतिवादी सविस्तार विवरण व अभिव्यक्तियाँ प्रस्तुत करने हेतु क्षेत्रीय पत्थरों की भंगुर प्रकृति की तुलना में ज्यादा स्वतंत्रता प्रदान करता है। अभिकथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

27. **अभिकथन (A) :** माइकल एंजेलो की कला में मानव देह को हमेशा शक्तिशाली एवं गत्यात्मक पात्र के रूप में व्यक्त किया गया है।
कारण (R) : क्योंकि उनका मानना है कि आत्मा आश्चर्यजनक रूप से शक्तिशाली है और देह के पात्र की कैद से मुक्त होने के लिये निरन्तर संघर्ष करती है।
(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) सही है, परन्तु (R) गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) गलत है परन्तु (R) सही हैं।
उत्तर (c)

व्याख्या- माइकल एंजेलो की कला में मानव देह को हमेशा शक्तिशाली एवं गत्यात्मक पात्र के रूप में व्यक्त किया गया है क्योंकि उनका मानना है कि आत्मा आश्चर्यजनक रूप से शक्तिशाली है और देह के पात्र की कैद से मुक्त होने के लिए निरंतर संघर्ष करती है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

28. **अभिकथन (A) :** रामकिंकर बैज ने अपनी घर से बाहर बनाई सभी मूर्तियाँ सीमेंट और कंकड़ मिश्रण से बनाई हैं।
कारण (R) : क्योंकि कोई और आसानी से उपलब्ध नहीं था।
(a) (A) सही है, परन्तु (R) गलत हैं।
(b) (A)और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत हैं, परन्तु (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
उत्तर (b)

व्याख्या- शांतिनिकेतन में 'किंकर दा' नाम से प्रसिद्ध रामकिंकर बैज का जन्म 1910 में बंगाल राज्य के बाँकुड़ा शहर के पास जुग्गीपाड़ा गाँव में हुआ था। संथाल परिवार, दोपहर की विश्रांति में श्रमिक नामक मूर्तिशिल्प और सुजाता, कन्या तथा कुत्ता, अनाज की ओसाई, शीतकालीन मैदान, मेघाच्छन्न संध्या, निर्माण, माँ-बेटा, कृष्ण जन्म नामक चित्र इत्यादि उनकी प्रमुख कृतियाँ हैं। अगस्त, 1980 को इस महान कलाकार का देहांत हुआ। रामकिंकर बैज ने अपने घर से बाहर बनाई सभी मूर्तियाँ सीमेंट और कंकड़ मिश्रण से बनाई हैं क्योंकि कोई और माध्यम आसानी से उपलब्ध नहीं था। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

29. **अभिकथन (A) :** रोदाँ प्रभाववादी (इम्प्रेशनिस्ट) और प्रतीकवादी (सिम्बॅलिस्ट) दोनों थे।
कारण (R) : क्योंकि उन्होंने अपने काम में 19वीं शताब्दी के अन्त में दो प्रभुत्वशाली प्रवृत्तियों को अपनाया।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है, और (R) गलत हैं।
(c) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
उत्तर (a)

व्याख्या- रोदाँ प्रभाववादी (इम्प्रेशनिस्ट) और प्रतीकवादी (सिम्बॅलिस्ट) दोनों थे क्योंकि उन्होंने अपने काम में 19वीं शताब्दी के अंत में दो प्रभुत्वशाली प्रवृत्तियों को अपनाया था। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

30. **अभिकथन (A) :** ''डाइरेक्ट मेल'' अन्य प्रिंट मीडिया, जैसे समाचार पत्र व पत्रिका, की तुलना में सर्वाधिक प्रभावी प्रिंट मीडिया (मुद्रण माध्यम) प्रमाणित हुआ है।
कारण (R) : क्योंकि यह बहुत विशिष्ट और व्यक्तिगत है और इसके पास पाठकों के लिये प्रभावी डाक-प्रेषण सूची रहती है।
(a) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
उत्तर (b)

व्याख्या- ''डाइरेक्ट मेल'' अन्य प्रिंट मीडिया, जैसे समाचार पत्र व पत्रिका, की तुलना में सर्वाधिक प्रभावी प्रिंट मीडिया (मुद्रण माध्यम) प्रमाणित हुआ है क्योंकि यह बहुत विशिष्ट और व्यक्तिगत है और इसके पास पाठकों के लिए प्रभावी डाक-प्रेषण सूची रहती है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

31. **अभिकथन (A) :** डेविड ओगिल्वी को आधुनिक विज्ञापन का जनक समझा जाता है।
कारण (R) : क्योंकि वे ''ब्रांड पोजिशनिंग' प्रारम्भ कर के विज्ञापन के दर्शन या विचारधारा में क्रान्ति ले आये और इससे उत्पाद की बिक्री बढ़ाने में सहायता मिली।
(a) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) गलत है और (R) सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
उत्तर (b)

व्याख्या- डेविड ओगिल्वी (23 जून, 1911- 21 जुलाई, 1999) विज्ञापन टाइकून थे, जो विज्ञापन जनक के रूप में जाने जाते हैं। ओगिल्वी ऑन एडवर्टाइजिंग (1983), कन्फेशन ऑफ एन एडवर्टाइजिंग मैन (1983), द अनपब्लिस्ड डेविड ओगिल्वी (1986) इत्यादि उनके द्वारा लिखित पुस्तकें हैं। डेविड ओगिल्वी को आधुनिक विज्ञापन का जनक समझा जाता है क्योंकि वे ब्रांड पोजिशनिंग' प्रारंभ करके विज्ञापन के दर्शन या विचारधारा में क्रांति ले आए और इससे उत्पाद की बिक्री बढ़ाने में सहायता मिली। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

32. **अभिकथन (A) :** 1905 में, ड्रेसडन में, युवा कलाकारों के एक समूह ने 'डाई ब्रुक' (पुल) नामक समूह की स्थापना की।
कारण (R) : क्योंकि उन्होंने नदी के पुल के घोषणा पत्र पर चर्चा की जो कि दो किनारों के बीच का अंतराल समाप्त करता था।
(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(c) (A) गलत है और (R) आंशिक रूप से सही हैं।
(d) (A) और (R) दोनों गलत है।
उत्तर (b)

व्याख्या- 1905 में, ड्रेसडन में, युवा कलाकारों के एक समूह ने 'डाई ब्रुक' (पुल) नामक समूह की स्थापना की। क्योंकि उन्होंने नदी के पुल के घोषणापत्र पर चर्चा की जो कि दो किनारों के बीच का अंतराल समाप्त करता था। अभिकथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

33. **अभिकथन (A) :** भारतीय ''रस सिद्धान्त'' में, नौंवा ''रस-शान्त'', नाट्यशास्त्र में भरतमुनि द्वारा वर्णित आठ रसों के अतिरिक्त था और यह अभिनव गुप्त द्वारा प्रतिपादित किया गया था।

कारण (R) : अभिनव गुप्त का मानना है कि जब मन सभी भावनाओं के परे जाता है, तो यह शान्ति में रहता है और यह मन की अवस्था भी है जिसे 'शान्त रस' के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) गलत है और (R) सही हैं।

उत्तर (c)

व्याख्या- भारतीय ''रस सिद्धान्त'' में, नौवां ''रस-शान्त'', नाट्यशास्त्र में भरतमुनि द्वारा वर्णित आठ रसों के अतिरिक्त था और यह अभिनव गुप्त द्वारा प्रतिपादित किया गया था। अभिनव गुप्त का मानना था कि जब मन सभी भावनाओं के परे जाता है तो यह शान्ति में रहता है और यह मन की अवस्था भी है जिसे 'शान्त रस' के रूप में परिभाषित किया जा सकता है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

34. **अभिकथन (A) :** ताजमहल सर्वाधिक सुन्दर विश्व धरोहर वास्तुकला का नमूना एवं विश्व के सात अजूबों में से एक समझा जाता है।

कारण (R) : अपने ऐतिहासिक महत्व से परे, यह सौन्दर्यपरक रूप से आनुपातिक और कला का महत्वपूर्ण नमूना है।

(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) गलत है और (R) सही हैं।

उत्तर (c)

व्याख्या- ताजमहल सर्वाधिक सुंदर विश्व धरोहर वास्तुकला का नमूना एवं विश्व के सात अजूबों में से एक समझा जाता है। क्योंकि अपने ऐतिहासिक महत्त्व से परे, यह सौन्दर्यपरक रूप से आनुपातिक और कला का महत्वपूर्ण नमूना है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

35. **अभिकथन (A) :** शिलामुद्रण (लिथोग्राफी) को प्लेनोग्राफी भी कहा जाता है।

कारण (R) : क्योंकि रिलीफ प्रिंटिंग के विपरीत, मुद्रण और अमुद्रण क्षेत्र एक ही समतल में होते हैं।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है और (R) गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) गलत है और (R) सही हैं।

उत्तर (a)

व्याख्या- शिलामुद्रण (लिथोग्राफी) को प्लेनोग्राफी भी कहा जाता है क्योंकि रिलीफ प्रिंटिंग के विपरीत, मुद्रण और अमुद्रण क्षेत्र एक ही समतल में होते हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

36. **स्मारकों के सही कालानुक्रमिक क्रम का चयन कीजिये**

(a) हुमायूँ का मकबरा, ताजमहल, सिकन्दरा, फतेहपुर सीकरी।
(b) तालमहल, सिकन्दरा, फतेहपुर सीकरी, हुमायूँ का मकबरा
(c) फतेहपुर सीकरी, सिकन्दरा, ताजमहल, हुमायूँ का मकबरा
(d) हुमायूँ का मकबरा, फतेहपुर सीकरी, सिकन्दरा, ताजमहल

उत्तर (d)

व्याख्या- दिए गए स्मारकों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार होगा- हुमायूँ का मकबरा (1565 ईस्वी), फतेहपुर सीकरी (1570 ईस्वी निर्माण अकबर), सिकन्दरा (1612 अकबर का मकबरा), ताजमहल आगरा (1648 शाहजहां)।

37. **स्थलों का सही कालानुक्रमिक क्रम बताइये**

(a) अजन्ता की गुफाएँ, भाजा गुफाएँ, बराबर हिल गुफाएँ, भीमबेटका गुफाएँ
(b) भीमबेटका गुफाएँ, बराबर हिल गुफाएँ, भाजा गुफाएँ, अजन्ता की गुफाएँ
(c) भाजा गुफाएँ, अजन्ता की गुफाएँ, बराबर हिल गुफाएँ, भीमबेटका गुफाएँ
(d) बराबर हिल गुफाएँ, भाजा गुफाएँ, भीमबेटका गुफाएँ, अजन्ता की गुफाएँ

उत्तर (b)

व्याख्या- ऐतिहासिक स्थलों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार होगा- भीमबेटका गुफाएँ (पुरापाषाण काल), बराबर हिल गुफाएँ (मौर्यकाल-अशोक), भाजा गुफाएँ (दूसरी शताब्दी ई.पू.), अजन्ता गुफाएँ (दूसरी शताब्दी ई.पू.-गुप्तकाल तक)।

38. **कलाकारों का सही कालानुक्रमिक क्रम बताइये :**

(a) शंखो चौधरी, नागजी पटेल, सतीश गुजराल, सुशेन घोष
(b) शंखो चौधरी, सतीश गुजराल, सुशेन घोष, नागजी पटेल
(c) शंखो चौधरी, सतीश गुजराल, नागजी पटेल, सुशेन घोष
(d) शंखो चौधरी, नागजी पटेल, सुशेन घोष, सतीश गुजराल

उत्तर (c)

व्याख्या- दिए गए कलाकारों का सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार होगा -

शंखो चौधरी	-	1916 ई.
सतीश गुजराल	-	1925 ई.
नागजी पटेल	-	1937 ई.
सुशेन घोष	-	1940 ई.

39. सही कालानुक्रमिक क्रम का चयन कीजिये :

(a) सिन्धु घाटी से नर्तकी, खजुराहो मन्दिर, भीमबेटका, सांची स्तूप

(b) सांची स्तूप, सिन्धु घाटी से नर्तकी, खजुराहो मन्दिर, भीमबेटका

(c) भीमबेटका, सिन्धु घाटी से नर्तकी, सांची स्तूप, खजुराहो मन्दिर

(d) खजुराहो मन्दिर, सिन्धु घाटी से नर्तकी, भीमबेटका, सांची स्तूप

उत्तर (c)

व्याख्या- सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार होगा- (i) भीमबेटका, (ii) सिन्धु घाटी से नर्तकी, (iii) साँची स्तूप, (iv) खजुराहो मंदिर।

40. ऐतिहासिकता में सही अनुक्रम का चयन कीजिये :

(a) कलर लिथोग्राफी, मूवेबल टाईप, ऑफसेट प्रिंटिंग, हियरोग्लिफस्

(b) ऑफसेट प्रिंटिंग, मूवेबल टाईप, कलर लिथोग्राफी, हियरोग्लिफस्

(c) मूवेबल टाईप, कलर लिथोग्राफी, हियरोग्लिफस्, ऑफसेट प्रिंटिंग

(d) हियरोग्लिफस्, मूवेबल टाईप, कलर लिथोग्राफी, ऑफसेट प्रिंटिंग

उत्तर (c)

व्याख्या- ऐतिहासिकता में सही अनुक्रम इस प्रकार होगा- मूवेबल टाइप, कलर लिथोग्राफी, हियरोग्लिफस्, ऑफसेट प्रिंटिंग।

41. निम्नलिखित में सही अनुक्रम का चयन कीजिये :

(a) लेआऊट, प्री प्रेस, प्रिंटिंग, कनवर्टिंग एण्ड फिनिशिंग

(b) प्री प्रेस, प्रिंटिंग, लेआऊट, कनवर्टिंग एण्ड फिनिशिंग

(c) लेआऊट, प्री प्रेस, प्रिंटिंग, कनवर्टिंग एण्ड फिनिशिंग

(d) कनवर्टिंग एण्ड फिनिशिंग, लेआऊट, प्री प्रेस, प्रिंटिंग

उत्तर (*)

व्याख्या- उपरोक्त का सही अनुक्रम है- लेआऊट, प्री प्रेस, प्रिंटिंग, कनवर्टिंग एण्ड फिनिशिंग। इस प्रकार विकल्प (a) एवं (c) दोनों सही हैं।

42. निम्नलिखित में से वेस्टर्न प्रिंटिंग का सही अनुक्रम का चयन कीजिये :

(a) दी ट्रिब्यूट मनी, दी वरजिन ऑफ रॉक्स, दी स्कूल ऑफ एथेन्स, दी नाईट वॉच

(b) दी वरजिन ऑफ रॉक्स, दी नाईट वॉच, दी स्कूल ऑफ एथेन्स, दी ट्रिब्यूट मनी

(c) दी नाईट वॉच, दी स्कूल ऑफ एथेन्स, दी ट्रिब्यूट मनी, दी वरजिन ऑफ रॉक्स

(d) दी स्कूल ऑफ एथेन्स, दी ट्रिब्यूट मनी, दी नाईट वॉच, दी वरजिन ऑफ रॉक्स

उत्तर (a)

व्याख्या- उपरोक्त वेस्टर्न प्रिंटिंग का सही अनुक्रम इस प्रकार होगा-

दी ट्रिब्यूट मनी	-	1425 ई.
दी वर्जिन ऑफ रॉक्स	-	1483-86 ई.
दी स्कूल ऑफ एथेन्स	-	1509-11 ई.
दी नाइट वॉच	-	1642 ई.

43. कलाकारों का विपरीत कालानुक्रमिक क्रम में सही अनुक्रम का चयन कीजिए :

(a) अनुपम सूद, अबनीन्द्रनाथ टैगोर, अर्पणा कौर, भावेश चन्द्र सन्याल

(b) भाबेश चन्द्र सन्याल, अर्पणा कौर, अनुपम सूद, अबनीन्द्रनाथ टैगोर

(c) अर्पणा कौर, अनुपम सूद, भाबेश चन्द्र सन्याल, अबनीन्द्रनाथ टैगोर

(d) अबनीन्द्रनाथ टैगोर, भाबेश चन्द्र सन्याल, अनुपम सूद, अर्पणा कौर

उत्तर (c)

व्याख्या- दिए गए कलाकारों का विपरीत कालानुक्रमिक क्रम में सही अनुक्रम इस प्रकार होगा-

कलाकार		**जन्म वर्ष**
अपर्णा कौर	-	1954 ई.
अनुपम सूद	-	1944 ई.
भावेश चन्द्र सन्याल	-	1909 ई.
अबनीन्द्रनाथ टैगोर	-	1871 ई.

44. विपरीत कालानुक्रमिक क्रम में सही अनुक्रम का चयन कीजिये :

(a) क्रोचे, रोजर फ्राई, हीगल, सिगमण्ड फ्रायड

(b) रोजर फ्राइ, सिगमण्ड फ्रायड, क्रोचे, हीगल

(c) सिगमण्ड फ्रायड, क्रोचे, रोजर फ्राइ, हीगल

(d) हीगल, सिगमण्ड फ्रायड, क्रोचे, रोजर फ्राइ

उत्तर (d)

व्याख्या- विपरीत कालानुक्रमिक क्रम में सही अनुक्रम इस प्रकार होगा-

हीगल (1770), सिगमण्ड फ्रायड (1856), क्रोचे (1866), रोजर फ्राइ (1866)।

45. फोटोग्राफी कैमरे के उद्विकास की सही समय रेखा बताइये :

(a) डिजिटल कैमरा, ऐनालॉग कैमरा, प्रोसेस कैमरा, डागर टाईप कैमरा

(b) प्रोसेस कैमरा, डागर टाईप कैमरा, डिजिटल कैमरा, ऐनालॉग कैमरा

(c) ऐनालॉग कैमरा, प्रोसेस कैमरा, डागर टाईप कैमरा, डिजिटल कैमरा

(d) डागर टाईप कैमरा, प्रोसेस कैमरा, ऐनालॉग कैमरा, डिजिटल कैमरा

उत्तर (d)

व्याख्या- फोटोग्राफी कैमरे के उद्विकास का सही क्रम है- डागर, टाईप कैमरा, प्रोसेस कैमरा, एनालॉग कैमरा, डिजिटल कैमरा।

46. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये :

(A)	रबर ब्लैंकट	(i)	वुडकट
(B)	जिंक प्लेट	(ii)	सीने कोले
(C)	राइस पेपर	(iii)	ऑफसेट प्रिंटिंग
(D)	ब्यूरिन	(iv)	ऐचिंग

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

रबर ब्लैंकट	-	ऑफसेट प्रिंटिंग
जिंक प्लेट	-	ऐचिंग
राइस पेपर	-	सीने कोले
ब्यूरिन	-	वुडकट

47. निम्नलिखित का मिलान कीजिये :

(A)	हीगल	(i)	सौन्दर्यशास्त्र
(B)	क्रोचे	(ii)	अनुकरण
(C)	अरस्तु	(iii)	द्वंद्वात्मक सिद्धान्त
(D)	बॉमगार्टन	(iv)	अंतःप्रज्ञा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

हीगल	-	द्वन्द्वात्मक सिद्धांत
क्रोचे	-	अंतः प्रज्ञा
अरस्तु	-	अनुकरण
बॉमगार्टन	-	सौंदर्यशास्त्र

48. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिये :

(A)	हिन्डोला महल	(i)	महाबलीपुरम
(B)	चारमीनार	(ii)	मांडू
(C)	द्रौपदी रथ	(iii)	मार्तन्ड (काश्मीर)
(D)	सूर्य मन्दिर	(iv)	हैदराबाद

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (c)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

हिन्डोला महल	-	मांडू
चारमीनार	-	हैदराबाद
द्रौपदी रथ	-	महाबलीपुरम्
सूर्य मंदिर	-	मार्तंड (कश्मीर)

49. निम्नांकित कलाकारों को सृजनात्मक प्रथा के उनके प्रासंगिक माध्यमों के साथ सुमेलित कीजिये :

(A)	सी. दक्षणमूर्ति	(i)	मॅक्रा' मि (झालर)
(B)	मृणालिनी मुकर्जी	(ii)	सिरैमिक (मूर्तिका कला)
(C)	सोमनाथ होर	(iii)	ग्रेनाइट स्टोन
(D)	ज्योत्सना भट्ट	(iv)	धातु

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेल इस प्रकार होगा-

सी. दक्षणमूर्ति	-	ग्रेनाइट स्टोन
मृणालिनी मुकर्जी	-	मॅक्रा' मि (झालर)
सोमनाथ होर	-	धातु
ज्योत्सना भट्ट	-	सिरैमिक (मूर्तिका कला)

50. निम्नांकित कलाकारों को उनकी सृजनात्मक प्रथा के प्रासंगिक माध्यमों के साथ सुमेलित कीजिये :

(A)	विसेन्ट वैनगॉग	(i)	अति यथार्थवाद
(B)	मार्क शगाल	(ii)	स्वछंदतावाद
(C)	फ्रांसिस्को दे गोया	(iii)	अभिव्यंजनावाद
(D)	वैसिली कैंडिस्की	(iv)	उत्तर प्रभाववाद/ संस्कारवाद

कूट :

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (d)

व्याख्या-उपरोक्त कलाकारों का उनकी सृजनात्मक प्रथा के प्रासंगिक माध्यमों के साथ सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

विसेन्ट वैनगॉग	-	उत्तर प्रभाववाद/संस्कारवाद
मार्क शगाल	-	अति यथार्थवाद
फ्रांसिस्को दे गोया	-	स्वच्छंदतावाद
वैसिली कैंडिस्की	-	अभिव्यंजनावाद

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2012

दृश्य कला

द्वितीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

नोट : इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के लिए (2) अंक निर्धारित हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. निम्नलिखित में से किसके शासन काल में मुगल वास्तुकला राजस्थानी वास्तुकला से प्रबल रूप में प्रभावित हुई थी?

(a) अकबर (b) जहाँगीर

(c) शाहजहाँ (d) औरंगजेब

उत्तर (*)

व्याख्या- अकबर के शासनकाल में मुगल वास्तुकला राजस्थानी वास्तुकला से प्रबल रूप से प्रभावित हुई थी। अकबर के शासनकाल में निर्मित इमारतों से यह तथ्य स्पष्ट रूप से परिलक्षित और प्रमाणित होता है। **नोट-** यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है।

2. निम्नलिखित में से किस सिद्धान्त में अभिव्यंजनावाद के अभ्युदय को अवलम्ब प्रदान किया?

(a) नवशास्त्रवाद (b) स्वच्छंदवाद

(c) यथार्थवाद (d) उपर्युक्त में से किसी ने नहीं

उत्तर (b)

व्याख्या-कलाकार जब वाह्य रूप की उपेक्षा करके विषयवस्तु के प्रति निजी भावनाओं को अभिव्यक्त करने के उद्देश्य से कलानिर्मित करता है तब ऐसी कला का उत्थान जर्मनी में हुआ और उसकी तुलना गोथिक कला की गूढ़ भावात्मकता से की जा सकती है। अभिव्यंजनावादी कला में कलाकार मानवीय शरीर एवं वस्तु के नैसर्गिक रूप को अपनी भावनाओं के अनुकूल विकृत या ऐंठनदार रूप में बनाते हैं; रंगसंगति में आकर्षकता का विचार नहीं होता एवं प्रायः भावनाओं के पोषक गहरे एवं विरोधी रंगों का प्रयोग होता है। फ्रेन्च काव्यवाद या स्वच्छंदतावाद की आलंकारिक ऐंठन व घनवाद के आकारों में पृथक्करण से जर्मन अभिव्यंजनावाद की आंतरिक व्याकुलता एवं गूढ़ आत्मिक अभिव्यक्ति स्पष्ट रूप से भिन्न है यद्यपि अभिव्यंजनावाद के विकास में स्वच्छंदतावाद व घनवाद काफी हद तक प्रेरणादायक रहे। वान गो, मुंख, होडलर, एन्सोर, कान्डिन्स्की और कोकोश्का इत्यादि अभिव्यंजनावादी कला के अग्रणी कलाकार थे।

3. यह किसने कहा था कि कला एक महत्वपूर्ण विधा है?

(a) आई. ए. रिचर्ड्स (b) क्लाइव बेल

(c) कॉलिंगवुड (d) सूज़न लैंगर

उत्तर (b)

व्याख्या- ऑर्थर क्लाइव हेवार्ड बेल (16 सितंबर, 1881-18 सितंबर, 1964) एक ब्रिटिश कला समीक्षक थे। उन्होंने ही कहा था कि ''कला एक महत्वपूर्ण विधा है।''

4. कुषाण सम्राट कनिष्क की आवक्ष प्रतिमा किस संग्रहालय में रखी गयी है?

(a) राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली

(b) इंडियन म्यूजियम, कोलकाता

(c) लाहौर म्यूजियम, पाकिस्तान

(d) पुरातत्व संग्रहालय, मथुरा

उत्तर (d)

व्याख्या- कुषाण सम्राट कनिष्क की आवक्ष प्रतिमा पुरातत्त्व संग्रहालय, मथुरा में संरक्षित है। यह संग्रहालय तीसरी शताब्दी ई.पू. से प्राचीन मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। यह कुषाण साम्राज्य एवं गुप्त साम्राज्य के समकालीन हैं। भारत सरकार ने संग्रहालय के शताब्दी पर 9 अक्टूबर, 1974 को एक डाक टिकट जारी किया था।

5. भारत में सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र कौन सा है?

(a) टाइम्स ऑफ इण्डिया (b) हिन्दुस्तान टाइम्स

(c) बंगाल गजट (d) स्टेट्समैन

उत्तर (c)

व्याख्या- भारत का पहला समाचार पत्र 'बंगाल गजट' था। 1780 में जे.ए. हिक्की ने 'बंगाल गजट' नामक समाचार पत्र प्रकाशित करना आरंभ किया। हिक्की को ईस्ट इंडिया कंपनी की आलोचना करने के अपराध में सजा भी भुगतनी पड़ी थी। परन्तु उनके समाचार पत्र ने अपनी नीति नहीं बदली। परिणामस्वरूप हिक्की के प्रेस को जब्त कर लिया गया और इस प्रकार से 'बंगाल गजट' का अंत हो गया।

6. प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम (दि कॉपीराइट ऐक्ट) किस वर्ष से लागू हुआ?

(a) 1947 (b) 1957

(c) 1952 (d) 1999

उत्तर (b)

व्याख्या- प्रतिलिप्याधिकार अधिनियम (दि कॉपीराइट ऐक्ट) वर्ष 1957 से लागू हुआ। कापीराइट बौद्धिक सम्पदा का एक रूप है जो एक मूल कृति के लेखक, प्रकाशक एवं वितरण को निश्चित समय अवधि के लिए विशेष अधिकार देता है।

7. निम्नलिखित में से किसके अतिरिक्त सभी का विक्रय करने के लिए 'प्रोमोशन' एक प्रेरित करने वाला सम्प्रेषण है?

(a) स्पर्धा (b) सेवा
(c) उत्पाद (d) विचार

उत्तर (a)

व्याख्या- निम्नलिखित में से स्पर्धा के अतिरिक्त सभी का विक्रय करने के लिए 'प्रमोशन' एक प्रेरित करने वाला संप्रेषण है।

8. विज्ञापन की तुलना में प्रचार का एक लाभ निम्नलिखित में से क्या है?

(a) साख (b) चयनीयता
(c) नियंत्रण (d) सरलता

उत्तर (a)

व्याख्या- विज्ञापन की तुलना में प्रचार का एक लाभ साख है। इससे फर्म की अपनी पहचान का लाभ मिलता है।

9. प्रवीर गुप्ता द्वारा बनाई गई 'द रिवर' शीर्षक पेंटिंग की आधार सामग्री क्या है?

(a) आयरन ऑक्साइड तथा एक्रेलिक
(b) तैल
(c) एक्रेलिक
(d) तेल तथा एक्रेलिक

उत्तर (a)

व्याख्या- प्रवीर गुप्ता द्वारा बनाई गई 'दि रिवर' शीर्षक पेंटिंग की आधार सामग्री आयरन ऑक्साइड तथा एक्रेलिक है।

10. ''जलियाँवाला बाग-सिम्बल ऑफ अर्ज फॉर फ्रीडम'' के चित्रकार का नाम बताइए:

(a) एफ.एन.सूजा (b) के. एस. कुलकर्णी
(c) बिमल दास गुप्ता (d) प्राणनाथ मागो

उत्तर (d)

व्याख्या- ''जलियाँवाला बाग- सिम्बल ऑफ अर्ज फॉर फ्रीडम'' के चित्रकार प्राणनाथ मागो हैं। प्राणनाथ मागो (1923-2006) पंजाब के निवासी थे। इन्होंने पंजाब के रंगीन व उत्साहपूर्ण जीवन को समीप से देखा है। उनकी शैली में लोक कला का अद्भुत सम्मिश्रण है। उनके चित्र प्रभाववादी धारणा पर आधारित हैं। उन्होंने कुछ समय तक ऑल इंडिया हैन्डीक्रॉफ्ट बोर्ड, दिल्ली में आलेखन विभाग के निदेशक के रूप में कार्य किया।

11. भारतीय लघु-चित्रों के संग्रह के लिए विख्यात रज़ा लाइब्रेरी कहाँ स्थित है?

(a) श्यामपुर (b) रामपुर
(c) कानपुर (d) बिलासपुर

उत्तर (b)

व्याख्या- भारतीय लघु-चित्रों के संग्रह के लिए विख्यात 'रज़ा लाइब्रेरी' उत्तर प्रदेश के रामपुर जिले में स्थित है। इसकी स्थापना रामपुर स्टेट के नवाब फैजुल्लाह खान (1774-1794) ने की थी।

12. समाचारपत्र पर स्याही में किसने 'स्प्लैश फ्रण्ट पेज'' बनाया?

(a) सतीश गुजराल (b) बी.बी. मुखर्जी
(c) एम. एफ. हुसैन (d) आर. एन. चक्रवर्ती

उत्तर (c)

व्याख्या- मकबूल फिदा हुसैन (17 सितंबर, 1915- 9 जून, 2011) ने समाचार पत्र पर स्याही से ''स्प्लैश फ्रण्ट पेज'' बनाया।

13. प्रस्तर उत्कीर्ण वास्तुकला का प्रथम साक्ष्य कहाँ मिला है?

(a) अजंता गुफाएँ
(b) लोमस ऋषि गुफाएँ
(c) एलोरा स्थित कैलाशनाथ मंदिर
(d) बादामी गुफाएँ

उत्तर (b)

व्याख्या- बिहार राज्य के गया जिले में स्थित बराबर गुफाएँ भारत में चट्टानों को काटकर बनाई गई सर्वाधिक पुरानी गुफाएँ हैं जिनमें से ज्यादातर का सम्बन्ध मौर्य काल (322-195 ईसा पूर्व) से है और कुछ में अशोक के शिलालेखों को देखा जा सकता है। कर्ण चौपड़, लोमस ऋषि, सुदामा और विश्व झोपड़ी नामक चार गुफाएँ बराबर पहाड़ी में चट्टानों को काटकर बनाई गई है। सुदामा और लोमस ऋषि गुफाएँ भारत में चट्टानों को काटकर बनाई जाने वाली गुफाओं की वास्तुकला के सबसे आरंभिक उदाहरण हैं जिनमें मौर्यकाल में निर्मित वास्तुकला सम्बन्धी विवरण मौजूद हैं। लोमस ऋषि गुफा मेहराब की तरह के आकार वाली लकड़ी की समकालीन वास्तुकला के नकल के रूप में है। द्वार के मार्ग पर हाथियों की एक पंक्ति स्तूप के स्वरूपों की ओर घुमावदार दरवाजे के ढाँचों के साथ आगे बढ़ती है।

14. लोथल तथा कालिबंगन दोनों

(a) गुजरात में स्थित है।
(b) मौर्यकाल से पहले के स्थल हैं।
(c) अति प्राचीन काल से प्रसिद्ध हैं।
(d) हड़प्पाकालीन स्थल हैं।

उत्तर (d)

व्याख्या- हड़प्पीय नगर लोथल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नदी के किनारे स्थित है। यहाँ पुराविद् रंगनाथ राव के निर्देशन में 1957-59 में उत्खनन का कार्य हुआ था। यहाँ की सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि हड़प्पाकालीन बंदरगाह है। कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के बाएँ तट पर स्थित है। इस स्थल का उत्खनन 1953 में बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर द्वारा कराया गया। यहाँ से उत्खनन के फलस्वरूप प्राक् हड़प्पा एवं हड़प्पाकालीन संस्कृति के अवशेष मिले हैं। यह प्राचीन समय में चूड़ियों के लिए प्रसिद्ध था और ये चूड़ियाँ पत्थरों की बनी होती थी।

15. 'जापानीज वार गॉड' की मूर्ति किसने बनाई थी?

(a) पाब्लो पिकासो (b) माइकेलेंजलो
(c) एदुआर्द पावलोजी (d) मेरीनो मेरीनी

उत्तर (c)

व्याख्या- एदुआर्द पावलोजी का जन्म 7 मार्च, 1924 को एडिनबर्ग, स्कॉटलैण्ड में और मृत्यु 22 अप्रैल, 2005 को लंदन में हुई थी। उन्होंने अपनी कला को मूर्तियों और कोलाज के माध्यम से दुनिया के समक्ष रखा। इन्होंने ही जापनीज वार गॉड' की मूर्ति बनाई थी।

16. देवी प्रसाद रोय चौधरी कि संस्था में अध्यापक थे?

(a) गवर्नमेन्ट कॉलेज ऑफ आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट, कलकत्ता
(b) जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट, बम्बई
(c) गर्वनमेण्ट कॉलेज ऑफ आर्ट,मद्रास
(d) कालेज ऑफ आर्ट, नई दिल्ली

उत्तर (c)

व्याख्या- देवी प्रसाद रायचौधरी का जन्म रंगपुर जिले के ताजहाट (जो वर्तमान में बंगलादेश में है) में 1899 ई. को हुआ। इन्होंने चित्र तथा मूर्ति दोनों ही माध्यमों में अपनी कला की अभिव्यक्ति की। इन्होंने गवर्नमेण्ट कॉलेज ऑफ आर्ट,मद्रास में 29 वर्षों तक अध्यापन कार्य किया। इनकी प्रसिद्ध कृतियाँ इस प्रकार हैं- (1) मूर्ति माध्यम-श्रम की विजय, जब शीत ऋतु आती है, सड़क बनाने वाले और स्नान करती हुई नारी। (2) चित्र माध्यम-भूटिया औरत, तिब्बत की बालिका, लेपचा कुमारी, कौतूहल, मुसाफिर, खतरनाक रास्ते, तूफान के बाद, आरती और स्नानघाट।

17. ऑफसेट प्रिंटिंग में छवियों का पुनरूत्पादन किस रूप में किया जाता है?

(a) छोटा कर के
(b) ऊपर का हिस्सा नीचे कर के
(c) उल्टा
(d) हूबहू

उत्तर (d)

व्याख्या- ऑफसेट मुद्रण या ऑफसेट छपाई, मुद्रण की एक सामान्य विधि है। इस पद्धति में छपाई का डिजाइन फोटोग्राफिक विधि से तैयार होता है। ऑफसेट प्रेस का विकास दो चरणों में हुआ (i) 1975 में इंग्लैण्ड के रॉबर्ट बार्क्ले ने टिन पर प्रिंटिंग का विकास किया, (ii) 1904 में संयुक्त राज्य अमेरिका के वाशिंगटन रूबेल ने कागज पर मुद्रण के लिए ऑफसेट मुद्रण का विकास किया। ऑफसेट प्रिंटिंग में छवियों का पुनरुत्पादन हूबहू किया जाता है।

18. निम्नलिखित उपादानों में प्रिंट मेकिंग से संबंधित उत्पाद को पहचानिए:?

(a) मोल्डिंग (b) एचिंग
(c) गाउच (d) वीविंग

उत्तर (b)

व्याख्या- धातु में बनी आकृति में एक डिजाइन तैयार करने के लिए किसी धातु की सतह के आरक्षित हिस्सों की कटाई के लिए तीव्र एसिड या मॉरडेंट का इस्तेमाल करने की प्रक्रिया को निक्षारण या एचिंग कहते हैं। प्रिंट तैयार करने की इंटैग्लियो विधि के रूप में यह नक्काशाकारी के साथ पुराने मास्टर प्रिंटों के लिए सबसे महत्वपूर्ण तकनीक है और आज इसका बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जाता है।

19. 'बुल फाइट' सिरीज में पिकासो ने निम्नलिखित में से किसका प्रयोग किया है?

(a) ऑफसेट लिथोग्राफी (b) सॉफ्ट ग्राउण्ड
(c) रिलीफ एचिंग (d) शुगर लिफ्ट एचिंग

उत्तर (a)

व्याख्या- 'बुल फाइट' सिरीज में पिकासो ने ऑफसेट लिथोग्राफी का प्रयोग किया है। यह सिरीज पिकासो ने वर्ष 1945-46 में तैयार की थी।

20. अश्फालटम मानक सामग्री को इनमें से एक भी कहा जाता है:

(a) रेसिन (b) फ्रेंच चॉक
(c) चारकोल (d) बिटुमेन

उत्तर (d)

व्याख्या- ऐस्फाल्ट एक चिपचिपा काला और गाढ़ा तरल या अर्द्ध तरल पदार्थ होता है, जिसे कच्चे पेट्रोलियम से प्राप्त किया जाता है। यह प्राकृतिक रूप से भी मिलता है। पहले इसे अश्फाल्टम भी कहा जाता था। इसका प्रयोग सड़क निर्माण, उड़ान पट्टी निर्माण आदि में होता है। ऐस्फाल्ट काले से लेकर गहरे भूरे रंग तक के ठोस, अथवा आर्द्र ठोस और सीमेंट के समान जोड़ने का कार्य करने वाला पदार्थ है, जो गर्म करने पर धीरे-धीरे द्रव हो जाते हैं। इसका मुख्य संघटक बिटुमेन होता है जो कि पेट्रोलियम का परिशोधन करने के दौरान उत्पन्न होता है।

21. अभिकथन (A): रोदां प्रतीकवादी के साथ-साथ प्रभाववादी भी है।

कारण (R): क्योंकि रोदां से अपनी कृतियों में उत्तर उन्नीसवीं शताब्दी के दो प्रबल प्रवृत्तियों का संयोजन किया है

(a) (A)गलत है, (R) आंशिक रूप से सही है।
(b) (A) सही है, तथा (R) भी सही है।
(c) (A) सही है, (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, (R) भी गलत है।

उत्तर (b)

व्याख्या- रोदां की मान्यता थी कि "चित्रकला में त्रिमितियुक्त नैसर्गिक वस्तुओं का सादृश्य नहीं होता, अपितु मानवीय सौन्दर्य पर विचारों की प्रतिष्ठा का मुकुट चढ़ाया जाता है।" रोदां की कला ध्येय "असंभाव्य को संभाव्य रूप में सजीव चित्रित करना" था। रोदां प्रतीकवादी के साथ-साथ प्रभाववादी भी है। क्योंकि रोदां से अपनी कृतियों में उत्तर उन्नीसवीं शताब्दी के दो प्रबल प्रवृत्तियों का संयोजन किया है। अतः अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही है।

22. अभिकथन (A): आकृतिमूलक मूर्तियों में बुनावटी सतह जीवंतता का सृजन करती है।

कारण (R): मूर्तियों को अलग प्रकार से बनाने के लिए मूर्तिकारों को एक नई तकनीक मिली।

(a) (A) आंशिक रूप से सही है तथा (R) सही है।
(b) (A) सही है तथा (R) भी आंशिक रूप से सही है।

(c) (A) गलत है तथा (R) आशिंक रूप से सही है

(d) (A) तथा (R) दोनों आंशिक रूप से सही हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या- आकृतिमूलक मूर्तियों में बनावटी सतह जीवंतता का सृजन करती है क्योंकि मूर्तियों को अलग प्रकार से बनाने के लिए मूर्तिकारों को एक नई तकनीक मिली। अभिकथन (A) सही तथा कारण (R) आंशिक रूप से सही है।

23. **अभिकथन (A):** खुदरा विज्ञापन स्थानीय उन्मुख होता है

कारण (R): खुदरा विज्ञापन उपभोक्ताओं को वस्तुओं और सेवाओं को सीधे बेचने में सहायक है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही नहीं हैं।

(b) (A) सही है, (R) सही नहीं है।

(c) (A) सही नहीं है, (R) सही है।

(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

उत्तर (d)

व्याख्या- खुदरा विज्ञापन स्थानीय उन्मुख होता है। खुदरा विज्ञापन उपभोक्ताओं को वस्तुओं और सेवाओं को सीधे बेचने में सहायक है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

24. **अभिकथन (A):** नाम, शब्द, प्रतीक अथवा डिजाइन-जो किसी उत्पाद-विशेष की पहचान कराते हैं- का संयोजन ब्रांड है।

कारण (R): ब्रांड किसी उत्पादन की अन्य उत्पादों से भिन्नता प्रदर्शित करने में सहायक करता है।

(a) (A) सही है, (R) गलत है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है।

(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(d) (A) सही नहीं है, (R) सही है।

उत्तर (b)

व्याख्या- नाम, शब्द, प्रतीक अथवा डिजाइन- जो किसी उत्पाद विशेष की पहचान कराते हैं का संयोजन ब्रांड है। ब्रांड किसी उत्पाद की अन्य उत्पादों से भिन्नता प्रदर्शित करने में सहायता करता है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

25. **अभिकथन (A):** फिरोजशाह तुगलक के शासनकाल में निर्मित स्मारक मजबूत, विशाल परन्तु सरल हैं।

कारण (R): क्योंकि उसके शासनकाल में कारीगरों की कमी थी तथा पूर्व शासक की गलतनीतियों के कारण अल्प धनराशि उपलब्ध थी।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है।

(b) (A) सही है (R) सही नहीं है।

(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(d) (A) गलत है (R) सही है।

उत्तर (a)

व्याख्या- सल्तनत काल में सर्वप्रथम फिरोजशाह तुगलक ने ही लोक निर्माण विभाग की स्थापना की थी। कहा जाता है कि फिरोज ने 300 नवीन नगरों का निर्माण कराया। उसके द्वारा बसाए नगरों में फतेहाबाद, हिसार, फिरोजपुर, जौनपुर और फिरोजाबाद प्रमुख थे। फरिश्ता के अनुसार फिरोज ने 40 मस्जिदें, 30 विद्यालय, 20 महल, 100 सराएँ, 200 नगर, 100 चिकित्सालय, 5 मकबरे, 100 सार्वजनिक स्नानागृह, 10 स्तम्भ और 150 पुलों का निर्माण कराया था। अपने बंगाल अभियान के दौरान उसने इकदला का नया नाम आजादपुर तथा पंडुआ का नया नाम फिरोजाबाद रखा। उसके राज्य का मुख्य वास्तुकार मलिक गाजी शहना था। प्रत्येक भवन की योजना को उसके व्यय अनुमान के साथ दीवान-ए-विसारत के सम्मुख रखा जाता था तभी उस पर धन स्वीकृत किया जाता था। फिरोजशाह के शासनकाल में निर्मित स्मारक मजबूत, विशाल परन्तु सरल है। क्योंकि उसके शासनकाल में कारीगरों की कमी थी तथा पूर्व-शासक की गलत नीतियों के कारण अल्पधनराशि उपलब्ध थी। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

26. **अभिकथन (A):** कला की प्रकृति जटिल है।

कारण (R): क्योंकि कला समसामयिक समाज के मानसिक परिवेश से उत्पन्न होती है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होता है तथा हर की अपनी संवेदनशीलता होती है।

(a) (A) सही है (R) गलत है।

(b) (A) तथा (R) दोनों गलत है।

(c) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

(d) (A) सही है (R) आंशिक रूप से सही है।

उत्तर (c)

व्याख्या- कला की प्रकृति जटिल है, क्योंकि कला समसामयिक समाज के मानसिक परिवेश से उत्पन्न होती है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता होती है तथा हर की अपनी संवेदनशीलता होती है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

27. **अभिकथन (A):** एचिंग प्रिंट्स को धातु की प्लेट का उपयोग कर कठोर सतह पर तैयार किया जाता है।

कारण (R): एचिंग को बिना किसी तकनीकी सहायता के आसानी से किया जा सकता है।

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(b) (A) सही है, (R) गलत है।

(c) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

(d) (A) गलत है, (R) सही है।

उत्तर (b)

व्याख्या- एचिंग प्रिंट्स को धातु की प्लेट का उपयोग कर कठोर सतह पर तैयार किया जाता है। अभिकथन (A) सही है। एचिंग को बिना किसी तकनीकी सहायता के आसानी से किया जा सकता है यह कहना नितांत गलत है। अतः कारण (R) गलत है।

28. **अभिकथन (A) :** भारत में प्रिंट मेंकिंग आंदोलन 20वीं शताब्दी में हुआ।

कारण (R): ऐसा अमेरिकी प्रिंट मेकर्स के प्रभाव के कारण हुआ जिन्होंने 20वीं शताब्दी में भारत में कार्य किया।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

(b) (A) गलत है (R) सही है।

(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(d) (A) सही है (R) गलत है।

उत्तर (a)

व्याख्या- भारत में प्रिंट मेकिंग का आंदोलन 20वीं शताब्दी में हुआ। ऐसा अमेरिकी प्रिंट मेकर्स के कारण हुआ जिन्होंने 20वीं शताब्दी में भारत में कार्य किया। अभिकरण (A) और कारण (R) दोनों सही है।

29. **अभिकथन (A):** हम्जानामा, जो बारह खण्डों में है, के चित्रों में घटनाओं,बॉड हेंडलिंग, चटकीले अभिव्यंजक रंगों का नाटकीय निरूपण प्रदर्शित होता है।

कारण (R): अकबर साहित्य और उत्कृष्ट कलात्मक अभिरूचि वाले व्यक्ति थे जिन्होंने मीर हम्जा, जो पैगम्बर के चाचा थे, के रोमांचकारी चित्रण की प्रशंसा की।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही है।

(b) (A) गलत है (R) सही है।

(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(d) (A) सही है (R) गलत है।

उत्तर (a)

व्याख्या- अकबरकालीन समस्त ग्रंथों में 'दास्तान-ए-अमीर हम्जा या हम्जानामा' चित्रावली बहुत महत्वपूर्ण है। इन चित्रों का निर्माण (67.5× 50 सेमी) कपड़े पर आरोपित कागज पर किया गया है और सभी चित्र अहस्ताक्षरित हैं। इसमें 360 कहानियों का चित्रण है। अकबर ने इस कथा को 12 खंडों में विभाजित कराया था और इनमें से प्रत्येक खण्ड में एक सौ जुज थे। इस प्रकार इस प्रतिलिपि में 2,400 चित्र बनाए गए। वर्तमान समय में इसके मात्र 150 चित्र ही उपलब्ध हैं। इन चित्रों में घटनाओं, ब्राँड हैंडलिंग, चटकीले अभिव्यंजक रंगों का नाटकीय निरूपण प्रदर्शित होता है। अकबर साहित्यिक और उत्कृष्ट कलात्मक अभिरुचि वाला व्यक्ति था, जिसने मीर हम्जा, जो पैगम्बर का चाचा था, के रोमांचकारी चित्रण की प्रशंसा की है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

30. **अभिकथन (A):** जी. आर. संतोष को तांत्रिक चित्रकार माना जाता है।

कारण (R): क्योंकि वे काश्मीर से थे तथा योग-तंत्र का अभ्यास करते थे।

(a) (A) सही है परन्तु (R) आंशिक रूप में सही है।

(b) (A) तथा (R) दोनों सही है।

(c) (A) गलत है परन्तु (R) सही है।

(d) (A) तथा (R) दोनों गलत है।

उत्तर (b)

व्याख्या- तांत्रिक चित्रकार के रूप में चर्चित गुलाम रसूल संतोष का जन्म वर्ष 1929 में श्रीनगर, कश्मीर में हुआ था। संतोष के चित्रों का तल सपाट होते हुए भी एक तरलता का अनुभव होता है। अमूर्त रूप प्रकाश, अंधकार की क्रीड़ा व रंगों के प्रभाव को उत्पन्न करते हैं व चित्र में गंभीर रहस्य का अनुभव होता है। संतोष के प्रमुख चित्रों में 'मैं संतोष हूँ, 'आपको क्या दिखता हूँ, 'अन्टाइटिल्ड', 'इंदिरा गाँधी की शबीह, 'रूप अग्नि, आदि है। तंत्र-मन्त्र कला के इस प्रमुख चित्रकार का निधन 10 मार्च 1997 को दिल्ली में हुआ।

31. **पुनर्जागरण काल के निम्नलिखित कलाकारों का सही कालक्रम पहचानिए:**

(a) बोट्टिसेली, दोनातो ब्रमांते, लियोनार्दो दा विंची, मसाचियो

(b) मसाचियो, बोट्टिसेली, दोनातो ब्रमांते, लियोनार्दो दा विंची

(c) दोनातो ब्रमांते, बोट्टिसेली, लियोनार्दो दा विंची, मसाचियो

(d) दोनातो ब्रमांते, मसाचियो, बोट्टिसेली, लियोनार्दो दा विंची

उत्तर (*)

व्याख्या- उपयुक्त में कोई विकल्प सही नहीं है सही क्रम है। मसाच्चियों (1401-1428) दोनात्तो (1444-1514) बोट्टिसेली, (1446-1510) ई.।

नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न का उत्तर (a) माना है।

32. **उड़ीसा के निम्नलिखित मंदिरों का सही कालक्रम पहचानिये:**

(a) परशुरामेश्वर, वैताल, देउल, लिंगराज, कोणार्क का सूर्य मंदिर

(b) वैताल देउल, परशुरामेश्वर, लिंगराज, कोणार्क का सूर्य मन्दिर

(c) परशुरामेश्वर, लिंगराज, वैताल देउल, कोणार्क का सूर्य मन्दिर

(d) लिंगराज, परशुरामेश्वर, वैताल देउल, कोणार्क का सूर्य मन्दिर

उत्तर (c)

व्याख्या- उड़ीसा के निम्नलिखित मंदिरों का कालक्रम के अनुसार सही क्रम इस प्रकार होगा- परशुरामेश्वर, लिंगराज, वैताल देउल, कोणार्क का सूर्य मंदिर।

33. **आविष्कृत किये जाने के क्रम में निम्नलिखित तकनीकों का सही क्रम बतलाइए:**

(a) ड्राई-प्वायंट, एक्वाटिंट, लाइन एचिंग, मेटल एन्ग्रेविंग

(b) लाइन एचिंग, ड्राई-प्वायंट, मेटल एन्ग्रेविंग, एक्वाटिंट

(c) ड्राई-प्वायंट, एक्वाटिंट, मेटल एन्ग्रेविंग, लाइन एचिंग

(d) ड्राई-प्वायंट, मेटल एन्ग्रेविंग, लाइन एचिंग, एक्वाटिंट

उत्तर (d)

व्याख्या- आविष्कृत किए जाने के क्रम में निम्नलिखित तकनीकों का सही क्रम इस प्रकार होगा- ड्राई-प्वायंट, मेटल एन्ग्रेविंग, लाइन एचिंग, एक्वाटिंट।

34. सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग में प्रयुक्त सामग्री का सही क्रम बतलाइए:

(a) स्क्वीज, फ्रेम, एक्सपोजिंग टेबुल, प्रिंटिंग टेबुल
(b) एक्सपोजिंग टेबुल, प्रिंटिंग टेबुल, स्क्वीज, फ्रेम
(c) फ्रेम, एक्सपोजिंग टेबुल, प्रिंटिंग टेबुल, स्क्वीज
(d) स्क्वीज, फ्रेम, प्रिंटिंग टेबुल, एक्सपोजिंग टेबुल

उत्तर (c)

व्याख्या- सिल्क स्क्रीन प्रिंटिंग में प्रमुख सामग्री का सही क्रम इस प्रकार होगा- फ्रेम, एक्सपोजिंग टेबुल, प्रिंटिंग टेबुल, स्क्वीज।

35. ग्राहक-एजेंसी संबंध को प्रभावित करने वाले कारक तत्वों में सम्मलित है:

(a) तालमेल, विचारों का आदान-प्रदान, आचरण, वैभिन्य
(b) तालमेल, आचरण, वैभिन्य, विचारों का आदान-प्रदान
(c) आचरण, तालमेल, विचारों का आदान-प्रदान, वैभिन्य
(d) विचारों का आदान-प्रदान, आचरण, वैभिन्य, तालमेल

उत्तर (a)

व्याख्या- ग्राहक-एजेंसी सम्बन्ध को प्रभावित करने वाले कारक तत्वों में सम्मिलित हैं- तालमेल, विचारों का आदान-प्रदान, आचरण, वैभिन्य।

36. अधिकतम बोधपरक योग्यता के क्रम में निम्नलिखित में सही क्रम चुनिए;

(a) आँख, कान, स्वाद, गंध
(b) गंध, स्वाद, आँख, कान
(c) कान, गंध, आँख, स्वाद
(d) आँख, कान, गंध, स्वाद

उत्तर (d)

व्याख्या- अधिकतम बोधपरक योग्यता के क्रम में निम्नलिखित में से सही क्रम इस प्रकार होगा- आँख, कान, गंध, स्वाद।

37. निम्नलिखित कलाकारों का सही कालानुक्रम निम्नलिखित विकल्पों में से चुनिए:

(a) हैंसन, मातिस, डेलक्रोइक्स, ब्रॉकुसी
(b) डेलक्रोइक्स, मातिस, बाँकुसी, हैंसन
(c) डेलक्रोइक्स, ब्रॉकुसी, मातिस, हैंसन
(d) डेलक्रोइक्स, हैंसन, मातिस, ब्राँकुसी

उत्तर (b)

व्याख्या- निम्नलिखित कलाकारों का सही क्रम इस प्रकार होगा-
डेलक्रोइक्स = 26 अप्रैल, 1798, 13 अगस्त, 1863
मातिस = 31 दिसम्बर, 1869, 3 नवम्बर, 1954
ब्राँकुसी = 19 फरवरी, 1876, 16 मार्च, 1957
हैंसन = 17 जनवरी, 1925, 6 जनवरी, 1996

38. निम्नलिखित चरणों का सही क्रम बतलाइए:

(a) कार्विंग, मैकेट, ड्रॉईंग, फिनिशिंग
(b) मैकेट, ड्राईंग, कार्विंग, फिनिशिंग
(c) ड्राईंग, फिनिशिंग, कार्विंग, मैकेट
(d) ड्रॉईंग, मैकेट, कार्विंग, फिनिशिंग

उत्तर (d)

व्याख्या- निम्नलिखित चरणों का सही क्रम होगा- ड्राइंग, मैकेट, कार्विंग, फिनिशिंग।

39. निम्नलिखित पेंटिंग का सही कालक्रम पहचानिए;

(a) केव मोनास्टरी, खिलाड़ी, ब्रूडिंग, हल्दी ग्राइंडर्स
(b) खिलाड़ी, केव मोनास्टरी, हल्दी ग्राइंडर्स, ब्रुडिंग
(c) ब्रुडिंग, हल्दी ग्राइंडर्स, केव मोनास्टरी, खिलाड़ी
(d) हल्दी ग्राइंडर्स, ब्रुडिंग, खिलाड़ी, केव मोनास्टरी

उत्तर (c)

व्याख्या- निम्नलिखित पेन्टिंग्स का सही क्रम कालक्रमानुसार इस प्रकार होगा- ब्रूडिंग, हल्दी ग्राइंडर्स, केव मोनास्टरी, खिलाड़ी।

40. ज्यामितीय रूप पर कार्य करने वाले निम्नलिखित कलाकारों का सही कालक्रम पहचानिए:

(a) ओम प्रकाश, बी. खन्ना, जी. आर. संतोष, जे. स्वामीनाथन
(b) जी. आर. संतोष, ओम प्रकाश, बी. खन्ना, जे. स्वामीनाथन
(c) बी. खन्ना, जी. आर. संतोष, जे. स्वामीनाथन, ओम प्रकाश
(d) जे. स्वामीनाथन, जी. आर. संतोष, बी. खन्ना, ओम प्रकाश

उत्तर (*)

व्याख्या- ज्यामितीय रूप पर कार्य करने वाले निम्नलिखित कलाकारों का काल के अनुसार क्रम इस प्रकार होगा- जे. स्वामीनाथन (21 जून, 1928-1994), जी.आर. संतोष (1929-10 मार्च, 1997), बलराज खन्ना (1940), ओम प्रकाश (1932)
नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) माना है।

41. निम्नलिखित देवताओं तथा उनके प्रतीकात्मक लक्ष्णों को सुमेलित कीजिए:

A. उष्णीय	(i) विष्णु
B. चक्र	(ii) शिव
C. त्रिशूल	(iii) बुद्ध
D. कमण्डल	(iv) बोधिसत्व मैत्रेय

कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

उष्णीय	-	बुद्ध
चक्र	-	विष्णु
त्रिशूल	-	शिव
कमण्डल	-	बोधिसत्त्व मैत्रेय

नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (b) माना है।

42. निम्नलिखित मूर्तियों तथा उनके स्थलों को सुमेलित कीजिए:

A. कैलाश पर्वत को हिलाती हुई रावण की मूर्ति	(i) लौरियानंदन गढ़
B. मेहश मूर्ति	(ii) कैलाश नाथ मंदिर एलोरा
C. गंगावतरण	(iii) एलिफैंटा गुफाएँ
D. मौर्यकालीन बुल कैपिटल	(iv) महाबलीपुरम

कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

कैलाश पर्वत को हिलाती हुई रावण की मूर्ति	-	कैलाश मंदिर, एलोरा
महेशमूर्ति	-	एलिफैंटा गुफाएँ
गंगावतरण	-	महावलीपुरम्
मौर्यकालीन बुल कैपिटल	-	लौरिया नंदनगढ़

नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न का उत्तर विकल्प (d) माना है।

43. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

A. जय झरोटिया	(i) कोलकाता
B. लक्ष्मा गौड़	(ii) बड़ौदा
C. रिनी धूमल	(iii) दिल्ली
D. सनत कर	(iv) हैदराबाद

कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(b)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(c)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

जय झरोटिया	-	दिल्ली
लक्ष्मा गौड़	-	हैदराबाद
रिनी धूमल	-	बड़ौदा
सनत कर	-	कोलकाता

44. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

A. जगमोहन चोपड़ा	(i) एक्वाटिंट
B. प्रकाश झा चिल्लर	(ii) ड्राइंग विथ प्रिंट इंप्रेशन
C. सनत कर	(iii) कॉलोग्राफी
D. पलानी अप्पन	(iv) वुड इंटेग्लियो

कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(b)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(c)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (c)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

जगमोहन चोपड़ा	-	कॉलोग्राफी
प्रयाग झा चिल्लर	-	एक्वाटिंट
सनत कर	-	वुड इंटेग्लियो
पलानी अप्पन	-	ड्राइंग विथ प्रिंट इम्प्रेशन

45. निम्नलिखित सामग्रियों तथा स्कल्पचर मीडियम्स को सुमेलित कीजिए:

A. कार्विंग	(i) क्ले
B. मॉडलिंग	(ii) पीतल
C. कास्टिंग	(iii) स्क्रैप मेटल
D. एसेम्बलेज	(iv) पत्थर

कोड:

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(b)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (c)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

कार्विंग	-	पत्थर
मॉडलिंग	-	क्ले
कॉस्टिंग	-	पीतल
एसेम्बलेज	-	स्क्रैप मेटल

46. निम्नलिखित कलाकारों को उनकी सृजनात्मक कृतियों से सुमेलित कीजिए:

A. प्रदोष दास गुप्त	(i) बर्ड इन स्पेस
B. एड्गर डेगा	(ii) दी बुल
C. कॉस्टांटिन ब्रॉकुसी	(iii) लिट्ल फोर्टीन इयर ओल्ड डांसर
D. राघव कनेरिया	(iv) ई बाँडेज

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार है-

प्रदोष दास गुप्त	- ई बाँडेज
एड्गर डेगा	- लिटल फोर्टीन इयर ओल्ड डांसर
कॉंस्टाटिन ब्रांकुसी	- बर्ड इन स्पेस
राघव कनेरिया	- दि बुल

47. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

A. ऑखें दान करें	(i) अमिताभ बच्चन
B. अब पोलियो का अंत करें	(ii) ऐश्वर्या राय
C. शाकाहारी बने	(iii) आमिर खान
D. अतिथि देवो भव	(iv) मेनका गांधी

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(c)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

आँखे दान करें	- ऐश्वर्या राय
अब पोलियो का अंत करें	- अमिताभ बच्चन
शाकाहारी बनें	- मेनका गाँधी
अतिथि देवो भव	- आमिर खान

48. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

A. अधिकतम प्वाइंट साइज	(i) गुढ़लेख
B. जटिल संगुम्फित आद्याक्षर	(ii) 72 प्वाइंट
C. रेजोल्यूशन की इकाई	(iii) पिक्टोग्राफ
D. सचित्र पाठ्य सामग्री	(iv) डी पी आई

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(d)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

अधिकतम प्वाइंट साइज	- 72 प्वाइंट
जटिल संगुम्फित आदयाक्षर	- गूढ़लेख
रेजोल्यूशन की इकाई	- डी.पी.आई.
सचित्र पाठ्य सामग्री	- पिक्टोग्राफ

49. निम्नलिखित पदों तथा पेंटिंग मीडियम्स को सुमेलित कीजिएः

A. हल्के से गाढ़े की ओर	(i) तैल चित्रण
B. गाढ़े से हल्के की ओर	(ii) जल रंग चित्रण
C. चिपकाना	(iii) ग्राफिक
D. एचिंग	(iv) कोलाज

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(b)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

हल्के से गाढ़े की ओर	- जल रंग चित्रण
गाढ़े से हल्के की ओर	- तैल चित्रण
चिपकाना	- कोलाज
एचिंग	- ग्राफिक

50. निम्नलिखित कलाकारों तथा उनसे संबंधित स्थानों को सुमेलित कीजिएः

A. असित कुमार हलदर	(i) दिल्ली
B. बी.सी. सान्याल	(ii) बड़ौदा
C. रवीन्द्रनाथ टैगोर	(iii) लखनऊ
D. एन. एस. बेंद्रे	(iv) शांतिनिकेतन

कोडः

	(A)	(B)	(C)	(D)
(a)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(b)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(c)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(d)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

असित कुमार हलदर	- लखनऊ
बी.सी. सान्याल	- दिल्ली
रबीन्द्रनाथ टैगोर	- शांतिनिकेतन
एन.एस. बेन्द्रे	- बड़ौदा

यू. जी. सी. नेट (जून) परीक्षा, 2012

दृश्य कला

तृतीय प्रश्न-पत्र का हल

(विश्लेषण सहित व्याख्या)

नोट- इस प्रश्न पत्र में **पचहत्तर (75)** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।

1. 'दि स्क्रीम' के चित्रकार का नाम बतलाइए:

(a) एडवर्ड मुंख (b) जेम्स एन्सर

(c) फ्रांस हॉल्स (d) सल्वादोर दाली

उत्तर (a)

व्याख्या- एडवर्ड मुंख (12 दिसंबर, 1863-23 जनवरी, 1944) नार्वे निवासी एक्सप्रेसनिज्म चित्रकार थे। द स्क्रीम (1893), मैडोना (1895), द डान्स ऑफ लाइफ (1900), एनेक्साइटी (1894), वैम्पायर (1895), द किस (1897), जेलसी (1895), एट द कॉकी टेबल (1883) क्रिसमस इन ब्रॉथल (1905), एट द कॉकी टेबल (1883), द गर्ल्स ऑन द ब्रिज (1901), द यलो लॉग (1912), सेल्फ पोट्रेट इन हेल (1903), आई इन आई (1894), सेपरेशन (1894), ट्रेन स्मोक (1900), किस IV (1902) इत्यादि एडवर्ड मुंख की सर्वश्रेष्ठ चित्राकृतियाँ हैं।

2. गुप्त स्थापत्य की प्रसिद्ध मूर्ति 'दि थिंकर' के मूर्तिकार का नाम पहचानिए:

(a) मार्सेल दुशाँ (b) जाँ आर्प

(c) काल्दर (d) आगस्त रोदाँ

उत्तर (d)

व्याख्या- अगस्त रोदाँ (12 नवंबर, 1840- 17 नवंबर, 1917) फ्रांसीसी मूर्तिकार थे। द थिंकर (1902), द किस (1889), द गेट्स ऑफ हेल (1917), द एज ऑफ ब्रान्ज (1870), सेंट जॉन द बैप्टिस्ट प्रीचिंग (1878-80), मैन विद ब ब्रोकेन नोज (1863-64), इटर्नल स्प्रिंगटाइम (1884), द वाकिंग मैन (1878), द थ्री शेड्स (1886), क्राउचिंग वुमेन (1882), ब्रदर एण्ड सिस्टर (1890), आई एम ब्यूटीफुल (1882), नेकेड बाल्जाक विद कोल्डेड आर्म्स (1892-93) इत्यादि रोदाँ की सर्वश्रेष्ठ शिल्पाकृतियाँ हैं।

3. प्रसिद्ध स्मारक 'जहाज महल' में किस प्रादेशिक भारतीय-इस्लामी शैली का प्रतिनिधित्व हुआ है?

(a) दिल्ली साम्राज्य (b) मालवा

(c) दकन (d) गुजरात

उत्तर (b)

व्याख्या- मालवा नामक प्रादेशिक भारतीय इस्लामी शैली में निर्मित 'जहाज महल' मांडू की एक अत्यंत खूबसूरत इमारत है। यह महल दो झीलों कापुर तालाब और मुंज तालाब के मध्य निर्मित है जो देखने पर जहाज जैसा दिखता है। इस महल का निर्माण खिलजी राजवंश के घिया-उद-दीन द्वारा 1500 ईस्वी में करवाया गया था। यह महल व्यभिचारी राजा की कई बीबियों का निवास स्थान था।

4. गुप्त स्थापत्य की प्रसिद्ध मूर्ति गोवर्धनधारी किस संग्रहालय में रखी गयी है?

(a) राष्ट्रीय संग्रहालय, दिल्ली

(b) भारत भवन, भोपाल

(c) भारत कला भवन, वाराणसी

(d) कला भवन, शांतिनिकेतन

उत्तर (c)

व्याख्या- गुप्त स्थापत्य की प्रसिद्ध मूर्ति 'गोवर्धनधारी' भारत कला भवन, वाराणसी संग्रहालय में संरक्षित है। यहाँ चित्र वीथिका में 12वीं से 20वीं शताब्दी तक के भारतीय लघुचित्र प्रदर्शित हैं।

5. कोणार्क के सूर्य मन्दिर का नट मण्डप एक उच्च धरातल पर अलग से स्थित है? यह कहाँ स्थित है?

(a) जगमोहन के सामने

(b) गर्भगृह के दक्षिण की ओर

(c) गर्भगृह के उत्तर की ओर

(d) गर्भगृह के पश्चांगन में

उत्तर (a)

व्याख्या- ओडिशा के कुशल शिल्पियों की रचना है, कोणार्क का यह नयनाभिराम मंदिर। सूर्य का मंदिर होने के कारण इसे कोणार्क कहते हैं। पुरी की पवित्र नगरी से प्रायः 32 किलोमीटर की दूरी पर यह समुद्र के तट पर उत्तर-पूर्व दिशा में एकाकी खड़ा है। केसरी राजवंश के नरसिंहदेव प्रथम ने सन् 1238-64 ईस्वी के बीच में इसका निर्माण कराया था। इस मंदिर का नटमंडप देउल तथा जगमोहन से पृथक् जगमोहन के सामने एक ऊँचे चबूतरे पर निर्मित है। यह मुख्य मंदिर से लगभग 9मीटर दूर मुख्य प्रवेशद्वार के सम्मुख खड़ा है।

6. सलाँ दि रिफ्यूजे नामक कला प्रदर्शनी की प्रथम समीक्षा किसने लिखी थी?

(a) रोजर फ्राई (b) ली रॉय

(c) क्लॉद मोने (d) हर्बर्ट रीड

उत्तर (b)

व्याख्या- सलाँ दि रिफ्यूजे नामक कला प्रदर्शनी की प्रथम समीक्षा ली रॉय ने लिखी थी।

7. संगमरमर को जलाने का परिसूत्र है

$CaCO_3$+heat $\rightarrow$ CaO+$CO_2\uparrow$

तब संगमरमर पत्थर का पिंड किसमें परिवर्तित हो जाता है?

(a) सीमेंट (b) चूना

(c) संगमरमर चूरा (d) कार्बोरंडम चूर्ण

उत्तर (b)

व्याख्या- संगमरमर को जलाने का परिसूत्र है :- $CaCO_3$ + heat $\rightarrow$CaO. + $CO_2\uparrow$। जलाने के बाद संगमरमर पत्थर का पिंड चूना में परिवर्तित हो जाता है।

8. प्लास्टर ऑफ पेरिस किससे बनता है?

(a) बलुआ पत्थर (b) चूना पत्थर

(c) जिप्सम (d) संगमरमर पत्थर

उत्तर (c)

व्याख्या- प्लास्टर से तीन पदार्थों का बोध होता है- (i) जिप्सम प्लास्टर (पेरिस प्लास्टर) (ii) चूना प्लास्टर (Lime Plaster) (iii) सीमेंट प्लास्टर। इसे 'प्लास्टर ऑफ पेरिस' भी कहा जाता है। यह निर्जलित जिप्सम है, जो प्रायः श्वेत चूर्ण के रूप में मिलता है। यदि विशुद्ध जिप्सम ($CaSO_4$ $2H_2O$) को 1000 से 1900 सेंटीग्रेट तक गर्म किया जाए, तो जलांश का तीन चौथाई भाग निकल जाता है और परिणामी पदार्थ पेरिस प्लास्टर ($CaSO_4 \cdot \frac{1}{2}H_2O$) कहलाता है।

9. कांसा का द्रवांक क्या है (मेल्टिंग टेंपरेचर) ?

(a) 700° सें. (b) 980° सें.

(c) 1400° सें. (d) 1800° सें.

उत्तर (*)

व्याख्या- नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है एवं सभी को समान अंक प्रदान किया है।

10. मार्क्स अर्न्स्ट किससे संबंधित है?

(a) अति यथार्थवाद (b) भविष्यवाद

(c) उत्तर-आधुनिकतावाद (d) दादावाद

उत्तर (a)

व्याख्या- मार्क्स एर्न्सट दादावाद के साथ अतियथार्थवादी कलाकार भी था

• एर्न्सट ने लकड़ी के फर्श में दिखाई देने वाली विचित्र आकृतियों से प्रेरणा लेकर 1925 ई. में **फ्रोताज पद्धति** (Frottage method) का अविष्कार किया।

• एर्न्सट ने 1926 में फ्रोताज पद्धति से बने चित्रों की चित्रावली को निर्सग का इतिहास नाम से प्रकाशित किया।

• एर्न्सट ने पुरानी मासिक पत्रिकाओं व विज्ञान सम्बन्धी पुस्तकों से रेखाचित्रों को टुकड़े में काट कर उन टुकड़ो को पुनः एक साथ भिन्न तर्क हीन क्रम में रखकर मोताज पद्धति का (Montag method) का भी अविष्कार किया।

11. कलकत्ता ग्रुप के संस्थापक सदस्यों का समूह पहचानिए:

(a) नंदलाल बोस, असित हलदर, जैमिनी राय, अबानी सेन

(b) निरोद मजुमदार, गोपाल घोष, रथिन मैत्रा, शुभो टैगोर

(c) अवनीन्द्र नाथ टैगोर, सुनयनी देवी, हेमन्त मिश्रा, जैमिनी रॉय

(d) रामकिंकर बैज, गोवर्धन अश, रामेन्द्रनाथ चक्रवर्ती, सोमनाथ होर

उत्तर (b)

व्याख्या- भारत में आधुनिक कलाकारों के प्रथम समूह 'कलकत्ता' ग्रुप की स्थापना प्रदोष दास गुप्ता, शुभो टैगोर, पारितोष सेन, गोपाल घोष, निरोद मजूमदार, हेमंत मिश्रा, कमला दास गुप्ता, गोवर्धन एश, रथिन मैत्रा, प्राणकृष्ण पाल और सुनील माधव सेन ने मिलकर वर्ष 1943 में कलकत्ता में की थी।

12. गेट्स आफ पैराडाइज का निर्माण किसने किया था?

(a) अगस्त रोदाँ (b) लोरंजो गिबर्त्ती

(c) मसाचियो (d) ब्रुनलेशी

उत्तर (b)

व्याख्या- लोरेंजो गिबर्त्ती (1378-1दिसंबर, 1455) इटलीवासी प्रसिद्ध मूर्तिकार थे। गिबर्त्ती ने 'गेट्स ऑफ पैराडाइज' का निर्माण 1425 से 1452 ईस्वी के मध्य की थी।

13. लीथोस्टोन पर रेखांकन के पश्चात् वॉश् आउट घोल फैलाया जाता है, ताकि

(a) पत्थर चिकना हो जाय।

(b) रेखांकन का काला रंग बाहर आ जाय तथा ग्रीस पत्थर में बैठ जाय।

(c) रेखांकन की छवि पत्थर में कार्व हो जाय।

(d) पत्थर अधिक संवेदनशील हो जाय।

उत्तर (b)

व्याख्या- लीथोस्टोन पर रेखांकन के पश्चात् वॉश आउट घोल फैलाया जाता है, ताकि रेखांकन का काला रंग बाहर आ जाए तथा ग्रीस पत्थर में बैठ जाए।

14. एल्यूमिनियम प्लेट की एचिंग की जाती है

(a) कास्टिक सोडा से (b) नाइट्रिक एसिड से

(c) फेरिक क्लोराइड से (d) सल्फ्यूरिक एसिड से

उत्तर (a)

व्याख्या- एल्युमीनियम प्लेट की एचिंग कास्टिक सोडा से की जा सकती है।

15. सॉफ्ट ग्राउण्ड प्रोसेस का प्रयोग किया जाता है

(a) फाइन ड्राईंग के लिये।

(b) टेक्सचरल मैटेरियल से टेक्सचर को स्थानांतरित करने के लिये।

(c) प्लेट की पॉलिश के लिये।

(d) इंक से ग्रीस को अलग करने के लिये।

उत्तर (*)

व्याख्या- नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है एवं सभी को समान अंक प्रदान किया है।

16. प्रथम मूवेबुल टाइप का आविष्कार किसने किया था?

(a) होमर (b) एरिक गिल
(c) कैरोल समर (d) जॉन गुटेनबर्ग

उत्तर (d)

व्याख्या- प्रथम मूवेबुल टाइप (मेटल) का आविष्कार जॉन गुटेनबर्ग ने 1439 ईस्वी में जर्मनी में किया था।

17. वुड कट में कई बार प्रिन्ट मेकर अपने डिजाइन के लिये लाभ लेता है

(a) लकड़ी की कठोरता का
(b) लकड़ी की कोमलता का
(c) लकड़ी के स्वाभाविक टेक्सचर का
(d) लकड़ी की स्निग्धता का

उत्तर (*)

व्याख्या- नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है एवं सभी को समान अंक प्रदान किया है।

18. कॉपर प्लेट एचिंग में किस एसिड का प्रयोग किया जाता है?

(a) हाइड्रोक्लोरिक एसिड (b) फेरिक क्लोरिक एसिड
(c) सल्फ्यूरिक एसिड (d) नाइट्रिक एसिड

उत्तर (b)

व्याख्या- कॉपर प्लेट एचिंग में फेरिक क्लोरिक नामक एसिड का प्रयोग किया जाता है।

19. विज्ञापन माध्यम के रूप में टी.वी. की बड़ी दुर्बलता निम्नलिखित में से क्या है?

(a) देखने वालों की सीमित संख्या
(b) अनेक विज्ञापनों का इकट्ठा प्रसारण
(c) अत्यंत खर्चीला होना
(d) अत्यंत उबाऊ होना

उत्तर (b)

व्याख्या- एक ताजा अध्ययन बताता है कि सभी विज्ञापनों में अभी भी टेलीविजन विज्ञापन सबसे प्रभावी विज्ञापन माध्यम है। इस वाक्य का प्रमाण हम देख सकते हैं कि जब लोकप्रिय प्रसारणों के मध्य टेलीविजन चैनल वाणिज्यिक समय के लिए उच्च कीमत चार्ज करते हैं। किन्तु विज्ञापन माध्यम के रूप में टी.वी. की सबसे बड़ी कमी या दुर्बलता अनेक विज्ञापनों का इकट्ठा प्रसारण है।

20. विज्ञापन कॉपी का सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व है

(a) तीव्र स्पर्धा
(b) खरीददार का लाभ
(c) मेसेज (संदेश)
(d) हेड-लाइन (मुख्य शीर्षक)

उत्तर (c)

व्याख्या- विज्ञापन कॉपी का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण तत्त्व संदेश है। विज्ञापन विक्रय कला का एक नियंत्रित जनसंचार माध्यम है, जिसके द्वारा उपभोक्ता को दृश्य एवं श्रव्य संदेश इस उद्देश्य से प्रदान की जाती है कि वह विज्ञापनकर्ता की इच्छा से विचार, सहमति, कार्य अथवा व्यवहार करने लगे।

21. स्वोट एनालिसिस की प्रशंसा निम्नलिखित में से किसके संदर्भ में की जाती है?

(a) अभियान नियोजन (b) जन सम्पर्क
(c) मुनाफाकारी प्रदर्शन (d) विपणन विश्लेषण

उत्तर (d)

व्याख्या- स्वोट एनालिसिस की प्रशंसा विपणन विश्लेषण के संदर्भ में की जाती है।

22. विज्ञापन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण उद्देश्य है

(a) वादा करना (b) उसकी मौलिकता
(c) अपील की योग्यता (d) इसकी व्यावसायिकता

उत्तर (*)

व्याख्या- नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है एवं सभी को समान अंक प्रदान किया है।

23. विज्ञापन कार्य में अभियान नियोजन कहाँ से लिया गया है?

(a) सैन्य नियोजन (b) सामाजिक नियोजन
(c) आर्थिक नियोजन (d) राजनीतिक नियोजन

उत्तर (a)

व्याख्या- विज्ञापन कार्य में अभियान नियोजन सैन्य नियोजन से लिया गया है।

24. 'टैग लाइन' को यह भी कहा जाता है

(a) जॉ लाइन (b) पंच लाइन
(c) फिक्स लाइन (d) थिन लाइन

उत्तर (b)

व्याख्या- टैग लाइन को पंच लाइन भी कहा जाता है।

25. अपने जीवन के 'ब्लू पीरियड' के लिये पिकासो ने किस अवधि में कार्य किया?

(a) 1900–1901 (b) 1901–1904
(c) 1904–1908 (d) 1905–1910

उत्तर (b)

व्याख्या- पाब्लो पिकासो (25 अक्टूबर, 1881- 8 अप्रैल, 1973) स्पेन के चित्रकार, मूर्तिकार, प्रिंटमेकर, स्टेज डिजाइनर, कवि और नाटककार थे, जिन्होंने अपने जीवन का अधिकांश समय फ्राँस में व्यतीत किया। पिकासो के कलाकार्यों का वर्गीकरण कालानुसार इस प्रकार माना जाता है-

ब्लू पीरियड	- 1901 - 1904 ईस्वी
रोज पीरियड	- 1904 - 1906 ईस्वी
अफ्रीकन इनफ्लूएन्स्ड पीरियड	- 1907 - 1909 ईस्वी
एनालिटिक क्यूबिज्म	- 1909 - 1912 ईस्वी
क्रिस्टल पीरियड या सिन्थेटिक क्यूविज्म	- 1912 - 1919 ईस्वी

पिकासो ने घनवाद और अति यथार्थवाद कला आंदोलनों को अपनी कृतियों से समृद्ध किया।

26. 'रेखा में रंग की शक्ति होती है' (लाइन हैज दि पावर ऑफ कलर)–यह किसकी उक्ति है?

(a) कोरो (b) देगा

(c) पॉल गोगाँ (d) गोया

उत्तर (c)

व्याख्या- 'रेखा में रंग की शक्ति होती है' (लाइन हैज दि पावर ऑफ कलर) यह उक्ति पॉल गोगाँ की है।

27. ''पेंटिंग इज दि आर्ट ऑफ हॉलोइंग ए सरफेस''– यह किसका कथन है?

(a) गोया (b) माने

(c) देगा (d) स्यूरा

उत्तर (d)

व्याख्या- ''पेंटिंग इज आर्ट ऑफ हॉलोइंग ए सरफेस'' - कथन स्यूरा का है।

28. रंग परिप्रेक्ष्य है (कलर इज पर्सपेक्टिव), यह किसने कहा है?

(a) सेजाँ (b) कोरो

(c) गोया (d) रिदों

उत्तर (a)

व्याख्या- रंग परिप्रेक्ष्य है। (कलर इज पर्सपेक्टिव), यह कथन पॉल सेजाँ का है।

29. प्रसिद्ध तैल चित्र 'थ्री वुमेन' किस सुविख्यात कलाकार द्वारा निर्मित है?

(a) जैमिनी रॉय (b) अमृता शेरगिल

(c) राजा रवि शर्मा (d) ए.एन. टैगोर

उत्तर (b)

व्याख्या- प्रसिद्ध तैल चित्र 'थ्री वुमेन' अमृता शेरगिल (30 जनवरी, 1913- 5 दिसंबर, 1941) द्वारा निर्मित है। अछूत बालिका, बालिका वधू, भारतीय लड़कियाँ, नीलवसना, विश्राम, भिखारी, पनिहारिन, हल्दी पीसती औरतें, गणेश पूजा, हाथी का स्नान, फल बेचने वाली, वधू का शृंगार, पर्वतीय स्त्रियाँ, पर्वतीय पुरुष और वार्तालाप इत्यादि अमृता शेरगिल की प्रसिद्ध कृतियाँ हैं।

30. प्राणनाथ मागो के चित्र का शीर्षक क्या है?

(a) कैचिंग फिश (b) हल्दी ग्राइण्डर

(c) मदर एंड चाइल्ड (d) ऑटम

उत्तर (*)

व्याख्या- 'कैचिंग फिश' प्राणनाथ मागो के चित्र का शीर्षक है। प्राणनाथ मागो (1923-2006) चित्रकार, शिक्षाविद्, कला समीक्षक और 25 मार्च, 1949 को दिल्ली में स्थापित दिल्ली शिल्प चक्र के संस्थापक सदस्य थे।

नोट- यूजीसी ने इस प्रश्न को विलोपित कर दिया है एवं सभी को समान अंक प्रदान किया है।

31. अभिकथन (A): ललित कलाओं में प्रत्येक रचना के लिये कल्पना, ऐब्स्ट्रैक्शन और अभिव्यंजना का समुचित संयोजन आवश्यक है।

कारण (R): कला-सृजन में कल्पना बिम्ब के निर्माण में सहायक होती है, ऐब्स्ट्रैक्शन का संबंध रूप की रचना से है, तथा अभिव्यंजना भाव से संबंधित है।

(a) (A) गलत है, (R)सही है।

(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।

(c) (A) सही है, (R) गलत है।

(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या- सौंदर्य या लालित्य के आश्रय से व्यक्त होने वाली कलाएँ ललित कला (Fine Arts) कहलाती हैं। अर्थात् वह कला जिसके अभिव्यंजन में सुकुमारता और सौंदर्य की अपेक्षा हो और जिसकी सृष्टि मुख्यतः मनोविनोद के लिए हो। जैसे गीत, संगीत, नृत्य, नाट्य तथा विभिन्न प्रकार की चित्रकलाएँ।

ललित कलाओं में प्रत्येक रचना के लिए कल्पना, एब्स्ट्रैक्शन और अभिव्यंजना का समुचित संयोजक आवश्यक है। कला-सृजन में कल्पना बिम्ब के निर्माण में सहायक होती है, एब्स्ट्रैक्शन का सम्बन्ध रूप की रचना से है, तथा अभिव्यंजना भाव से सम्बन्धित है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

32. अभिकथन (A): भारत में आरंभिक रॉक-कट वास्तुकला पर स्पष्ट रूप से काष्ठ वस्तु का प्रभाव दिखाई देता है।

कारण (R): क्योंकि हड़प्पाकाल के अंत से लेकर छठवीं/पाँचवीं सदी ईसा-पूर्व के मध्य भारत में काष्ठ निर्मित वास्तु प्रमुखता के साथ प्रचलित थी। इसके बाद इसे अधिक टिकाऊ माध्यम अर्थात् पत्थर में रूपायित किया गया।

(a) (A) आंशिक रूप से सही है, (R)सही है।

(b) (A) सही है, (R) आंशिक रूप से सही हैं।

(c) (A) और (R) दोनों आशिंक रूप से सही हैं।

(d) (A) और (R) दोनों सही हैं।

उत्तर (d)

व्याख्या- भारत में आरंभिक रॉक-कट वास्तुकला पर स्पष्ट रूप से काष्ठ वस्तु का प्रभाव दिखाई देता है। क्योंकि हड़प्पाकाल के अंत से लेकर 6वीं/5वीं सदी ईसा पूर्व के मध्य भारत में काष्ठ निर्मित वास्तु प्रमुखता के साथ प्रचलित थी। इसके बाद इसे अधिक टिकाऊ माध्यम अर्थात् पत्थर में रूपायित किया गया। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

33. अभिकथन (A): माइकेल एंजेलो में बाद के अपने शिल्प में सोच-विचार कर कुछ भागों को अधूरा छोड़ दिया।

कारण (R): वह वयोवृद्ध हो चुका था ओर उसकी अभिरुचि चित्रकला में अधिक हो गयी थी।

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

(b) (A) सही है, (R) गलत है।

(c) (A) गलत है, (R) सही है।

(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

उत्तर (d)

व्याख्या- माइकल एंजेलो (6 मार्च, 1975-18 फरवरी, 1564) इटलीवासी मूर्तिकार, चित्रकार, वास्तुशिल्पी और कवि थे। डेविड, द लास्ट जजमेंट, सिस्टीन चैपल सीलिंग, मोसेस, एंजेल इत्यादि मूर्तिशिल्प माइकल एंजेलो की प्रमुख कलाकृतियाँ हैं।

माइकल एंजेलो ने बाद के अपने शिल्प में सोच-विचारकर कुछ भागों को अधूरा छोड़ दिया जबकि वह वयोवृद्ध हो चुका था और उसकी अभिरुचि चित्रकला में अधिक हो गई थी। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

34. **अभिकथन (A):** सौंदर्य के प्रति हेनरी मूर का लक्ष्य केवल इसका प्रसन्न करने वाला पहलू नहीं है।

कारण (R) : आदिम मूर्तिकला की भाँति हेनरी मूर के कार्य में एक आंतरिक दबी हुई शक्ति है।

(a) (A) गलत है, (R)सही है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) सही है, (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या- सौंदर्य के प्रति हेनरी मूर का लक्ष्य केवल इसका प्रसन्न करने वाला पहलू नहीं है। आदिम मूर्तिकला की भाँति हेनरी मूर के कार्य में एक आंतरिक दबी हुई शक्ति है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

35. **अभिकथन (A):** सभी महान् कलाएँ एकीकृत आदर्शों से निःसृत होती हैं।

कारण (R): क्योंकि महान् कलाएँ सदैव जीवन को उत्प्रेरित करती हैं।

(a) (A) गलत है, (R)सही है।
(b) (A) सही है, (R) गलत है।
(c) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या- सभी महान कलाएँ एकीकृत आदर्शों से निःसृत होती हैं। क्योंकि महान कलाएँ सदैव जीवन को उत्प्रेरित करती हैं। अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है।

36. **अभिकथन (A):** दृश्य साक्षरता तथा शाब्दिक साक्षरता दोनों एक समान नहीं हैं।

कारण (R): क्योंकि जिस प्रकार हमें पढ़ना और लिखना सीखना पड़ता है, परन्तु दृश्य-जगत में पढ़ना नहीं सीखना पड़ता है।

(a) (A) सही है, (R) गलत है।
(b) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) गलत है (R) सही है।
(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

उत्तर (d)

व्याख्या- दृश्य साक्षरता तथा शाब्दिक साक्षरता दोनों एक समान नहीं है। क्योंकि जिस प्रकार हमें पढ़ना और लिखना सीखता पड़ता है, परंतु दृश्य जगत में पढ़ना नहीं सीखना पड़ता है। उपर्युक्त अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं।

37. **अभिकथन (A):** एडवर्ड मुंख एक ख्याति प्राप्त चित्रकार हैं। उन्होंने वुड-कट और लीथोग्राफी माध्यम में भी कार्य किया है।

कारण (R): उन दिनों कलाकार केवल एक माध्यम तथा कला की केवल एक तकनीक से संतुष्ट नहीं होते थे।

(a) (A) सही है, (R) गलत है।
(b) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) तथा (R) दोनों सही है।
(d) (A) गलत है, (R) सही हैं।

उत्तर (a)

व्याख्या- एडवर्ड मुंख एक ख्याति प्राप्त चित्रकार हैं। उन्होंने वुड कट और लिथोग्राफी माध्यम में भी कार्य किया है। उन दिनों कलाकार केवल एक माध्यम तथा कला की केवल एक तकनीक से संतुष्ट नहीं होते थे। अभिकथन (A) सही है जबकि कारण (R) गलत है।

38. **अभिकथन (A):** प्लेट स्मोकिंग से कोमल आधार को सुखाने तथा पिन-होल्स को बंद करने में सहायता मिलती है।

कारण (R): जब प्लेट पर अति पतला और मुलायम लेप लगाया जाता है तो प्रिंट मेकर को सामान्य सतह से पिन-होल्स को बंद करना पड़ता है।

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(c) (A) सही है (R) गलत है।
(d) (A) गलत है (R) सही है।

उत्तर (c)

व्याख्या- प्लेट स्मोकिंग से कोमल आधार को सुखाने तथा पिन-होल्स को बंद करने में सहायता मिलती है। जब प्लेट पर अति पतला और मुलायम लेप लगाया जाता है, तो प्रिंट मेकर को सामान्य सतह से पिन-होल्स को बंद करना पड़ता है। अभिकथन (A) सही और कारण (R) गलत है।

39. **अभिकथन (A) :** पॉल गोगाँ एक चित्रकार था और उसने छाया चित्रकला में कार्य किया था।

कारण (R): पॉल गोगाँ ताहिती द्वीप की महिलाओं तथा वहाँ के नैसर्गिक सौंदर्य से प्रभावित था।

(a) (A) सही है, (R) गलत है।
(b) (A) गलत है, (R) सही है।
(c) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (b)

व्याख्या- पॉल गोगाँ एक चित्रकार थे। उसने छाया चित्रकला में कार्य किया। अभिकथन (A) गलत है जबकि पॉल गोगाँ ताहिती द्वीप की महिलाओं तथा वहाँ के नैसर्गिक सौंदर्य से प्रभावित था। अतः कारण (R) सही है।

40. **अभिकथन (A) :** दृष्टि की सतता (पर्सिस्टेंस ऑफ विजन) इस बात की व्याख्या करती है कि तीव्र गति से सिलसिलेवार ढंग से दिखाई जाने वाली छवियों को मानव की आँख चल-चित्र के रूप में ग्रहण करेगी।

कारण (R) : दृष्टि की सतता फ्लिप बुक्स में प्रयुक्त एक दृग्विषय है।

(a) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।
(b) (A) सही है, (R) गलत है।
(c) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(d) (A) गलत है, (R) सही है ।

उत्तर (a)

व्याख्या- दृष्टि की सतता (पर्सिस्टेंस ऑफ विजन) इस बात की व्याख्या करती है कि तीव्र गति से सिलसिलेवार ढंग से दिखाई जाने वाली छवियों को मानव की आँख चल-चित्र के रूप में ग्रहण करेगी क्योंकि दृष्टि की सतता फ्लिप बुक्स में प्रमुख एक दृग्विषय है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

41. **अभिकथन (A):** रंग चक्र के संदर्भ में तृतीयक रंगों को अनुरूपी रंगों से भी संदर्भित किया जाता है।

कारण (R): रंग चक्र के संदर्भ में तृतीयक रंग प्राथमिक तथा द्वितीयक रंगों के बीच में स्थित होते हैं।

(a) (A) सही है, तथा (R) गलत है।
(b) (A) तथा (R) दोनों सही है।
(c) (A) गलत है तथा (R) सही हैं।
(d) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।

उत्तर (c)

व्याख्या- लाल, पीला तथा नीला प्राथमिक रंग, बैगनी, नारंगी और हरा, रसैट, ऑलिव तथा सिरटन तृतीयक रंग कहलाते हैं। रंग चक्र के सम्बन्ध में तृतीयक रंगों को अनुरूपी रंगो से भी संदर्भित किया जाता है। रंग चक्र के संदर्भ में तृतीयक रंग प्राथमिक रंग तथा द्वितीयक रंगों के बीच में स्थित होते हैं। अभिकथन (A) गलत है और कारण (R) सही है।

42. **अभिकथन (A):** अभिकल्प (डिजाइन में), संतुलन, बल, लय, अन्विति तथा वैषम्य वे सिद्धांत हैं जिनसे अभिकल्प निर्मित होता है।

कारण (R): डिजाइन में लाइन, आकृति, बुनावट, अन्तराल, आकार तथा मान वे तत्व हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि डिजाइन का निर्माण किस प्रकार हुआ है।

(a) (A) तथा (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) सही है तथा (R) गलत है।
(c) (A) गलत है तथा (R) सही है।
(d) (A) तथा (R) दोनों सही हैं।

उत्तर (d)

व्याख्या- अभिकल्प (डिजाइन) में संतुलन, बल, लय, अन्विति तथा वैषम्य वे सिद्धाँत हैं जिनमें अभिकल्प निर्मित होता है। डिजाइन में लाइन, आकृति, बुनावट अन्तराल, आकार तथा मान वे तत्त्व हैं जो यह निर्धारित करते हैं कि डिजाइन का निर्माण किस प्रकार हुआ है। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

43. **अभिकथन (A):** प्रागैतिहासिक शैल चित्रों में अधिकतर शिकार के दृश्यों और जंगली पशुओं का अंकन है।

कारण (R): क्योंकि प्रागैतिहासिक मानव का जीवन जंगल में शिकार पर ही आश्रित था।

(a) (A) गलत है, (R) सही है।
(b) (A) गलत है, (R) गलत है।
(c) (A) सही है (R) सही है।
(d) (A) सही है (R) गलत है।

उत्तर (c)

व्याख्या- प्रागैतिहासिक शैल चित्रों में सर्वाधिक आखेट/शिकार के चित्र प्राप्त हुए हैं। आदि मानव ने सांभर,महिष, गैण्डा, हाथी, बारहसिंगा, घोड़ा, खरगोश, सुअर जैसे पशुओं का स्वाभाविकता के साथ अंकन किया है। यह पशु उसने अपने आखेट में देखे थे तथा उसने इन पशुओं की गति और शक्ति पर विजय प्राप्त की थी, इस कारण उसके प्रमुख चित्रण विषय के रूप में पशु जीवन का आना स्वाभाविक है।

प्रागैतिहासिक शैल चित्रों में अधिकतर शिकार के दृश्यों और जंगली पशुओं का अंकन है, क्योंकि प्रागैतिहासिक मानव का जीवन जंगल में शिकार पर ही आश्रित था। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

44. **अभिकथन (A):** ड्राई ब्रश संघात विधि का प्रयोग जल-रंग और तैल-रंग चित्रण में होता है।

कारण (R): ड्राई ब्रश संघात सतह पर विशेष प्रकार के टेक्सचर उत्पन्न करते हैं।

(a) (A) सही है, (R) सही है।
(b) (A) गलत है, (R) सही है।
(c) (A) गलत है, (R) गलत है।
(d) (A) सही है, (R) गलत है।

उत्तर (a)

व्याख्या- ड्राई ब्रश संघात विधि का प्रयोग जल-रंग और तैल-रंग चित्रण में होता है। ड्राई ब्रश संघात सतह पर विशेष पकार के टेक्स्चर उत्पन्न करते हैं। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

45. **अभिकथन (A):** अकबर कालीन मुगल पेंटिंग में चित्रों में क्षैतिज रेखा को हमेशा ऊँचा दिखाया गया है, बाद के मुगल-कालीन चित्रों की अपेक्षा।

कारण (R): अकबर के शासनकाल में मुगल साम्राज्य का विस्तार हो रहा था इसलिये अकबर चाहता था कि चित्रों में भूतल पर होने वाली सभी घटनाओं का अंकन हो।

(a) (A) सही है, (R) गलत है।
(b) (A) सही है, (R) सही है।
(c) (A) गलत है, (R) गलत है।
(d) (A) गलत है, (R) सही है।

उत्तर (b)

व्याख्या- अकबर कालीन मुगल पेंटिंग में चित्रों में क्षैतिज रेखा को सदैव ऊँचा दिखाया गया है, बाद के मुगल कालीन चित्रों की अपेक्षा। अकबर के शासनकाल में मुगल साम्राज्य का विस्तार हो रहा था, इसलिए अकबर, चाहता था कि चित्रों में भूतल पर होने वाली सभी घटनाओं का अंकन हो। अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है।

46. बौद्ध स्तूपों की संरचना के नीचे से ऊपर की ओर के सही क्रम को पहचानिए:

(a) छत्रावली, हर्मिका, अण्डभाग, मेधि
(b) मेधि, अण्डभाग, हर्मिका, छत्रावली
(c) मेधि, हर्मिका, अण्डभाग, छत्रावली
(d) मेधि, छत्रावली, अण्डभाग, हर्मिका

उत्तर (b)

व्याख्या- बौद्ध स्तूपों की संरचना के नीचे से ऊपर की ओर का सही क्रम इस प्रकार होगा- मेधि, अण्डभाग, हर्मिका, छत्रावली।

वह गोल चबूतरा जिसके ऊपर स्तूप का मुख्य भाग आधारित होता था, उसे 'मेधि' (कुर्सी) कहा जाता था।

स्तूप का अर्द्ध-गोलाकार अथवा उल्टे कटोरे की भाँति ठोस भाग 'अण्ड' कहलाता था। यही स्तूप का प्रमुख भाग होता था।

स्तूप के शिखर पर अस्थि-पात्र को गाइकर रखने के लिए जो स्थान होता था, उसको चौकोर वेदिका से घेर दिया जाता था, जिसको 'हर्मिका' कहते थे।

हर्मिका के ऊपर 'छत्र' 'यष्टि' बनाए जाते थे। यह छत्र धार्मिक चिन्ह होता था। छत्र को सहारा देने के लिए पत्थर का जो लंबा एवं पतला स्तंभ खड़ा किया जाता था उसको 'यष्टि' कहते थे। प्रायः एक ही यष्टि का निर्माण किया जाता था। किन्तु कभी-कभी एक से अधिक यष्टियों का भी निर्माण किया जाता था। छत्र जब एक से अधिक होते थे तो उनको 'छत्रावली' कहा जाता था।

47. निम्नलिखित पाश्चात्य स्मारकों को सही काल क्रम में पहचानिए:

(a) एक्रोपोलिस का पार्थेनॉन, रोम का कोलोसियम, हागिया सोफिया, राइन्स कैथेड्रल
(b) रोम का कोलोसियम, हागिया सोफिया, राइन्स कैथेड्रल, एक्रोपोलिस का पार्थेनॉन
(c) राइन्स कैथेड्रल, एक्रोपोलिस का पार्थेनॉन, रोम का कोलोसियम, हागिया सोफिया
(d) हागिया सोफिया, राइन्स कैथेड्रल, एक्रोपोलिस का पार्थेनॉन, रोम का कोलोसियम

उत्तर (a)

व्याख्या- निम्नलिखित पाश्चात्य स्मारकों का कालक्रमानुसार सही अनुक्रम इस प्रकार होगा- एक्रोपोलिस का पार्थेनॉन, रोम का कोलोसियम, हागिया सोफिया, राइन्स कैथेड्रल।

48. सिस्टाइन चैपल की छत पर चित्रण को बाइबल में वर्णित सही क्रम में पहचानिए:

(a) क्रिएशन ऑफ ईव, क्रिएशन ऑफ आदम, फॉल एण्ड एक्सपल्शन फ्रॉम पैराडाइज, दि सेक्रेफाइस ऑफ नूह
(b) क्रिएशन ऑफ आदम, क्रिएशन ऑफ ईव, फॉल एण्ड एक्सपल्शन फ्रॉम पैराडाइज, दि सेक्रेफाइस ऑफ नूह
(c) क्रिएशन ऑफ ईव, फॉल एण्ड एक्सपल्शन फ्रॉम पैराडाइज, क्रिएशन ऑफ आदम, दि सेक्रेफाइस ऑफ नूह
(d) दि सेक्रेफाइस ऑफ नूह, क्रिएशन ऑफ आदम, क्रिएशन ऑफ ईव, फॉल एण्ड एक्सपल्शन फ्रॉम पैराडाइज

उत्तर (b)

व्याख्या- सिस्टीन चैपल की छत पर चित्रण का बाइबिल के अनुसार सही क्रम इस प्रकार होगा- क्रिएशन ऑफ आदम, क्रिएशन ऑफ ईव, फॉल एण्ड एक्सपल्शन फ्रॉम पैराडाइज, दि सेक्रेफाइस ऑफ नूह।

49. कालक्रम के अनुसार कलाकारों के सही क्रम को चुनिए:

(a) दोना तेल्लो, लूका देला रॅबिया, बेर्निनी, मेदार्दो रोसो
(b) लूका देला रॅबिया, दोना तेल्लो, बेर्निनी, मेदार्दो रोसो
(c) लूका देला रॅबिया, बेर्निनी, दोना तेल्लो, मेदार्दो रोसो
(d) दोना तेल्लो, बेर्निनी, लूका देला रॅबिया, मेदार्दो रोसो

उत्तर (a)

व्याख्या- कालक्रमानुसार कलाकारों का सही क्रम इस प्रकार होगा- दोनातेल्लो (1386), लूका देला रॅबिया (1400), बेर्निनी (1598) और मेदार्दो रोसो (1858)।

50. सही कालक्रम के अनुसार चुनिए:

(a) रिनेसाँ आर्ट, रोमन आर्ट, रोमनस्क आर्ट, बाईजन्टाइन आर्ट
(b) रोमन आर्ट, रिनेसाँ आर्ट, बाईजन्टाइन आर्ट, रोमनस्क आर्ट
(c) रोमनस्क आर्ट, रोमन आर्ट, रिनेसाँ आर्ट, बाईजन्टाइन आर्ट
(d) रोमन आर्ट, बाईजन्टाइन आर्ट, रोमनस्क आर्ट, रिनेसाँ आर्ट

उत्तर (d)

व्याख्या-कालक्रमानुसार प्रिंट मेकर्स का सही क्रम इस प्रकार होगा- रोमन आर्ट, बाईजन्टाइन आर्ट, रोमनस्क आर्ट, रिनेसाँ आर्ट।

51. सही कालक्रम के अनुसार चुनिए:

(a) घनवाद, प्रभाववाद, संरचनावाद, दादावाद
(b) प्रभाववाद, घनवाद, संरचनावाद, दादावाद
(c) संरचनावाद, घनवाद, प्रभाववाद, दादावाद
(d) दादावाद, संरचनावाद, प्रभाववाद, घनवाद

उत्तर (b)

व्याख्या- कालक्रमानुसार सही क्रम इस प्रकार होगा- प्रभाववाद, घनवाद, संरचनावाद, दादावाद।

52. कालक्रम के अनुसार प्रिंट मेकर्स के क्रम का चयन कीजिए:

(a) विलास शिंदे, रिनी धूमल, कविता नायर, पलानी अप्पन
(b) रिनी धूमल, विलास शिंदे, पलानी अप्पन, कविता नायर
(c) रिनी धूमल, पलानी अप्पन, विलास शिंदे, कविता नायर
(d) पलानी अप्पन, कविता नायर, विलास शिंदे, रिनी धूमल

उत्तर (b)

व्याख्या- कालक्रमानुसार प्रिंट मेकर्स का सही क्रम इस प्रकार होगा- रिनी धूमल, विलास शिंदे, पलानी अप्पन, कविता नायर।

53. एक्वाटिंग में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों का सही क्रम चुनिए:

(a) नाइट्रिक एसिड, प्रिंटिंग, ग्राउण्ड, रेजिन डस्ट
(b) रेजिन डस्ट, ग्राउण्ड, नाइट्रिक एसिड, प्रिंटिंग
(c) प्रिंटिंग, ग्राउण्ड, रेजिन डस्ट, नाइट्रिक एसिड
(d) ग्राउण्ड, रेजिन डस्ट, नाइट्रिक एसिड, प्रिंटिंग

उत्तर (b)

व्याख्या- एक्वाटिंग में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों का सही क्रम इस प्रकार होगा- रेजिन डस्ट, ग्राउण्ड, नाइट्रिक एसिड, प्रिंटिंग।

54. लीथोग्राफी में प्रयुक्त होने वाली सामग्रियों को सही क्रम में चुनिए:

(a) कार्बोरण्डम पाउडर, अरेबिक गम, तुशे, वॉश आउट सोल्युशन
(b) वॉश आउट सोल्युशन, अरेबिक गम, तुशे, कार्बोरण्डम पाउडर
(c) तुशे, वॉश आउट सोल्युशन, अरेबिक गम, कार्बोरण्डम पाउडर
(d) अरेबिक गम, तुशे, कार्बोरण्डम पाउडर, वॉश आउट सोल्युशन

उत्तर (a)

व्याख्या- लिथोग्राफी में प्रयुक्त होने वाली निम्नलिखित सामग्रियों का सही क्रम इस प्रकार होगा- कार्बोरण्डम पाउडर, अरेबिक गम, तुशे, वॉश आउट सोल्यूशन।

55. मुद्रित विज्ञापन में निहित निम्नलिखित शाब्दिक तत्वों का सही क्रम पहचानिए:

(a) बॉडी कॉपी, सब-हेडलाइन, स्लोगन, हेडलाइन
(b) स्लोगन, सब हेडलाइन, बॉडी कॉपी, हेडलाइन
(c) सब हेडलाइन, बॉडी कॉपी, स्लोगन, हेडलाइन
(d) हेडलाइन, सब-हेडलाइन, बॉडी कॉपी, स्लोगन

उत्तर (d)

व्याख्या- मुद्रित विज्ञापन में निहित उपरोक्त शाब्दिक तत्त्वों का सही क्रम इस प्रकार होगा- हेडलाइन, सब-हेडलाइन, बॉडी कॉपी, स्लोगन।

56. सम्प्रेषण प्रक्रिया के सन्दर्भ में निम्नलिखित को क्रमवार व्यवस्थित कीजिए:

(a) एनकोडिंग, प्रेषक, प्रापक, चैनल
(b) चैनल, प्रेषक, एनकोडिंग, प्रापक
(c) प्रेषक, एनकोडिंग, चैनल, प्रापक
(d) चैनल, प्रापक, प्रेषक, एनकोडिंग

उत्तर (c)

व्याख्या- सम्प्रेषण शब्द अंग्रेजी के Communication शब्द का हिन्दी पर्यायवाची है, जिसकी उत्पत्ति लैटिन शब्द 'Communis' से हुई है जिसका शाब्दिक अर्थ -कॉमन या सामान्य होता है। अतः कहा जा सकता है कि सम्प्रेषण ऐसी प्रक्रिया है, जिससे हम परस्पर सामान्य अवरोध के माध्यम से आदान-प्रदान करने का प्रयास करते हैं। सम्प्रेषण का अर्थ परस्पर सूचनाओं तथा विचारों का आदान प्रदान करना है। सम्प्रेषण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति अपने ज्ञान, हाव-भाव, मुख मुद्रा तथा विचारों का परस्पर आदान-प्रदान करते हैं तथा इस प्रकार से प्राप्त विचारों अथवा संदेशों के समान तथा सही अर्थों में समझने और प्रेषित करने में उपयोग करते हैं।

सम्प्रेषण प्रक्रिया के संदर्भ में निम्नलिखित का व्यवस्थित क्रम इस प्रकार होगा- प्रेषक, एनकोडिंग, चैनल, प्रापक।

57. निम्नलिखित रंगों को शीतल से ऊष्ण के क्रम में व्यवस्थित कीजिए:

(a) नीला, किरमिजी, हरा, सिंदूरी
(b) किरमिजी, नीला, हरा, सिंदूरी
(c) नीला, हरा, किरमिजी, सिंदूरी
(d) हरा, नीला, सिंदूरी, किरमिजी

उत्तर (c)

व्याख्या- उपरोक्त रंगों का शीतल से उष्ण की ओर व्यवस्थित क्रम इस प्रकार होगा- नीला, हरा, किरमिजी, सिंदूरी।

58. सही कालक्रम के अनुसार चुनिए:

(a) डाली, जैक्सन पोलॉक, मोने, गोगाँ
(b) गोगाँ, मोने, दाली, जैक्सन पोलाक
(c) मोने, गोगाँ, दाली, जैक्सन पोलॉक
(d) जैक्सन पोलॉक, दाली, गोगाँ, मोने

उत्तर (c)

व्याख्या- कलाकारों का कालक्रमानुसार सही क्रम इस प्रकार होगा- मोने (1840), गोगाँ (1848), दाली (1904), जैक्सन पोलॉक (1912)।

59. निम्नलिखित का सही कालक्रम कौन सा है?

(a) महापुराण, रज़्मनामा, हम्ज़ानामा, कल्पसूत्र
(b) कल्पसूत्र, महापुराण, हम्ज़ानामा, रज़्मनामा
(c) रज़्मनामा, हम्ज़ानामा, महापुराण, कल्पसूत्र
(d) हम्ज़ानामा, महापुराण, कल्पसूत्र, रज़्मनामा

उत्तर (b)

व्याख्या- कालक्रमानुसार ग्रंथों का सही क्रम इस प्रकार होगा- कल्पसूत्र, महापुराण, हम्जानामा, रज्मनामा।

60. भारतीय चित्र शैलियों को कालक्रम के अनुसार सही क्रम चुनिए:

(a) अजन्ता, गढ़वाल, बंगाल, काँगड़ा
(b) गढ़वाल, बंगाल, काँगड़ा, अजन्ता
(c) अजन्ता, काँगड़ा, बंगाल, गढ़वाल
(d) अजन्ता, काँगड़ा, गढ़वाल, बंगाल

उत्तर (d)

व्याख्या- कालक्रमानुसार चित्र शैलियों का सही क्रम इस प्रकार होगा- अजन्ता, काँगड़ा, गढ़वाल, बंगाल।

61. निम्नलिखित स्मारकों को उनके स्थल से सुमेलित कीजिए:

(A)	शेरशाह सूरी का मकबरा	(i)	मांडू
(B)	अटाला मस्जिद	(ii)	दिल्ली
(C)	ग्यासुद्दीन तुगलक	(iii)	सासाराम (बिहार)
(D)	हिंडोला महल	(iv)	जौनपुर

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(b)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(c)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

शेरशाह सूरी का मकबरा	- सासाराम (बिहार)
अटाला मस्जिद	- जौनपुर
गयासुद्दीन तुगलक का मकबरा	- दिल्ली
हिंडोला महल	- मांडू

62. निम्नलिखित प्रसिद्ध चित्रों को उनके कलाकारों के साथ सुमेलित कीजिए:

(A)	रैफ्ट ऑफ मेडूसा	(i)	रेफेल
(B)	स्क्रीम	(ii)	एडवर्ड मुंख
(C)	लंच ऑन दि ग्रास	(iii)	जेरिकॉल
(D)	स्कूल ऑफ एथेंस	(iv)	माने

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (b)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

रैफ्ट ऑफ मेडुसा	-	जेरिकॉल
स्क्रीम	-	एडवर्ड मुंख
लंच ऑन दि ग्रास	-	माने
स्कूल ऑफ एथेंस	-	रेफेल

63. निम्नलिखित लेखकों और उनकी पुस्तकों को सुमेलित कीजिए:

(A)	बेंजामिन रोलैंड	(i)	सर्वे ऑफ इंडियन स्कल्प्चर
(B)	वी.एस. अग्रवाल	(ii)	इंडियन आर्किटेक्चर
(C)	पर्सी ब्राउन	(iii)	दि आर्ट एण्ड आर्किटेक्चर ऑफ इण्डिया
(D)	एस.के. सरस्वती	(iv)	इण्डियन आर्ट

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा -

बेंजामिन रोलैण्ड	-	दि आर्ट एण्ड आर्किटेक्चर ऑफ इंडिया
वी.एस. अग्रवाल	-	इंडियन आर्ट
पर्सी ब्राउन	-	इंडियन आर्किटेक्चर
एस.के. सरस्वती	-	सर्वे ऑफ इंडियन स्कल्प्चर

64. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(A)	पाइरोमेट्रिक कोन	(i)	टेराकोटा
(B)	पॉइंटेड चिज़ल	(ii)	वुड कार्विंग
(C)	गॉज	(iii)	ब्रॉंज कास्टिंग
(D)	ल्यूटो	(iv)	स्टोन कार्विंग

कूट:

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(b)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(c)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)

उत्तर (c)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

पाइरोमेट्रिक कोन	-	टेराकोटा
पाइंटेड चिजल	-	स्टोन कार्विंग
गॉज	-	वुड कार्विंग
ल्यूटो	-	ब्रॉंज कॉस्टिंग

65. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

(A)	द लुब्र	(i)	लंदन
(B)	बैप्टिस्ट्री ऑफ सेंट ज्योवानी	(ii)	ग्रीस
(C)	विक्टोरिया एण्ड अल्बर्ट म्यूजियम	(iii)	पेरिस
(D)	द पार्थेनॉन	(iv)	फ्लोरेंस

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(b)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(c)	(i)	(iv)	(ii)	(iii)
(d)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)

उत्तर (a)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

द लुब्र	-	पेरिस
बैप्टिस्ट्री ऑफ सेंट ज्योवानी	-	फ्लोरेंस
विक्टोरिया एण्ड अल्बर्ट म्यूजियम	-	लंदन
द पार्थेनॉन	-	ग्रीस

66. निम्नलिखित मूर्तिकारों को उनके नगर के साथ सुमेलित कीजिएः

(A)	बालन नंबियार	(i)	दिल्ली
(B)	रवीन्द्र रेड्डी	(ii)	शिलॉग
(C)	पृथपाल लाड्डी	(iii)	बंगलोर
(D)	मृणालिनी मुखर्जी	(iv)	हैदराबाद

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

बालन नांबियार	-	बंगलौर
रबीन्द्र रेड्डी	-	हैदराबाद
पृथपाल लाड्डी	-	शिलांग
मृणालिनी मुखर्जी	-	दिल्ली

67. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

(A)	चित्त प्रसाद	(i)	मेटल फ्रॉइल
(B)	देवयानी कृष्णा	(ii)	वुड इंटेग्लियो
(C)	जयन्त परीख	(iii)	लिनो कट
(D)	सनत कर	(iv)	कलर एचिंग

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(c)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(d)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

चित्त प्रसाद	-	मेटल क्रॉइल
देवयानी कृष्णा	-	कलर एचिंग
जयन्त परीख	-	लिनो कट
सनत कर	-	वुड इंटेग्लियो

68. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

(A)	लेविगेटर	(i)	वुड कट
(B)	स्क्वीज	(ii)	इन्टेग्लिओ
(C)	ब्यूनिन	(iii)	सिल्क स्क्रीन
(D)	रूलेट	(iv)	लीथोग्राफी

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(c)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(d)	(iv)	(iii)	(i)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

लेविगेटर	-	लिथोग्राफी
स्क्वीज	-	सिल्क स्क्रीन
ब्यूनिन	-	वुड कट
रूलेट	-	इंटेग्लिओ

69. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

(A)	आयरन परक्लोराइड	(i)	फोर ग्राउण्ड
(B)	स्नेक स्टोन	(ii)	वाइपिंग
(C)	टैलो	(iii)	एचिंग
(D)	फ्रेंच चॉक	(iv)	क्रिएशन ऑफ स्टोन ड्राईंग

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(b)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(c)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(d)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)

उत्तर (d)

व्याख्या- सही सुमेलन इस प्रकार होगा-

आयरन परक्लोराइड	-	एचिंग
स्नेक स्टोन	-	क्रिएशन ऑफ स्टोन ड्राईंग
टैलो	-	फोर ग्राउण्ड
फ्रेन्च चॉक	-	वाइपिंग

70. आदिकाल से लेकर आधुनिक समय तक की निम्नलिखित सम्प्रेषण विधियों को सुमेलित कीजिएः

(A)	श्रव्य	(i)	आदिकालीन
(B)	मुद्रण	(ii)	आधुनिक
(C)	श्रव्य-दृश्य	(iii)	गुटेनबर्ग
(D)	अमौखिक	(iv)	1920 के दशक के आरंभ में

कूटः

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)
(b)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(c)	(iii)	(iv)	(i)	(ii)
(d)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

उत्तर (b)